@Qpatrika | @qaumipatrika hindi | instagram.com/qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
सोमवार, 21 सितंम्बर 2026

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 19 अंक 318 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

अगले छह माह में एक लाख नौजवानों को सरकारी नियुक्ति पत्र उपलब्ध कराने का कार्य किया जाएगा: मुख्यमंत्री योगी

कौमी पत्रिका

लखनऊ, 20 सितम्बर। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने कहा कि भर्ती प्रक्रिया में किए गए सुधारों का परिणाम है कि वर्ष 2017 के बाद 9.5 लाख से अधिक युवाओं को उत्तर प्रदेश शासन में अपनी सेवाएं देने का अवसर प्राप्त हुआ है। आज पुलिस बल में विभिन्न संवर्गों के पदों पर 912 अभ्यर्थियों का चयन भी इसी पारदर्शी व्यवस्था का परिणाम है। अगले छह माह में एक लाख और नौजवानों को सरकारी नियुक्ति पत्र उपलब्ध कराने का कार्य किया जाएगा। गत दिवस 818 युवाओं को नियुक्ति पत्र दिया गया। आगामी 22 सितम्बर को नियुक्ति पत्र वितरण करने जा रहे हैं। हर सप्ताह एक ब ?ा इवेन्ट होगा। मुख्यमंत्री जी आज यहां उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड द्वारा निष्पक्ष एवं पारदर्शी चयन प्रक्रिया से लिपिक संवर्ग सीधी भर्ती-2023 के अन्तर्गत चयनित 912 अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र वितरित करने के उपरान्त आयोजित कार्यक्रम में अपने विचार व्यक्त कर रहे थे। इनमें पुलिस उपनिरीक्षक (गोपनीय), पुलिस सहायक उपनिरीक्षक (लिपिक) तथा पुलिस सहायक उपनिरीक्षक (लेखा) के पदों पर चयनित अभ्यर्थी शामिल हैं। निष्पक्ष एवं पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया से विभिन्न पदों पर चयनित अभ्यर्थियों ने वीडियो क्लिप के माध्यम से मुख्यमंत्री जी को धन्यवाद ज्ञापित किया तथा अपने अनुभव साझा किए किये। कार्यक्रम के दौरान उत्तर प्रदेश पुलिस बल की विविध गतिविधियां पर आधारित एक लघु फिल्म प्रदर्शित की गई। मुख्यमंत्री जी ने सभी नवचयनित अभ्यर्थियों को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि जब किसी योग्य अभ्यर्थी का चयन शुचितापूर्ण एवं

पारदर्शी परीक्षा से होता है, तो यह चयन प्रक्रिया केवल एक व्यक्ति और उसके परिवार के लिए ही नहीं, बल्कि शासन और कॉमन मैन के प्रति विश्वास का भी प्रतीक बनता है। आज 912 नियुक्ति पत्र केवल 912 व्यक्तियों को नहीं, बल्कि 912 परिवारों और सोसाइटी से जुड़े लोगों को दिये जा रहे हैं। इन नवनियुक्त युवाओं को देखकर उनके मोहल्ले और गांव के दूसरे युवाओं में विश्वास उत्पन्न होगा कि वह भी भर्ती होकर उत्तर प्रदेश सरकार का हिस्सा बन सकते हैं। सरकार द्वारा उत्तर प्रदेश के युवाओं के सपनों को साकार करने और उन्हें प्रदेश शासन का हिस्सा बनाने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। परिणामस्वरूप युवाओं की ऊर्जा का सकारात्मक उपयोग प्रदेश के विकास में दिखाई दे रहा है। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि वर्ष 2017 से पहले प्रदेश में भर्ती प्रक्रिया की विसंगतियों और अनियमितताओं को लेकर युवाओं के सामने निराशा और हताशा की स्थिति थी। उस समय भर्ती प्रक्रिया में पारदर्शिता और शुचिता की कल्पना करना भी कठिन था। विज्ञापन निकलते ही युवा के मन में यह भावना पैदा होती थी कि बिना सिफारिश और लेन-देन के भर्ती प्रक्रिया पूरी नहीं हो पाएगी। परीक्षा की शुचिता पर प्रश्न खड़े होते थे, चयन प्रक्रिया पर सवाल उठते थे तथा पेपर लीक जैसी घटनाएं सामने आती थीं। ऐसी स्थिति भी रही कि परीक्षा कोई और देता था तथा परिणाम और नियुक्ति किसी और को प्राप्त होती थी। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि वर्ष 2017 के बाद सरकार ने तय किया कि भर्ती प्रक्रिया में पूरी पारदर्शिता बरती जाएगी और इसमें व्यापक सुधार किया जाएगा। उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड, उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग, उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग तथा शिक्षा विभाग से जुड़ी भर्ती प्रक्रियाओं में सुधार किए गए। प्रक्रिया को बेहतर बनाने के लिए विभिन्न स्तरों पर प्रस्तुतियों, संशोधनों और विशेषज्ञों की राय के बाद व्यवस्थाओं को अंतिम रूप दिया गया। समूह 'ग' और समूह 'घ' की भर्ती में साक्षात्कार की व्यवस्था को समाप्त किया गया, ताकि योग्य अभ्यर्थियों को प्रत्येक स्तर पर अवसर मिल सके और किसी भी स्तर पर भेदभाव की गुंजाइश न रहे। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रदेश में मानव संसाधन, अधिकारियों और पदों की व्यवस्था वही है। मुख्य सचिव, डी0जी0पी0, अपर मुख्य सचिव, प्रमुख सचिव तथा गृह सचिव के पद भी वही हैं तथा अन्य सभी पद यथावत हैं। ऐसा नहीं है कि शासन चलाने के लिए बाहर से अधिकारियों को लाकर व्यवस्था में कोई बदलाव किया गया है, बल्कि उसी मानव संसाधन और उसी प्रदेश में कार्य करते हुए लोगों की दृष्टि में परिवर्तन आया है।

शेष पृष्ठ 3 पर

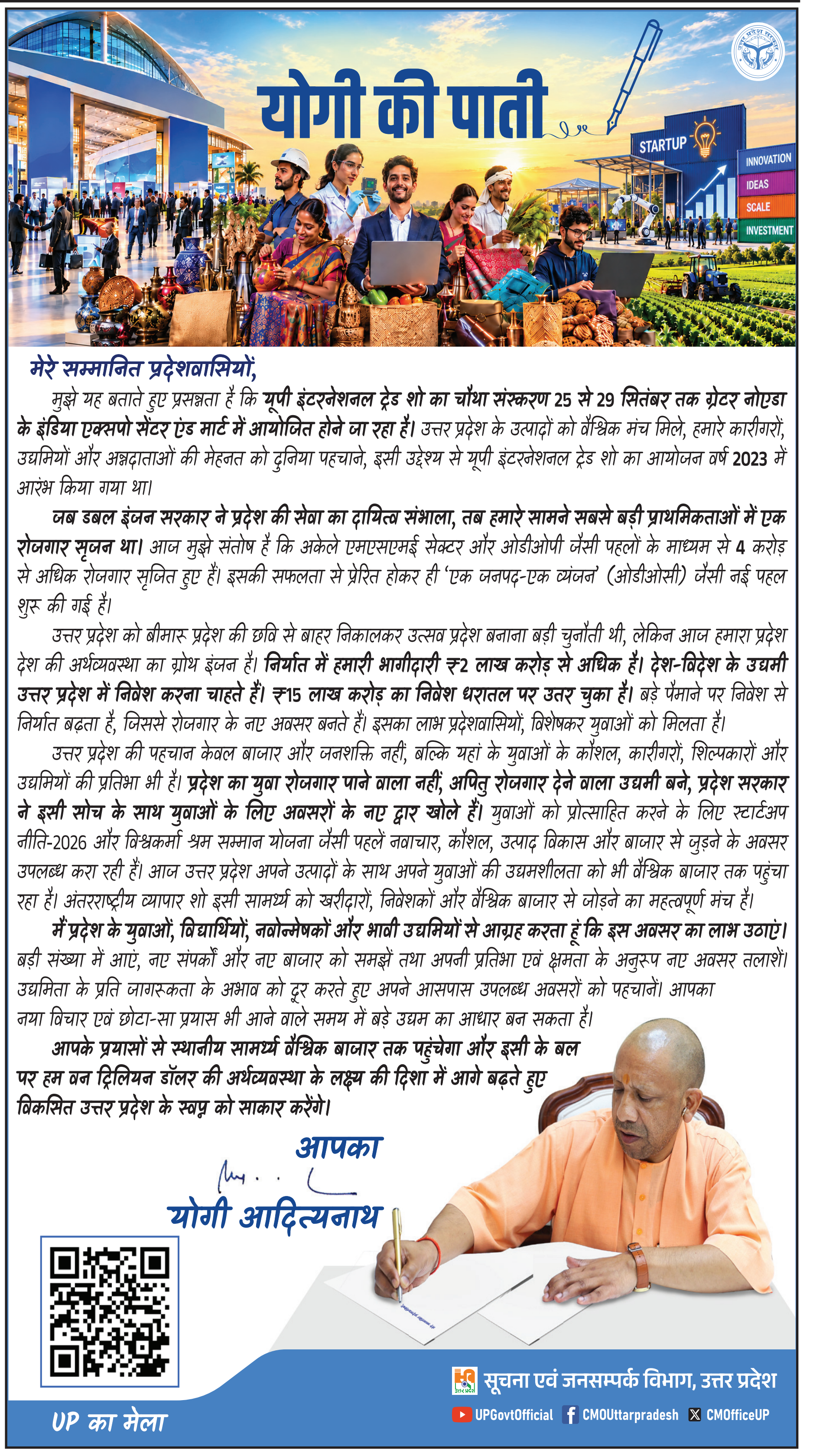

'मातोश्री' पहुंचे सतीश तो भड़के संजय राउत

मुंबई। शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत ने रविवार को कहा कि सेलिब्रिटी मैनेजर दिशा सालियन की मौत बेहद दुर्भाग्यपूर्ण थी। हालांकि, उनके पिता सतीश सालियन का आदित्य ठाकरे को 500 करोड़ रुपये का मानहानि नोटिस देने के लिए 'मातोश्री' पहुंचना महज प्रचार पाने की कोशिश थी। राउत ने कहा कि शिवसेना (यूबीटी) दिशा सालियन की मौत से दुखी है, लेकिन जिस तरह उनके पिता 'मातोश्री' पहुंचे और वहां हंगामा किया, उससे उनका दर्द जाहिर नहीं होता। दरअसल, सतीश सालियन शनिवार को शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे के मुंबई स्थित आवास 'मातोश्री' पहुंचे थे। वह अपने साथ आदित्य ठाकरे के खिलाफ 500 करोड़ रुपये का मानहानि नोटिस लेकर आए थे और उसे उन्हें सौंपना चाहते थे। दिशा सालियन की मौत की सीबीआई जांच का जिक्र करते हुए शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत ने कहा कि अदालत ने इस मामले में कुछ निर्देश दिए हैं और उनका पालन किया जाना चाहिए। आप जिस तरह प्रचार के लिए मातोश्री आए, यह बहुत सस्ता तरीका है। उन्होंने यह भी दावा किया कि शिवसेना (यूबीटी) को अच्छी तरह पता है कि इस पूरे मामले के पीछे कौन है। राउत ने दावा किया कि यह पूरा मामला नेपाल कनेक्शन वाले किसी शराबी की वजह से हो रहा है। हालांकि, उन्होंने अपने इस बयान के बारे में विस्तार से कोई जानकारी नहीं दी और यह भी स्पष्ट नहीं किया कि उनका इशारा किस व्यक्ति की ओर था। सतीश सालियन ने शनिवार को आरोप लगाया था कि विधायक आदित्य ठाकरे ने उनकी मानहानि की है। इसी बीच, ष्टक्चढ्ढ ने

हाल ही में दिशा सालियन की मौत के मामले में FIR दर्ज की है। आदित्य ठाकरे इस सप्ताह की शुरुआत में स्पष्ट कर चुके हैं कि दिशा सालियन की मौत के मामले से उनका कोई संबंध नहीं है। उन्होंने यह भी कहा था कि वह दिशा सालियन से कभी नहीं मिले थे। शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने गुरुवार को चेतावनी दी थी कि अगर उनके परिवार को निशाना बनाकर चलाया जा रहा चरित्र हनन का अभियान बंद नहीं हुआ, तो वह कानूनी कार्रवाई करेंगे। इससे पहले शिवसेना (ह्रस्ञ्ज) सांसद संजय राउत ने दावा किया था कि सतीश सालियन को कोई व्यक्ति कंट्रोल कर रहा है। 28 वर्षीय दिशा सालियन ने कुछ समय तक अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत के मैनेजर के तौर पर काम किया था। 8 जून 2020 को मुंबई के मलाड इलाके में एक रिहायशी इमारत की 12वीं मंजिल से गिरने के बाद उनकी मौत हो गई थी। इसके ठीक एक सप्ताह बाद, 14 जून 2020 को सुशांत सिंह राजपूत अपने बांद्रा स्थित फ्लैट में मृत पाए गए थे। दोनों मौतों के बीच संभावित संबंध को लेकर उस समय कई तरह की अटकलें सामने आई थीं। दिशा सालियन की मौत के मामले में मुंबई पुलिस ने आकस्मिक मृत्यु रिपोर्ट (ष्ठक्र) दर्ज की थी।

भारतीय सेना के डॉग्स ने दिखाया करतब

नई दिल्ली। भारत और अमेरिका के बीच चल रहे संयुक्त द्विपक्षीय युद्ध अभ्यास में भारतीय सेना के डॉग्स ने अपने युद्ध कौशल के करतबों से अमेरिकी सेना हैरान है। भारतीय सेना की खास सैन्य मुहिमों में सैनिकों की मदद करने में माहिर डॉग्स राइस, विक्टर, जैक और राउडी ने अमेरिकी सैनिकों के साथ रूम-इंटरवेंशन और रैपलिंग जैसी मुश्किल ड्रिल में हिस्सा लिया। इससे अमेरिकी जवानों को इन डॉग्स के प्रशिक्षण, फुर्ती और मुश्किल सामरिक हालात में सैनिकों के साथ कदम से कदम मिलाकर काम करने की क्षमता को करीब से देखने का मौका मिला। राउडी और विक्टर रामपुर हाउंड नस्ल के हैं। यह भारत की स्वदेशी नस्ल है, जिसका भारतीय सेना सैन्य भूमिकाओं में तेजी से इस्तेमाल कर रही है। जैक बेल्जियन मेलिनॉयस और राइस लैब्राडोर रिट्रीवर है। इन डॉग्स को भारत की उत्तरी और पूर्वी सीमाओं पर तैनाती का अनुभव भी है। रामपुर हाउंड्स ने इससे पहले मेघालय के उमरोई में हुए एक अंतरराष्ट्रीय बहुपक्षीय सैन्य अभ्यास में अपनी क्षमता का प्रदर्शन किया था। इसके बाद उन्हें मणिपुर सीमा पर तैनात किया गया, जहां उन्होंने इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) का सफलतापूर्वक पता लगाया। इनके भाई-बहनों को ऑपरेशन सिंदूर के दौरान जालंधर और अमृतसर सेक्टर में भी तैनात किया गया था। यह अलग-अलग इलाकों और परिस्थितियों में इस कैनाइन लाइन की उपयोगिता, अनुकूलन क्षमता और भरोसेमंद प्रदर्शन को दिखाता है।

दिल्ली हाईकोर्ट में अब कुल संख्या होगी 50

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट में सोमवार को निचली अदालत के सात न्यायाधीश पद एवं गोपनीयता की शपथ लेंगे। इसके साथ ही हाईकोर्ट में न्यायाधीशों की कुल संख्या बढ़कर 50 हो जाएगी। मुख्य न्यायाधीश डीके उपाध्याय न्यायिक अधिकारियों निवेदिता अनिल शर्मा, निशा सहाय सक्सेना, संजय शर्मा, भरत पराशर, अदिति चौधरी, दिनेश भट्ट और अरुण भारद्वाज को शपथ दिलाएंगे। ये सभी दिल्ली की जिला न्यायपालिका में न्यायिक अधिकारी के रूप में कार्यरत थे। शपथ ग्रहण समारोह सोमवार सुबह 10 बजे हाईकोर्ट परिसर में आयोजित किया जाएगा। केंद्र सरकार ने इन सात न्यायिक अधिकारियों की नियुक्ति की अधिसूचना 19 सितंबर को जारी की थी। इससे पहले सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने इन अधिकारियों की नियुक्ति की सिफारिश की थी। दिल्ली हाईकोर्ट में न्यायाधीशों के स्वीकृत पदों की संख्या 60 है। सात नए न्यायाधीशों की नियुक्ति के बाद हाईकोर्ट में न्यायाधीशों की वर्तमान संख्या बढ़कर 50 हो जाएगी।

महानदी जल विवाद का जल्द समाधान होने की उम्मीद : विष्णुदेव साय

एजेंसी

भुवनेश्वर। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने रविवार को कहा कि ओडिशा और छत्तीसगढ़ के बीच लंबे समय से चले आ रहे महानदी जल विवाद का जल्द समाधान होने की उम्मीद है। दो दिवसीय ओडिशा दौरे पर भुवनेश्वर पहुंचे साय ने हवाई अड्डे पर पत्रकारों से बातचीत में यह बात कही। साय ने कहा कि महानदी के मुद्दे को लेकर दिल्ली में

ओडिशा और छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्रियों के बीच बातचीत हो चुकी है। उन्होंने कहा कि विवाद के समाधान के लिए दोनों राज्यों ने केंद्रीय जल आयोग के निर्णय को स्वीकार करने पर सहमति जताई है। केंद्रीय जल आयोग जो भी निर्णय करेगा, दोनों राज्य उसे स्वीकार करेंगे। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्तमान में महानदी को लेकर किसी प्रकार का जल विवाद नहीं है। उन्होंने कहा कि जिन राज्यों में भाजपा की सरकारें हैं, वहां जल संबंधी विवादों के समाधान की दिशा में सकारात्मक प्रगति हुई है। ओडिशा और छत्तीसगढ़ में भाजपा सरकार तथा केंद्र में एनडीए सरकार होने के कारण महानदी से जुड़े मुद्दे का समाधान जल्द होने की उम्मीद है।

झूठ की गूंज में कांग्रेस के युवराज का आचरण नारी शक्ति का अपमान: सीएम योगी

• 'ये पथभ्रष्ट और मार्ग से भटके हुए लोग हैं'

एजेंसी

ग्रेटर नोएडा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी और पूर्व उपराष्ट्रपति हामिद अंसारी पर निशाना साधा। उन्होंने राहुल गांधी का नाम लिए बिना उन्हें 'कांग्रेस का युवराज' बताते हुए कहा कि अपने झूठ की गूंज में उन्होंने जिस प्रकार का आचरण किया, वह पूरी नारी शक्ति का अपमान है। मुख्यमंत्री ने कहा कि देश को ऐसे लोगों से उम्मीद करना छोड़ देना चाहिए। ये पथभ्रष्ट और मार्ग से भटके हुए लोग हैं, जिनका लक्ष्य समाज में भ्रम पैदा कर अव्यवस्था और अराजकता फैलाना है। ग्रेटर नोएडा में दो दिवसीय 'प्रेरणा विमर्श-2026' के समापन समारोह में सीएम योगी ने पूर्व उपराष्ट्रपति हामिद अंसारी के

वक्तव्य को दुर्भाग्यपूर्ण और डरावना बताया। उन्होंने कहा कि महत्वपूर्ण संवैधानिक पद पर रहे व्यक्ति से पद की गरिमा के अनुरूप आचरण की अपेक्षा होती है। काश वह भारत की समदृष्टि को समझ पाते तो भारत, भारतीयता और हिंदू दृष्टि को नहीं कोसते। उन्होंने महिला सशक्तीकरण, युवाओं को रोजगार, स्टार्टअप और प्रदेश की अर्थव्यवस्था का उल्लेख करते हुए कहा कि बीमारू कहा जाने वाला उत्तर प्रदेश अब रेवेन्यू सरप्लस स्टेट और देश का ग्रोथ इंजन बन चुका है। मुख्यमंत्री ने कहा कि नारी गरिमा की रक्षा और महिला सशक्तीकरण केवल भाषणों से नहीं होगा। सरकार ने योजनाओं में महिलाओं को प्राथमिकता दी है। देश में तीन करोड़ परिवारों को घरौनी के माध्यम से मकान का मालिकाना अधिकार दिया गया।

'शारीरिक और भाषाई विशेषताओं का जांच से कोई लेना-देना नहीं'

हो` रंग-प पर
ाारित से ो ाि र

एजेंसी

तिरुवन्नामलाई। मद्रास हाईकोर्ट ने तिरुवन्नामलाई ज़िला स्तरीय विजिलेंस कमेटी के एक फैसले को रद्द कर दिया गया है। फैसले में अधिकारियों ने एम. रविकुमार के अनुसूचित जाति समुदाय से होने के दावे को नहीं माना था और उनके कम्युनिटी सर्टिफिकेट को असली नहीं माना था। अधिकारियों ने एम. रविकुमार के अनुसूचित जाति समुदाय से होने के दावे की जांच की, तो उन्होंने उनके परिवार के धार्मिक इतिहास, उनके दस्तावेजों और उनके रूप-रंग पर ध्यान दिया था। उन्होंने देखा कि वे गोरे, लंबे और अच्छी कद-काठी वाले थे, तमिल और अंग्रेजी बोलते थे और उनके बाल घुंघराले थे।

फिर से करें विचार- कोर्ट

सुनवाई के दौरान मद्रास हाई कोर्ट ने टिप्पणी करते हुए कहा कि शारीरिक और भाषाई विशेषताओं का जांच से कोई लेना-देना नहीं हो सकता है, और अन्य निष्कर्षों के समर्थन में कोई सबूत नहीं था। जस्टिस डी. भरथा चक्रवर्ती के 11 सितंबर के आदेश में कमेटी को इस मामले पर फिर से विचार करने के लिए कहा। 18 सितंबर को अपलोड किए गए इस आदेश से रविकुमार के हक का फैसला अभी नहीं हुआ है।
चेन्नई कस्टम्स डिपार्टमेंट में असिस्टेंट कमिश्नर रविकुमार ने दिसंबर 1986 में हिंदू आदि द्रविड़ समुदाय का सर्टिफिकेट बनवाया था और नौकरी के लिए यही डाक्यूमेंट लगाए थे। आदेश के मुताबिक 30 मई 2026 को उनके तय रिटायरमेंट से कुछ समय पहले ही वेरिफिकेशन शुरू हुआ था और 4 मई को कमेटी का उनके खिलाफ फैसला आया।

राष्ट्रपति 21 से 23 सितंबर तक गुजरात का दौरा करेंगी

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु 21 से 23 सितंबर तक गुजरात का दौरा करेंगी। राष्ट्रपति सचिवालय के अनुसार तीन दिवसीय दौरे के दौरान वह 22 सितंबर को केवड़िया के एकता नगर में 72वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार प्रदान करेंगी। इसके बाद 23 सितंबर को वड़ोदरा में महाराजा सयाजीराव विश्वविद्यालय, बड़ौदा के 75वें वार्षिक दीक्षांत समारोह में शामिल होंगी। इसी दिन, वह ब्रह्माकुमारीज के अभियान 'विश्व नव निर्माण हेतु आध्यात्मिक जागरण' की शुरुआत करेंगी और वड़ोदरा में 'ग्लोबल स्पिरिचुअल पैलेस' रिट्रीट सेंटर का उद्घाटन करेंगी। उस अवसर पर राष्ट्रपति ब्रह्माकुमारीज नाडियाड के अभियान 'विकसित भारत के लिए युवाः राष्ट्र निर्माण के लिए आंतरिक शक्ति की जागृति' की भी वर्चुअल तरीके से शुरुआत करेंगी।

उपराष्ट्रपति सोमवार को तमिलनाडु का दौरा करेंगे

एजेंसी

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन सोमवार को यूपीएएसआई टी रिसर्च फाउंडेशन के शताब्दी सम्मेलन में शामिल होने के लिए तमिलनाडु का दौरा करेंगे। उपराष्ट्रपति सचिवालय के अनुसार वह नीलगिरी के कुन्नूर में यूपीएएसआई (यूनाइटेड प्लांटर्स एसोसिएशन ऑफ साउदन इंडिया) टी रिसर्च फाउंडेशन (यूपीएएसआई टीआरएफ) के शताब्दी सम्मेलन में मुख्य अतिथि होंगे।

यूएन की बैठक में शामिल होने न्यूयॉर्क जाएंगे विदेश मंत्री: 26 सितंबर को होगा संबोधन

एजेंसी

नई दिल्ली। अगले सप्ताह न्यूयॉर्क में होने वाले संयुक्त राष्ट्र महासभा के 81वें सत्र के हाई लेवल वीक में भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर शामिल होंगे।

विदेश मंत्रालय ने रविवार को इसकी आधिकारिक जानकारी दी। मंत्रालय की वेबसाइट पर जारी बयान के मुताबिक, विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर न्यूयॉर्क में होने वाले संयुक्त राष्ट्र महासभा के 81वें सत्र के हाई लेवल वीक में भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करेंगे।

26 सितंबर को यूएनजीए में संबोधन

विदेश मंत्रालय ने जयशंकर के संबोधन की तारीख भी स्पष्ट कर दी है। संयुक्त राष्ट्र महासभा के 81वें सत्र के हाई लेवल सेशन में विदेश मंत्री 26 सितंबर को भारत का पक्ष रखेंगे। इस दौरान वह कई बहुपक्षीय और द्विपक्षीय बैठकों में भी हिस्सा लेंगे।

रोबोट कर रहा भगवान गणेश की आरती

राजकोट (एजेंसी)। गणेश उत्सव मे तकनीक और आस्था का अनोखा संगम देखने को मिला। एक मंदिर में रोबोट द्वारा भगवान गणेश की आरती किए जाने का वीडियो श्रद्धालुओं के बीच आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। रोबोट को इस तरह तैयार किया गया है, वह आरती की थाली हाथ में लेकर निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार भगवान गणेश के सामने आरती करता है। आरती के दौरान मंदिर में मौजूद श्रद्धालु भक्ति भाव से पूजा में शामिल होकर रोबोट द्वारा आरती करने पर उत्साहित होते हैं. आयोजन से जुड़े लोगों का कहना है कि इसका उद्देश्य आधुनिक तकनीक के माध्यम से नई पीढ़ी को धार्मिक परंपराओं से जोड़ना है। कुछ लोगों ने इसे परंपरा और तकनीक के नए मेल के रूप में देखा है।

बिहार में 1400 करोड़ के टेंडर में घोटाले का आरोप, तीन बार बदली नियम-शर्तें

पटना (एजेंसी)। बिहार में करीब 1400 करोड़ रुपए के एक बड़े टेंडर को लेकर अनियमितता के आरोप सामने आए हैं। आरोप है, टेंडर प्रक्रिया के दौरान नियम और शर्तों में तीन बार बदलाव किया गया। इससे प्रक्रिया की पारदर्शिता और निष्पक्षता पर सवाल उठ रहे हैं। शिकायतकर्ताओं का कहना है, बार-बार शर्तें बदलने से एक चुनिंदा कंपनी को फायदा पहुंचाने की संभावना बनी है. अन्य संभावित बोलीदाताओं के लिए प्रतिस्पर्धा प्रभावित हुई है। मामले में टेंडर की पूरी प्रक्रिया, नियमों में किए गए बदलाव और उनके आधार की जांच की मांग की गई है। सवाल यह भी उठ रहा है कि इतनी बड़ी राशि के टेंडर में शर्तों में बदलाव की जरूरत क्यों पड़ी.प्रत्येक संशोधन को किस स्तर पर मंजूरी दी गई। संबंधित विभाग से दस्तावेज सार्वजनिक कर स्थिति स्पष्ट करने की मांग की गई है। आरोपों की स्वतंत्र जांच के बाद ही स्पष्ट होगा, नियमों का उल्लंघन हुआ या नहीं।

सुरक्षा बलों ने छह को हिरासत में लिया, ग्रामीणों ने किया हिंसक प्रदर्शन

-प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करने छोड़े आंसू गैस के गोले, कई घायल

इम्फाल (एजेंसी)। मणिपुर के कांगपोकपी जिले में सुरक्षा बलों ने छह ग्रामीणों को हिरासत में लिए जाने के विरोध में कुकी समुदाय के कुछ लोगों ने हिंसक प्रदर्शन किया। अधिकारियों ने रविवार को बताया कि शनिवार रात मोटबुंग और आसपास के इलाकों में शुरू हुआ यह प्रदर्शन आधी रात तक जारी रहा। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने सड़कों पर टायर जलाए और सरकारी वाहनों पर पथराव किया। प्रदर्शनकारियों ने दावा किया कि खोलेन के छह ग्रामीणों को सुरक्षा बलों ने बिना कोई कारण बताए हिरासत में लिया है। जिले में नगा बहुल चावांगकिंग गांव के पास स्थित खोलेन गांव पर हाल में सशस्त्र उपद्रवियों ने हमला किया था। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अधिकारियों ने बताया कि प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करने के लिए सुरक्षा बलों ने आंसू गैस के गोले दागे। प्रदर्शनकारियों ने सुरक्षा बलों के वाहनों की आवाजाही रोकने के लिए भारी निर्माण उपकरणों का इस्तेमाल कर मोटबुंग में राष्ट्रीय राजमार्ग-2 के कुछ हिस्सों को भी खोद दिया। उन्होंने बताया कि प्रदर्शन के दौरान कुछ प्रदर्शनकारियों को चोटें आईं और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि हिरासत में लिए गए ग्रामीणों को बाद में सुरक्षा बलों ने रिहा कर दिया, जिसके बाद प्रदर्शन खत्म हुआ। उन्होंने बताया कि स्थिति अब नियंत्रण में है।

10 हजार करोड़ का लोहा चोरी का दावा

दुर्ग-भिलाई (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ की भिलाई स्टील प्लांट में हुई लोहा चोरी मामले में एक नया दावा किया जा रहा है। विधायक रिकेश सेन ने कहा कि प्लांट में पिछले 40 साल में करीब 10 हजार करोड़ रुपए का लोहा चोरी हुआ है। हालांकि, पुलिस की ओर से इस आंकड़े की पुष्टि नहीं हुई है। विधायक ने कहा कि करोड़ों का लोहा चुराने वाले आरोपी को सीबीआई ही पकड़ सकती है, उन्होंने सीबीआई जांच की मांग की। आरोप है कि इस मामले में कई बड़े जनप्रतिनिधि और बीएसपी-सीआईएसएफ के कुछ अधिकारी भी जांच के दायरे में आ सकते हैं। 2 दिन पहले इस मामले में रसमड़ा फैक्ट्री के मैनेजिंग डायरेक्टर विनोद कुमार गर्ग और डायरेक्टर संदीप कुमार सिंह की गिरफ्तारी की गई है। अब तक इस मामले में 21 आरोपी गिरफ्तार हुए हैं। जिनमें 3 जमानत पर बाहर हैं। 5 को अग्रिम जमानत मिल गई है।

गणपति पंडाल के पास करंट से 2की मौत

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई के लालबाग इलाके में गणपति पंडाल के पास रविवार देर रात करंट लगने की घटना में 8 साल की बच्ची समेत 2 लोगों की मौत हो गई, जबकि 4 लोग घायल हुए हैं। घटना रात करीब 2:20 बजे कालाचौकी के दत्ताराम लाड मार्ग पर हुई, जहां गणपति उत्सव के चलते बड़ी संख्या में लोग मौजूद थे। घटना की सूचना सुबह 2:42 बजे मुंबई फायर ब्रिगेड को मिली। इसके बाद फायर ब्रिगेड, पुलिस, बेस्ट और नगर निगम की टीम मौके पर पहुंची। घायलों को मसिना अस्पताल और ग्लोबल अस्पताल ले जाया गया।

एसआईआर में मतदाताओं के नाम हटाना बड़े पैमाने की ''शाह इंस्टीगेटेड रिमूवल''

-जयराम रमेश ने लगाए आरोप कहा- इस तरह की प्रक्रिया ''संविधान पर हमला''

नई दिल्ली, एजेंसी।
कांग्रेस ने रविवार को निर्वाचन आयोग द्वारा एसआईआर के दौरान बड़े पैमाने पर नाम हटाए जाने का मुद्दा उठाया और आरोप लगाया कि एसआईआर वास्तव में मतदाताओं के नाम हटाने की एक बड़े पैमाने की ''शाह इंस्टीगेटेड रिमूवल'' यानी शाह के इशारे पर मतदाताओं के नाम हटाने की प्रक्रिया और ''संविधान पर हमला'' है। कांग्रेस ने कहा कि इस बात के पर्याप्त सबूत हैं कि कई राज्यों में बड़े पैमाने पर हटाए गए नामों में सबसे ज्यादा संख्या समाज के आर्थिक और सामाजिक रूप से सबसे कमजोर और वंचित वर्गों से आने वाले मतदाताओं की है।
मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग ने जून 2025 में बिहार में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण की पहले चरण की प्रक्रिया शुरू की थी। इसके बाद नवंबर 2025 में नौ राज्यों और तीन केंद्र

शासित प्रदेशों में दूसरा चरण शुरू किया गया। रमेश ने कहा कि चरण-1 और चरण-2 में 7.8 करोड़ मतदाताओं के नाम हटा दिए गए। उन्होंने कहा कि एसआईआर से पहले की मतदाता सूची में दर्ज कुल नामों में से 13 फीसदी नाम हटा दिए गए हैं। रमेश ने कहा कि तीसरे चरण की शुरुआत 2026 के मध्य में 16 राज्यों और तीन केंद्र शासित प्रदेशों में हुई। उन्होंने बताया कि तीसरे चरण में अब तक 12 राज्यों और दो केंद्र शासित प्रदेशों के उपलब्ध आंकड़ों के मुताबिक कुल 36.06 करोड़ मतदाताओं में से 6.18 करोड़ के नाम हटा दिए गए हैं।
रमेश ने कहा कि नाम हटाए जाने की दर 17 प्रतिशत से अधिक है। इसके अलावा 5.43 करोड़ मतदाताओं को अतिरिक्त दस्तावेज पेश करने के लिए नोटिस जारी किए हैं, ताकि मतदाता सूची में उनके नाम बरकरार रखे जा सकें। इससे नाम हटाए जाने का जोखिम और 15 फीसदी बढ़ जाता है। यह असामान्य रूप से बड़ा अनुपात है, जो पूरी एसआईआर प्रक्रिया में संरचनात्मक खामियों को दर्शाता है। उन्होंने सवाल किया कि इतने बड़े पैमाने पर नाम हटाए जाने के बाद भी इतने ज्यादा मतदाताओं को अपने नाम ''सत्यापित'' कराने की जरूरत कैसे पड़ रही है।

तमिलनाडु में अब शराब की दुकानों पर होगा ड्रेसकोड, 15 नवंबर से वर्दी पहनना अनिवार्य

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु सरकार शराब दुकानों में काम करने वाले टीएएसएमएसी कर्मचारियों को अब तय वर्दी पहननी होगी। सरकार के आदेश के मुताबिक 15 नवंबर से दुकान के कामकाज के दौरान निर्धारित वर्दी पहनना जरूरी होगा। इसका मकसद सभी दुकानों में कर्मचारियों का पहनावा एक जैसा और व्यवस्थित रखना है। सरकार ने हर कर्मचारी के लिए सालाना 6,000 रुपए का वर्दी भत्ता भी मंजूर किया है। इस रकम से कर्मचारियों को वर्दी के तीन जोड़े तैयार कराने होंगे। सरकारी आदेश के मुताबिक दुकान के पर्यवेक्षक हल्के नीले रंग की कमीज और गहरे नीले रंग की पैंट पहनेंगे। वहीं, बिक्री कर्मचारियों और सहायक बिक्री कर्मचारियों के लिए बेज रंग की कमीज और गहरे भूरे रंग की पैंट तय की गई है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि सभी कमीजों पर बाईं छाती की तरफ टीएएसएमएसी का चिन्ह लगा होना जरूरी है। कमीज को पैंट के अंदर या बाहर, दोनों तरह से पहना जा सकता है।
सभी जिलों में वर्दी के रंग और कपड़े में एकरूपता रखने के लिए कर्मचारियों को तय कपड़ा ही खरीदना होगा। इसके लिए उन्हें अपने जिले के मुख्यालय में स्थित सरकारी कॉ-ऑप्टेक्स दुकानों से मंजूर कपड़ा खरीदने को कहा गया है। कर्मचारियों को 31 अक्टूबर तक कपड़ा खरीदना होगा, जबकि वर्दी की सिलाई 10 नवंबर तक पूरी करनी होगी। अधिकारी ने बताया कि 15 नवंबर 2026 से काम के समय तय वर्दी पहनना अनिवार्य होगा। टीएएसएमएसी अधिकारियों के मुताबिक नवंबर के बीच दुकानों का निरीक्षण शुरू किया जाएगा। अगर कोई कर्मचारी वर्दी का भत्ता लेने के बाद बिना उचित वजह के वर्दी नहीं बनवाता या उसे नहीं पहनता है, तो उससे दी गई रकम वापस ली जा सकती है।

लद्दाख में वांगचुक का लॉन्ग मार्च और विरोध रैली का कार्यक्रम में बदलाव

-23 को शांतिपूर्ण विरोध रैली, 24 को शहीद दिवस से जुड़े कार्यक्रम होंगे

नई दिल्ली, एजेंसी।
लद्दाख के संयुक्त नेतृत्व ने कारगिल में रविवार को होने वाले प्रस्तावित लॉन्ग मार्च और विरोध रैली का कार्यक्रम बदलने की घोषणा की है। कारगिल डेमोक्रेटिक अलायंस (केडीए) और लेह एपेक्स बॉडी (एलएबी) ने केंद्र सरकार के साथ बातचीत में हालिया प्रगति और खराब मौसम के कारण शुरुआती

कार्यक्रम को रद्द करने का फैसला किया है। नए कार्यक्रम के मुताबिक कारगिल में 23 सितंबर को शांतिपूर्ण विरोध रैली निकाली जाएगी। 24 सितंबर को शहीद दिवस से जुड़े अन्य कार्यक्रम होंगे।
मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक केडीए के सह-अध्यक्ष सज्जाद कारगिली ने बताया कि मार्च को इसलिए टाल दिया गया क्योंकि गृह मंत्रालय ने आधिकारिक तौर पर अक्टूबर 2026 के पहले सप्ताह में कारगिल में संरचनात्मक बातचीत का अगला दौर तय किया है। सरकार ने नेताओं को भरोसा दिलाया है कि वह एक ड्राफ्ट साझा करेगी जिसमें अनुच्छेद 371के जैसे प्रावधान शामिल होंगे, ताकि लद्दाख को जमीन, संसाधनों और संस्कृति पर प्रशासनिक नियंत्रण वाली विधानसभा मिल सके। सोनम वांगचुक ने भी ऊंचे पहाड़ों में खराब मौसम और रात के तापमान में गिरावट के कारण अपनी प्रस्तावित लंबी पदयात्रा छोड़ दी है।
रविवार के सड़क कार्यक्रमों के बजाय, संयुक्त नेतृत्व ने कार्यक्रम को 2 बड़े यादगार कार्यक्रमों में बदल दिया है। 23 सितंबर को 20 किलोमीटर की सांकेतिक मार्च और रैली और 24 सितंबर को एक सार्वजनिक रैली जिसमें पिछले साल की हिंसा में मारे गए लोगों की बरसी मनाई जाएगी। 23 सितंबर को सोनम वांगचुक लेह में मार्च का नेतृत्व करेंगे, जबकि केडीए उसी समय कारगिल में अपनी बड़ी सार्वजनिक रैली करेगा। 24 सितंबर को पूरे लद्दाख केंद्र शासित प्रदेश में शहीद दिवस मनाया जाएगा, जिसमें लेह और कारगिल दोनों उप-मंडल औपचारिक रूप से श्रद्धांजलि देंगे। यह दिन 24 सितंबर 2025 की दुखद हिंसा के एक साल पूरे होने का प्रतीक है, जिसमें पुलिस फायरिंग में चार युवा प्रदर्शनकारियों की जान चली गई थी। नेताओं ने कहा कि आंदोलन का मुख्य उद्देश्य लद्दाख के लिए पूर्ण राज्य का दर्जा हासिल करना, भारतीय संविधान की छठी अनुसूची में शामिल होना और पिछले साल के पीड़ितों के लिए न्यायिक जवाबदेही और उचित मुआवजा मांगना है।

देश के 9 राज्यों में भारी से बहुत भारी बारिश का यलो अलर्ट जारी

-अंडमान के ऊपर बन रहा डीप डिप्रेशन सिस्टम चलेंगी तेज हवाएं

नई दिल्ली, एजेंसी।
देश से दक्षिण-पश्चिम मानसून की विदाई होने के बीच मौसम के बदलते मिजाज ने कई राज्यों में चिंता बढ़ा दी है। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने रविवार को महाराष्ट्र समेत देश के 9 राज्यों में भारी से बहुत भारी बारिश का यलो अलर्ट जारी किया है। अंडमान सागर के ऊपर बने कम दबाव के क्षेत्र के तेजी से सक्रिय होने के कारण तटीय और प्रायद्वीपीय भारत में मौसमी गतिविधियों में भारी तीव्रता देखी जा रही है।
अंडमान सागर में बना सिस्टम, 23 सितंबर को बदलेगा डीप डिप्रेशन में मौसम वैज्ञानिकों के मुताबिक अंडमान सागर के ऊपर विकसित हुआ कम दबाव का क्षेत्र उत्तर-पश्चिम दिशा की ओर बढ़ रहा है। यह सिस्टम 23 सितंबर की सुबह तक ओडिशा और उत्तरी आंध्र प्रदेश के तटों पर पहुंचने से ठीक पहले डीप डिप्रेशन में

तब्दील हो सकता है। मौसम विज्ञान में डीप डिप्रेशन सामान्य लो-प्रेशर से कहीं अधिक शक्तिशाली प्रणाली होती है, जो चक्रवाती तूफान बनने से ठीक पहले का चरण माना जाता है। इसके प्रभाव से ओडिशा, आंध्र प्रदेश और आसपास के तटीय क्षेत्रों में मूसलाधार बारिश और तेज हवाओं चल सकती हैं।
मौसम विभाग ने विशेष रूप से 10 संवेदनशील जिलों बालासोर, भद्रक, जाजपुर, केंद्रपाड़ा, जगतसिंहपुर, कटक, ढेंकनाल, पुरी, खुर्दा और नयागढ़ में 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने और भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। मछुआरों को समुद्र में न जाने की सलाह दी गई है। मध्य भारत में मानसून की बेरुखी और आकाशीय बिजली जानलेवा साबित हो रही है। छत्तीसगढ़ में शनिवार को कई स्थानों पर आकाशीय बिजली गिरने की घटनाओं में चार लोगों की मौत हो गई। प्रशासन ने खराब मौसम के दौरान लोगों से खुले मैदानों, पेड़ों और बिजली के खंभों से दूर सुरक्षित स्थानों पर रहने की अपील की है। वहीं उत्तर प्रदेश के कई हिस्सों में बाढ़ और नदियों के जलस्तर में उतार-चढ़ाव से कटान की समस्या गंभीर हो गई है। रिपोर्टों के मुताबिक नदियों के तेज बहाव और कटान के चलते लगभग 12 एकड़ उपजाऊ व रिहायशी जमीन जलमग्न होकर बह गई, जिससे स्थानीय ग्रामीणों में भय का माहौल है।

दिवंगत मंत्री सुदिव्य कुमार के विभाग अब सीएम हेमंत सोरेन के पास

-नगर विकास, उच्च एवं तकनीकी शिक्षा और पर्यटन-खेल विभागों का अतिरिक्त प्रभार संभालेंगे मुख्यमंत्री, जारी की अधिसूचना

रांची (एजेंसी)। झारखंड के दिवंगत मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू को आवंटित विभाग अब मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के पास रहेंगे। सरकार ने नगर विकास एवं आवास, उच्च एवं तकनीकी शिक्षा तथा पर्यटन, कला-संस्कृति, खेलकूद एवं युवा कार्य विभाग का अतिरिक्त प्रभार मुख्यमंत्री को सौंपने की अधिसूचना जारी कर दी है।

मंत्रिमंडल सचिवालय एवं निगरानी विभाग की ओर से जारी अधिसूचना के अनुसार इन विभागों का कामकाज अब मुख्यमंत्री के स्तर से देखा जाएगा। विभाग की अपर मुख्य सचिव वंदना डाडेल के स्तर से संबंधित पत्र जारी किया गया है। गौरतलब है कि सुदिव्य कुमार सोनू का 6 सितंबर को गिरिडीह स्थित आवास पर निधन हो गया था। वह राज्य सरकार में मंत्री के रूप में इन विभागों की जिम्मेदारी संभाल रहे थे। उनके निधन के बाद से इन विभागों के कामकाज के लिए नए सिरे से प्रभार निर्धारित किया जाना था।

सरकार के इस फैसले के बाद मुख्यमंत्री के पास झारखंड सरकार के कई महत्वपूर्ण विभागों की जिम्मेदारी हो गई है। इससे पहले अगस्त 2025 में तत्कालीन शिक्षा मंत्री रामदास सोरेन के निधन के बाद स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग का प्रभार भी मुख्यमंत्री के पास ही है। विभागों के नए प्रभार का फैसला कैबिनेट की आगामी बैठक से पहले किया गया है, ताकि संबंधित विभागों के प्रशासनिक और नीतिगत कामकाज में निरंतरता बनी रहे।

तेरे सिर में गोलियां मरवाऊंगा और तेरे पीछे कोई पालतू पशु भी नहीं छोड़ना है

-मूसेवाला पर बयानबाजी करने पर कांग्रेस नेता गुरप्रीत को विदेश से मिली धमकी

चंडीगढ़, एजेंसी।
दिवंगत पंजाबी गायक सिद्धू मूसेवाला और उनके पिता बलकौर सिंह सिद्धू के संबंध में की गई बयानबाजी को लेकर मानसा के वरिष्ठ कांग्रेस नेता गुरप्रीत सिंह विक्की को धमकी मिलने का मामला सामने आया है। जानकारी के मुताबिक नेता को पुर्तगाल से एक विदेशी नंबर से धमकी मिली। बताया जा रहा है कि धमकी देने वाले ने खुद को कुख्यात बंबीहा गैंग का सदस्य बताया है।
मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कांग्रेस नेता गुरप्रीत सिंह विक्की की शिकायत पर मानसा पुलिस ने अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस को दी शिकायत में गुरप्रीत सिंह विक्की ने बताया कि उन्हें एक विदेशी नंबर से व्हाडसएप कॉल आई थी। कॉल करने वाले व्यक्ति ने खुद को

बंबीहा ग्रुप से संबंधित बताया और सिद्धू मूसेवाला और उनके पिता बलकौर सिंह के संबंध में की जा रही बयानबाजी पर आपत्ति जताई। इसके साथ ही भविष्य में इस तरह की बयान देने पर गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी दी। उसने विक्की से कहा कि तेरे सिर में गोलियां मरवाऊंगा और तेरे घर के अंदर तक तेरे पीछे कोई पालतू पशु भी नहीं छोड़ना है।
वहीं नेता गुरप्रीत सिंह विक्की का कहना है कि उनकी ओर से सिद्धू मूसेवाला के लिए व्यक्तिगत तौर पर कोई टिप्पणी नहीं की गई है। उनके द्वारा की गई बयानबाजी सिद्धू मूसेवाला के पिता की ओर से कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष राजा वड़िंग के संबंध में की गई टिप्पणियों के जवाब में थी। कॉल करने वाले व्यक्ति ने भविष्य में सिद्धू मूसेवाला या उनके पिता के संबंध में बयान नहीं करने के लिए कहा है। पुलिस ने शिकायत पर अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस द्वारा कॉल से संबंधित तथ्यों और इसमें शामिल व्यक्ति की पहचान को लेकर जांच की जा रही है।

डूसू चुनाव में एबीवीपी की शानदार जीत पर गृह मंत्री अमित शाह ने दी बधाई

नई दिल्ली , एजेंसी।
दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ चुनाव में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) के शानदार प्रदर्शन पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बधाई देते हुए इसे देश के युवाओं के मिजाज का स्पष्ट प्रतिबिंब बताया है। उन्होंने कहा कि यह जनादेश उन ताकतों के लिए कड़ा संदेश है जो युवाओं को विघटनकारी एजेंडे की प्रयोगशाला बनाना चाहते हैं। गृह मंत्री ने एक्स पर लिखा कि दिल्ली विश्वविद्यालय केवल एक शिक्षण संस्थान नहीं है, बल्कि यहां देश के कोने-कोने से छात्र पढ़ने आते हैं। ऐसे में डीयू का यह जनादेश पूरे भारत के युवाओं की सोच और प्राथमिकताओं को दर्शाता है।

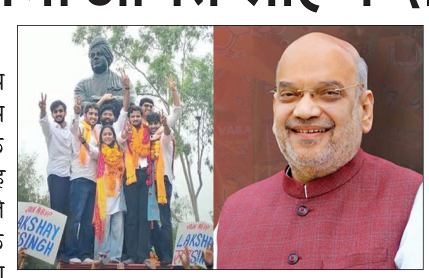

अमित शाह ने कहा कि एबीवीपी को मिली शानदार जीत उन राष्ट्र विरोधी ताकतों के लिए स्पष्ट संदेश है। देश का युवा आज राष्ट्र प्रथम की विचारधारा के साथ मजबूती से खड़ा है और यही इस जनादेश का सबसे बड़ा संदेश है। बता दें दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ चुनाव में एबीवीपी ने चार में से तीन पदों अध्यक्ष, सचिव और संयुक्त सचिव पर जीत हासिल की है। वहीं, उपाध्यक्ष पद पर एक निर्दलीय उम्मीदवार ने जीत दर्ज की, जबकि छात्र संगठन एनएसयूआई का खाता भी नहीं खुल सका।

छात्र मौजूदा सरकार से असंतुष्ट, विपक्ष के बिखराव का फायदा सत्ता पक्ष को मिल रहा

-सीजेपी के सह-संयोजक सौरव दास ने डूसू चुनाव परिणामों को लेकर दी प्रतिक्रिया

नई दिल्ली,, एजेंसी।
दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ चुनाव के नतीजों में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद द्वारा चार में से तीन प्रमुख पदों पर जीत दर्ज करने के बाद राजनीतिक प्रतिक्रियाएं तेज हो गई हैं। कॉकरोच जनता पार्टी के सह-संयोजक सौरव दास ने सत्ताधारी खेमे के साथ-साथ मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस, एनएसयूआई और वामपंथी छात्र संगठनों की कार्यशैली पर सवाल खड़े किए हैं। सौरव ने एक्स पर विस्तृत बयान जारी करते हुए कहा कि छात्र मौजूदा सरकार से असंतुष्ट हैं, लेकिन विपक्ष के बिखराव का फायदा सीधे सत्ता पक्ष को मिल रहा है। सौरव दास ने नतीजों का विश्लेषण करते हुए कहा कि अधिकांश छात्र मौजूदा व्यवस्था और सरकार की नीतियों के खिलाफ हैं, लेकिन विरोधी वोटों के बंट जाने के कारण एबीवीपी को बढ़त मिल गई। उन्होंने विजयी उम्मीदवारों को आगाह करते हुए लिखा कि जो लोग पदों पर आसीन हैं, उन्हें यह नहीं भूलना चाहिए कि वे कोई राजा या रानी नहीं हैं, विश्वविद्यालय के बहुसंख्यक छात्रों ने उन्हें वोट नहीं दिया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक उन्होंने कहा कि सीजेपी को परेशान करने और उस पर ऊर्जा खर्च करने के बजाय कांग्रेस और उसके छात्र संगठन को अपना घर ठीक करने पर ध्यान देना चाहिए। दास ने कहा कि कांग्रेस पिछले 12 साल से खुद को ठीक करने की कोशिश में लगी है और अब लोग धैर्य खो रहे हैं। उन्होंने उपाध्यक्ष पद के नतीजों का हवाला दिया, जहां एनएसयूआई के टिकट न मिलने पर बागी हुए निर्दलीय उम्मीदवार दीपांशु शौकीन ने ऐतिहासिक अंतर से भारी जीत दर्ज की है। वामपंथी गठबंधन पर टिप्पणी करते हुए सौरव दास ने कहा कि विपक्ष में कुछ लोग केवल वैचारिक कट्टरता और अपनी ही धुरी पर ध्यान दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि इन नेताओं को हकीकत समझनी चाहिए क्योंकि कोई भी उनसे मान्यता लेने नहीं आ रहा। अगर विपक्ष की तथाकथित एकता का यही रूप रहा, तो वे आने वाले लंबे समय तक सिर्फ विपक्ष में ही बैठे रह जाएंगे।

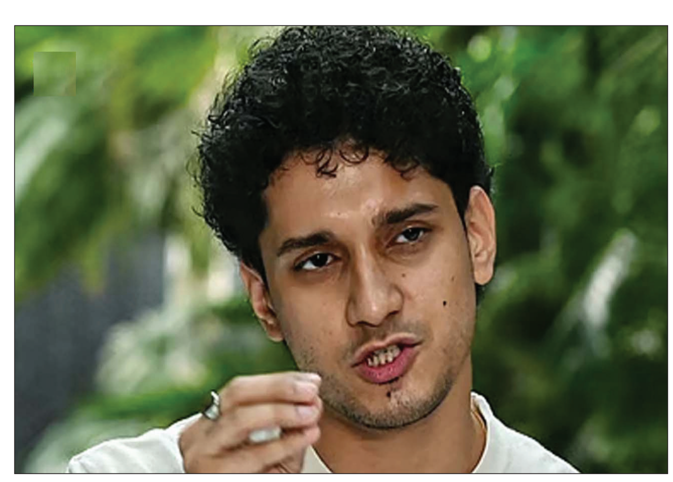

अगले छह माह में एक लाख नौजवानों को सरकारी नियुक्ति पत्र उपलब्ध कराने का कार्य किया जाएगा: मुख्यमंत्री योगी

प्रथम पृष्ठ का शेष

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि आज चयनित अभ्यर्थी बिना किसी सिफारिश और बिना किसी लेन-देन के भर्ती प्रक्रिया से जुड़कर उत्तर प्रदेश पुलिस बल का हिस्सा बन रहे हैं। प्रदेश में जो परिवर्तन हुआ और लोगों की धारणा में जो बदलाव आया है, उसमें अब इन नवनियुक्त अभ्यर्थियों की भी भूमिका होगी। शासन की नवचयनित अभ्यर्थियों से अपेक्षा है कि आम आदमी से जुड़ी समस्या के समाधान के लिए वह संवेदनशील रहें। यह संवेदनशीलता किसी व्यक्ति विशेष के लिए नहीं, बल्कि उत्तर प्रदेश के 25 करोड़ लोगों के जीवन में परिवर्तन लाने के लिए होनी चाहिए। उन्होंने अपेक्षा की कि नवचयनित अभ्यर्थी शासन की संवेदनशीलता, पारदर्शिता और जनसेवा की भावना के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करेंगे। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि विज्ञापन से लेकर भर्ती, नियुक्ति, प्रशिक्षण और अलग-अलग जनपदों में तैनाती तक किसी भी स्तर पर किसी अभ्यर्थी को सिफारिश की आवश्यकता नहीं प?नी चाहिए और न ही किसी के साथ भेदभाव होना चाहिए। सरकार यह सुनिश्चित करने की दिशा में भी काम कर रही है कि प्रत्येक व्यक्ति को उसकी योग्यता, क्षमता और प्रदर्शन के आधार पर नियुक्ति प्राप्त हो। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि वर्ष 2017 से पहले उत्तर प्रदेश के लोगों के सामने अपनी पहचान छिपाने जैसी स्थिति थी। प्रदेश में लगातार दंगे, लम्बे समय तक कर्फ्यू तथा माफिया की चुनौती बनी रहती थी। बरेली, अलीगढ़, मेरठ, मुजफ्फरनगर सहित अनेक स्थानों पर लम्बे समय तक दंगों की स्थिति भी रही। प्रशासन और पुलिस के सामने भी माफिया एक ब?ी चुनौती थे। लेकिन आज स्थिति में परिवर्तन आया है। अब कोई माफिया खुलेआम उपद्रव करने या कानून-व्यवस्था को चुनौती देने का दुस्साहस नहीं कर सकता। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि उत्तर प्रदेश की छवि को एक उत्सवपूर्ण, कर्फ्यू-मुक्त और माफिया-मुक्त प्रदेश के रूप में प्रस्तुत करने में उत्तर प्रदेश पुलिस की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। उत्तर प्रदेश के परसेप्शन को बदलने में भी उत्तर प्रदेश पुलिस का योगदान रहा है। उत्तर प्रदेश उत्सव प्रदेश के रूप में बदला है। आज उत्तर प्रदेश में महाकुम्भ, कुम्भ, पर्व एवं त्योहारों की श्रृंखला, वी0आई0पी0 कार्यक्रम तथा स्थानीय स्तर पर होने वाले आयोजन सकुशल सम्पन्न होते हैं। महाकुम्भ के दौरान लगभग 66 करोड़ श्रद्धालु आए। किसी समय यह कल्पना करना कठिन था कि इतनी बड़ी संख्या में श्रद्धालु प्रदेश में आएंगे और इतने बड़े आयोजन सुचारु रूप से सम्पन्न होंगे। उत्तर प्रदेश पुलिस आज देश में एक मॉडल के रूप में चर्चा का विषय बनी है। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि वर्ष 2017 से पहले मध्य एवं पश्चिमी उत्तर प्रदेश के अनेक जनपदों और कस्बों में ऐसी स्थिति थी कि जिन परिवारों के पास सामर्थ्य थी, वे अपनी बेटियों को उत्तर प्रदेश से बाहर रिश्तेदारों के यहां या हॉस्टल में पढ़ाने के लिए भेजने को मजबूर होते थे। जिन परिवारों के पास सामर्थ्य नहीं थी, वे बेटियों को घर में रखने के लिए मजबूर होते थे। आज स?क पर चल रही किसी बेटी के साथ दुर्व्यवहार करने का दुस्साहस करने वाला व्यक्ति यह जानता है कि उसके कृत्य का परिणाम क्या होगा। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि वर्ष 2017 में उत्तर प्रदेश पुलिस में आधे से अधिक पद रिक्त थे। जिस प्रदेश में लगभग 4 लाख के पुलिस बल की आवश्यकता थी, वहां 2 लाख से भी कम पुलिसकर्मी उपलब्ध थे। भर्ती प्रक्रिया न्यायालयों में लम्बित मामलों और विभिन्न कारणों से प्रभावित थी। प्रदेश सरकार ने भर्ती प्रक्रिया को पूरी तरह पारदर्शी बनाने के साथ ही ऐसी कानूनी व्यवस्था सुनिश्चित की कि किसी भी भ्रष्ट व्यक्ति की भर्ती प्रक्रिया में घुसपैठ की गुंजाइश न रहे। पेपर लीक अथवा अवैध भर्ती के कारोबार से जड़े लोगों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई का प्राविधान किया गया, जिसमें आजीवन कारावास तथा संपत्ति जब्त किए जाने तक की व्यवस्था शामिल है। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि पुलिस भर्ती की प्रक्रिया को दुरुस्त करने के साथ प्रशिक्षण क्षमता में भी व्यापक वृद्धि की गई। पहले लगभग 6,000 पुलिसकर्मियों की एक साथ प्रशिक्षण क्षमता थी, जबकि आज उत्तर प्रदेश पुलिस के पास एक साथ 60,000 पुलिसकर्मियों को प्रशिक्षण देने की क्षमता है। पहले महिला पुलिसकर्मियों की संख्या 10,000 से भी कम थी, जो अब बढ़कर 44,000 से अधिक हो गई है। वर्तमान में चल रही भर्ती प्रक्रियाओं को मिलाकर इस वर्ष के अंत तक यह संख्या 50,000 तक पहुंचने की सम्भावना है। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि पुलिस बल की संख्या बढ़ाने के साथ उसकी स्किलिंग पर भी ध्यान दिया गया। उत्तर प्रदेश में फॉरेन्सिक इन्स्टीट्यूट की स्थापना की गई। यह उत्तर प्रदेश और देश के बेहतरीन फॉरेन्सिक इन्स्टीट्यूट के रूप में कार्य कर रहा है। इसके लिए 110 एकड़ भूमि को कब्जे से मुक्त कराया गया। भारत सरकार द्वारा बनाए गए तीन नए आपराधिक कानूनों के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए सात वर्ष से अधिक की सजा वाले अपराधों में फॉरेन्सिक साक्ष्य की आवश्यकता होगी। इसके लिए तकनीकी रूप से ट्रेण्ड मानव संसाधन और मोबाइल फॉरेन्सिक लैब की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए प्रदेश में व्यवस्था विकसित की गई है। आज प्रदेश के सभी पुलिस रेंज में फॉरेन्सिक लैब उपलब्ध हैं। 07 शहरों में पुलिस कमिश्नरेट प्रणाली लागू की गई है। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि स्मार्ट पुलिसिंग केवल प्रशिक्षण और तकनीक से संभव नहीं है, बल्कि पुलिसकर्मियों के लिए बेहतर सुविधाएं भी आवश्यक हैं। प्रदेश के 56 जनपदों में ऐसी व्यवस्था की गई है, जहां सबसे हाईराइज बिल्डिंग पुलिस बैरक अथवा पुलिस की आवासीय सुविधा की है। लेकिन पहले पुलिस लाइनों की स्थिति अच्छी नहीं थी। पुलिसकर्मियों को अत्यन्त खराब परिस्थितियों में रहना पड़ता था। इसी अनुभव के बाद प्रत्येक जनपद की पुलिस लाइन्स और थानों में बैरक तथा आवश्यक सुविधाओं के लिए धनराशि स्वीकृत की गई। पुलिस लाइन्स पुलिसिंग के लिए अत्यन्त आवश्यक है और इसके बिना स्मार्ट पुलिसिंग की कल्पना नहीं की जा सकती। प्रत्येक जनपद में पुलिस लाइन्स विकसित की जा रही है। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि उत्तर प्रदेश में पी0ए0सी0 की 34 कम्पनियों को पूर्व में समाप्त कर दिया गया था। प्रदेश सरकार ने इन कम्पनियों को पुनर्गठित करने का निर्णय लिया। आज देश में जहां भी चुनाव होते हैं, वहां उत्तर प्रदेश पी0ए0सी0 की 20 से 40 कम्पनियों तक की मांग होती है। प्रदेश में 03 महिला पी0ए0सी0 बटालियनों का गठन किया गया है। उसे 06 किया जा रहा है। उत्तर प्रदेश स्पेशल सिक्योरिटी फोर्स (यू0पी0एस0एस0एफ0) तथा राज्य आपदा मोचन बल (एस0डी0आर0एफ0) का गठन किया गया है। साइबर सुरक्षा आज की सबसे ब?ी चुनौतियों में से एक है। इसके दृष्टिगत प्रदेश के प्रत्येक जनपद में साइबर थाना स्थापित किया गया है। प्रत्येक थाने में साइबर हेल्प डेस्क की व्यवस्था की गई है। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रत्येक दिन एक नई प्रतिस्पर्धा है। दुनिया निरन्तर बदल रही है और तकनीक नई-नई चुनौतियां लेकर आ रही है। इन चुनौतियों को समस्या मानकर नजरअन्दाज करने के बजाय समाधान की दिशा में आगे ब?ना होगा। सकारात्मक सोच, टीमवर्क और एक समान दृष्टिकोण के साथ स्वयं को प्रतिदिन नई प्रतिस्पर्धा के योग्य बनाना होगा। आज की युवा पी?ी और आने वाली पीढ़ी के सपनों को उड़ान देने के लिए वर्तमान पीढ़ी को स्वयं को तैयार करना होगा। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि विगत 9.5 वर्षों में उत्तर प्रदेश ने महत्वपूर्ण परिवर्तन देखा है। प्रदेश की अर्थव्यवस्था को तीन गुना करने में सफलता मिली है और प्रति व्यक्ति आय भी तीन गुना हुई है। उत्तर प्रदेश अब उन राज्यों में शामिल है जो स्वयं को रेवेन्यू सरप्लस कह सकते हैं और जिनके पास नई योजनाओं को प्रारम्भ करने के लिए पर्याप्त धनराशि उपलब्ध है। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि आज उत्तर प्रदेश के युवाओं के सामने पहचान का संकट नहीं है। वह देश के किसी भी हिस्से में सिर उठाकर जा सकते हैं और अपनी बात आत्मविश्वास के साथ रख सकते हैं। प्रदेश में नए निवेश और नए अवसर आ रहे हैं। इन अवसरों से जुड़ते हुए युवाओं को अपनी प्रतिभा और ऊर्जा का उपयोग प्रदेश के विकास में करना होगा। कार्यक्रम को वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री श्री सुरेश कुमार खन्ना तथा पुलिस महानिदेशक श्री राजीव कृष्ण ने भी सम्बोधित किया।

पुलिस ने दो नाबालिगों को ढूंढकर परिवारों को सौंपा

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा की मानव तस्करी विरोधी इकाई ने अलग-अलग क्षेत्रों से लापता हुए दो नाबालिग बच्चों को ढूंढकर सुरक्षित उनके परिवारों को सौंप दिया। अपराध शाखा उपायुक्त पंकज कुमार ने बताया कि थाना बुद्ध विहार में 15 सितंबर को आठ वर्षीय बच्ची के गुमशुदा होने की शिकायत दर्ज कराई गई थी। वह अपने गांव उत्तर प्रदेश के बांदवी से अपनी बुआ के साथ दिल्ली आई थी। खेलते-खेलते रास्ता भटक जाने पर वह जहांगीरपुरी इलाके में पहुंच गई। किसी राहगीर ने उसे अकेला देखकर पुलिस को सूचना दी। बाद में बाल कल्याण समिति के आदेश पर बच्ची को कंझावला स्थित बाल गृह भेज दिया गया। बाल गृह में दर्ज नाम अलग होने के कारण उसकी पहचान में कठिनाई हुई। इसके बावजूद अपराध शाखा के लगातार प्रयास से बच्ची की पहचान कर ली गई और उसे परिजनों के हवाले कर दिया। वहीं, दूसरा मामला भी थाना बुद्ध विहार का है। यहां 14 वर्षीय लड़के की गुमशुदगी की रिपोर्ट 27 सितंबर को दर्ज की गई थी। वह अपने दोस्त के साथ रामलीला देखने गया और वहीं रुक गया था। काफी देर तक घर न लौटने पर परिवार ने पुलिस को सूचना दी। एसीपी सुरेश कुमार की निगरानी में क्राइम ब्रांच ने कॉल डिटेल और तकनीकी जांच के साथ-साथ इलाके में तलाशी अभियान चलाकर नाबालिग को रिठाला गांव से बरामद कर लिया।

रंजिश में युवक पर चलाई गोली

नई दिल्ली। महेंद्र पार्क में बृहस्पतिवार रात रंजिश में एक युवक पर स्कूटी सवार नाबालिगों ने गोली चला दी। गनीमत रही कि गोली किसी को नहीं लगी। पीड़ित की पहचान निखिल सक्सेना (22) के रूप में हुई है। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने हत्या का प्रयास का मामला दर्ज कर लिया है। पीड़ित ने तीन नाबालिग लड़कों पर आरोप लगाया है जिनकी तलाश में पुलिस दबिश दे रही है। उत्तर पश्चिम जिला पुलिस उपायुक्त भीष्म सिंह ने बताया कि बृहस्पतिवार रात पुलिस को महेंद्र पार्क स्थित हेलो चाइना फास्ट फूड की दुकान पर गोली चलने की सूचना मिली। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस को वहां शिकायतकर्ता संजय नगर निवासी निखिल सक्सेना मिला। उसने पुलिस को बताया कि वह अपने दोस्त माणिक के साथ हेलो चाइना फास्ट फूड की दुकान आया था। दोनों दुकान के पास खड़े थे तभी तीन लोग स्कूटी पर आए और उनपर हमला कर दिया। आरोपियों ने उनपर गोली भी चलाई। गनीमत रही कि गोली किसी को भी नहीं लगी। पीड़ित ने तीनों आरोपियों को पहचानने का दावा करते हुए बताया कि सभी उसके घर के पास ही रहते हैं और उससे रंजिश रखते हैं। पुलिस ने मौके पर क्राइम और फोरेंसिक टीम को बुलाया। टीम ने वहां से कुछ साक्ष्य हासिल किए। पुलिस ने पीड़ित के बयान पर हत्या के प्रयास का मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि शुरुआती जांच में पता चला है कि पीड़ित दसवीं तक पढ़ा है और फिलहाल कोई काम नहीं करता है। वहीं, गोलीबारी करने वाले सभी आरोपी नाबालिग हैं। जिस जगह पर घटना हुई है वहां कोई सीसीटीवी कैमरा नहीं है। घटना के बाद से नामजद सभी आरोपी अपने घर से गायब हैं। पुलिस आरोपियों को पकड़ने के लिए इनके ठिकानों पर दबिश दे रही है।

NAME CHANGE
I, ANKIT KUMAR S/O TEK CHAND R/O HOUSE NO-243,POST OFFICE WALI GALI,SAMALKA,SOUTH WEST DELHI,DELHI-110037,HAVE CHANGED MY NAME TO ANKIT LOHIA FOR ALL FUTURE PURPOSES

NAME CHANGE
I Kratika Agrawal W/o Vivek Kohli R/o H. no. 445, Sector 14, Gurgaon, Haryana 122001 have changed my name to Kratika Kohli for all future purposes.

NAME CHANGE
I JATIN KUMAR MADHAR S/O SANJEEV KUMAR R/O 1352 F, GALI NO 13, GOVIND PURI NEW DELHI - 110019 have changed my name to JATIN MADHAR Permanently for all future purposes

NAME CHANGE
I, Deepak Kumar Mourya S/o Vishambar Dayal Mourya R/o 2094/2/DC, GALI NO.17 PREM NAGAR PATEL NAGAR DELHI-110008, declare that name of mine any my wife has been wrongly written as Deepak Mourya and Babita Mourya in my minor son Kunal Kumar, aged 17 years in his 10th class educational document. The actual name of mine and my wife are Deepak Kumar Mourya and Babita Devi, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I. Suman W/o Ashok Kumar, R/O ? No-100, Green Enclave, VTC: Gautam Buddha Nagar PO: Noida, District: Gautam Buddha Nagar, State: Uttar Pradesh, PIN Code: 201301, have changed the name of my minor son Vivek 17 years and he shall hereafter be known as VIVEK SINGH.

NAME CHANGE
I. Suman W/o Ashok Kumar, R/O ? No-100, Green Enclave, VTC: Gautam Buddha Nagar PO: Noida, District: Gautam Buddha Nagar, State: Uttar Pradesh, PIN Code: 201301, have changed the name of my minor son Harsh 15 years and he shall hereafter be known as HARSH SINGH.

NAME CHANGE
I, hitherto known as Jasviri W/O: Satvir Singh, R/O Village-Khurana Jahangirabad, Garhmukteshwar, Hapur, Uttar Pradesh - 245207, have changed my name and shall hereafter be known as OMBATI DEVI.

NAME CHANGE
I IRAFAN ALIAS CHANDBABU S/o NASEEM AHAMAD R/o VISHNUPUR KALAN, BISNUPUR KIA, GONDA, UTTAR PRADESH Have Change My Name to MOHAMAMD IRFAN For All Future Purposes.

NAME CHANGE
I MOHAMMAD NASEEM S/O SAHBAN ALI R/o VISHNUPUR KALAN , BISNUPUR KIA, GONDA , UTTAR PRADESH, Have Change My Name to NASEEM AHAMAD For All Future Purposes.

NAME CHANGE
I, hitherto known as Vidhi Bhati D/O: Sunil Kumar R/O panchayatan inayatpur, Panchayatan Inayatpur, I.a. Surajpur, Gautam Buddha Nagar Uttar Pradesh, 201306, have changed my name and shall hereafter be known as VAMIKA BHATI.

NAME CHANGE
I. Suman W/o Ashok Kumar, R/O ? No-100, Green Enclave, VTC: Gautam Buddha Nagar PO: Noida, District: Gautam Buddha Nagar, State: Uttar Pradesh, PIN Code: 201301, have changed the name of my minor son Vivek 17 years and he shall hereafter be known as VIVEK SINGH.

NAME CHANGE
I. Suman W/o Ashok Kumar, R/O ? No-100, Green Enclave, VTC: Gautam Buddha Nagar PO: Noida, District: Gautam Buddha Nagar, State: Uttar Pradesh, PIN Code: 201301, have changed the name of my minor son Harsh 15 years and he shall hereafter be known as HARSH SINGH.

NAME CHANGE
I, YUSUF JAMEEL S/o Jamil Ahmad R/o H.No.835, Abid Building, Ballimaran, Chandni Chowk, Delhi-110006 have Changed my name to YUSUF JAMIL for all future purposes.

NAME CHANGE
I, SUGEESH VS S/o Subramanian Villanassery, residing at Room no-312,Sahara appartments, Kishan Garh, Vasant Kunj, South West Delhi-110070,have changed my minor son name from SREEDHRUV VS to SREEDHRUV SUGEESH for all future purposes

NAME CHANGE
I MOHAMMAD LUKMAN S/O RAHMAT ALI R/O VILL JALALPUR PO KHANPURA NALANDA BIHAR 803109 I HAVE CHANGED MY NAME TO MD LUKMAN ANSARI

NAME CHANGE
I hitherto known as Neha jatav D/o Babli Jatav R/o Vidya And Child(Vatika), Opposite Shahpur Shiv Mandir, Shahpur Goverdhanpur Sector 130 Noida, Gautam Buddha Nagar , PO: Noida, DIST: Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh-201301 have changed my name and shall hereafter be known as Neha Sonkar.

NAME CHANGE
I, ARUN VERMA S/O HARBIR SINGH R/O T-12/401, Omaxe NRI City, Gh-1, Greater Noida , Sector Omega-2, Kasana Gautam Buddha Nagar Uttar Pradesh -201310 have changed the name of my minor son FIRST BABY OF ARUN VERMA aged 7 years and he shall hereafter be known as DIVYANSH SINGH.

NAME CHANGE
I KAMAL JEET SINGH S/O SAJJAN SINGH R/O HOUSE NO B-3/82, FIRST FLOOR, ASHOK VIHAR, PHASE -2, DELHI-110052, have changed the name of my minor Son JIYAAN JAYAK age 09 years and shall hereafter be known as JEEVAK JAYAK.

NAME CHANGE
I, IRFANA BHAT W/O FAYAZ AHMAD BHAT resident of 2/44 FOURTH FLOOR JUNGPURA-A HOSPITAL ROAD BHOGAL DELHI-110014 have changed my minor son name from FUZAIB FAYAZ BHAT to NUMAIR FAYAZ BHAT for all future purpose.

NAME CHANGE
I, PRASANT BARIK, brother of No-15739389N, Rank-NK, Name- MANOJ KUMAR BARIK R/o VILL-JIRINA, PO-ADIA, TEHSIL-BONTH, DIST-BHADRAK, ODISHA-756114, have changed my name from PRASANT BARIK to PRASHANTA BARIK for all future purposes vide Affidavit Dated 19/09/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, RENUKA SINGHA wife of No.-15678523Y, Rank-HAV, Name-DULAL MAHATA residing at VILL-DHOBAD-HOBIN, PO-PUKURIA, TEHSIL-JHARGRAM, WEST BENGAL-721514, have changed my name from RENUKA SINGHA to RENUKA MAHATA for all future purposes vide Affidavit dated 19/09/2026 before Executive Magistrate, Delhi.

NAME CHANGE
I Shivraj Singh Negi, S/o Kharak Singh .R/o Garur, Sitoli, Myalde Bhramari, Baijnath, Bageshwar, Uttarakhand-263641 I have change my name to Shivraj Singh for all future purposes

NAME CHANGE
I hitherto known as Krishna Pal S/o Sukhbir R/o 265-A Suraj Sadan, Ram Nagar, Ghaziabad, Uttar Pradesh-201001 have changed my name and shall hereafter be known as Krishan Pal Tomer.

NAME CHANGE
I, Bhupinder Singh S/o Rajkumar Singh R/o 137, Ranapur, Bulandshahr, Uttar Pradesh - 245412 have changed my name and shall hereafter be known as Bhoopendra Singh

NAME CHANGE
I hitherto known as SANJIP HALDAR S/o RANJIT HALDAR R/o Village Chaura Sadatpur, Sector 22, Noida, Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh, 201301, have changed my name and shall hereafter be known as SANJIT HALDER. It is certified that I have complied with other legal requirements in this connection.

NAME CHANGE
I, LIAQAT ALI ALIAS LIAQUAT ALI S/O ABDUL RASHID at B-6/46-C DDA FLATS INDER LOK DELHI 110035 have changed my name to LIYAKAT ALI for all future purpose.

NAME CHANGE
I hitherto known as SANJIP HALDAR S/o RANJIT HALDAR R/o Village Chaura Sadatpur, Sector 22, Noida, Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh, 201301, have changed my name and shall hereafter be known as SANJIT HALDER. It is certified that I have complied with other legal requirements in this connection.

NAME CHANGE
I,Makkhan Rajak S/O Tijaya Rajak R/O Plot No-38, Niti Khand -2, Indirapuram, Ghaziabad, Uttar Pradesh -201014, have changed the name of my minor Son Ayush Sriwash aged 12 years and he shall hereafter be known as Aayush Rajak

NAME CHANGE
I, hitherto known as MD PHIROJ S/O MOHD BARIK R/o G-177, HARKESH NAGAR, OKHLA PHASE -2, OKHLA INDUSTRIAL ESTATE, DELHI-110020. have changed my name and shall hereafter be known as MD FIROZ. It is certified that I have complied with other legal requirements in this connection

NAME CHANGE
I, Akashdeep Khullar S/O Prem Nath R/O 1510, 15th Floor Tower- Latina Mahagun Mirabella SEC 79 Noida Up 201301 have changed my name to Akash Deep for all future purposes.

NAME CHANGE
I, RAMAN R/O H NO-67, BABA JYOTI RAO, PHULE, SANGLI MESS, N.D.M.C, DELHI-110001 have changed my name to RAMAN VERMA for all future purposes.

NAME CHANGE
I LANVATE SANDEEPRAO SANTARAM, Army no -2808512p, Rank - Hav, Presently Residing At Mandlaiwadi, Post- Parkhandle, Teh - Shahuwadi, Dist - Kolhapur, State- Maharashtra, Pin - 416003 have changed my name from LANVATE SANDEEPRAO SANTARAM to LAVHATE SANDEEPRAO SANTARAM for all future purposes, Vide affidavit dated 19/09/2026 before Notary Delhi.

NAME CHANGE
I, SYED SULTAN HASAN S/o SYED WALI HASAN R/o H NO-728, GALI SAUDAGRAN, BALLI-MARAN, DELHI-110006 have changed my minor daughter name from HAFSA HASAN to HAFSAH HASAN HASAN for all future purposes.

NAME CHANGE
I, Deepak Kumar Mourya S/o Vishambar Dayal Mourya R/o 2094/2/DC, GALI NO.17 PREM NAGAR PATEL NAGAR DELHI-110008, declare that name of mine any my wife has been wrongly written as Deepak Mourya and Babita Mourya in my minor son Kunal Kumar, aged 17 years in his 10th class educational document. The actual name of mine and my wife are Deepak Kumar Mourya and Babita Devi, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, SYED SULTAN HASAN S/o SYED WALI HASAN R/o H NO-728, GALI SAUDAGRAN, BALLIMARAN, DELHI-110006 have changed my minor daughter name from HAFSA HASAN to HAFSAH HASAN for all future purposes.

PUBLIC NOTICE
NOTICE is hereby given to public at large that my client **Mr. Praveen Kumar Tiwari** is purchasing the First Floor of Free-hold Built-up Property Bearing 30, land admeasuring 105 Sq. Yds., comprised in Khasra no. 655, 657 and 841/805, Situated in Harijan Colony, Sawan Park, Ashok Vihar, Delhi-110052. from Mr. Surneesh Singh who is the owner of the property vide Regd. WILL dated 11.03.2010 which is registered Doc no. 861 on 11.03.2010 executed by Mrs. Gurdial Kaur who is the owner of the property vide Relinquishment Deed dated 16.01.2007, which is registered as Doc no. 417, Book no. 1, Volume no. 711, dated 16.01.1007, SRO- VI-A, New Delhi. and Intend to mortgage the said property with **Aditya Birla Housing Finance Limited.** That the Original Relinquishment Deed dated 16.01.2007 executed by 1) Smt. Sukhdev Kaur, 2) Sh. Jagdev Singh, 3) Smt. Gurwinder Kaur, 4) Sh. Jagpal Singh and 5) Smt. Baljit Kaur in favour of Smt. Gurdial Kaur, as Vide Doc no. 417, Book no. 1, Volume no. 711, dated 16.01.1007, SRO- VI-A, New Delhi. is lost/Misplaced. If any person(s) has/have any objection(s) or claim(s) with respect to the right, title or interest in the said property may please contact us within 07 days from the date of this notice on the number & address mentioned herein below, failing which my client(s) shall not be held responsible in any manner whatsoever.
Khaitan & Khaitan
Plot No. 100 ,1st floor
Okhla Phase III, New Delhi
Ph. No: 011-49774545

NAME CHANGE
I, SOMESH S/O BHOGILAL R/O H.NO K 68a K BLOCK GALI NO 1 RAJAK RAM COLONY MAHIPALPUR GURGAON ROAD VASANT VIHAR SOUTH WEST DELHI 110037, CHANGED MY NAME TO SOMESH KUMAR.

NAME CHANGE
I ALISHA D/O MOHD AHSAN 1451, CHATTA NAWAB SAHAB, FARASH KHANA, DELHI-110006 HAVE CHANGED MY NAME TO ALI SHAH

NAME CHANGE
I, BINESH KUMARI/ BINESH W/O SANTOSH KUMAR R/O H NO.364/11, VASHISHT ENCLAVE, BURARI, DELHI-110084 HAVE CHANGED MY NAME TO BINESH DEVI FOR ALL FUTURE PURPOSES.

NAME CHANGE
I, SHRISTHI D/O DHARMENDRA SINGH CHAUHAN R/O 1205,TOWER-3,PYRAMID URBAN HOME,PHASE-1,SECTOR-70A,GURGAON, HARYANA-122101 ,HAVE CHANGED MY NAME TO SHRISTHI CHAUHAN FOR ALL FUTURE PURPOSES

PUBLIC NOTICE
Information is given to general public at large that our client Mr. Tarun S/o Late Mr. Anant Ram is the owner of Freehold Residential Property No. A-170, Old No. A-172, area measuring 25 Sq. Yds., out of Khasra No. 195, situated in the area of Village Ghonda Gujran Khadar, in the Abadi of Gali No. 35, Old Gali No. 4 Som Bazar, 4-1/2 Pusta, Gamri Illaqa Shahdara, Delhi 110053. by virtue of Notarized GPA, Notarized ATS & Will dated 20.05.2026., now our client is declaring that that any other person does not have any right over the said property, and same property sold to be Mrs. Ruby Shakya and same has been financed by SMFG India Home Finance Company Limited Branch: Moti Nagar New Delhi. If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the` right, title or interest in the Said Property then contact us within 07 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained
[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
F-211, Sector-3,
Vaishali, Ghaziabad,
Uttar Pradesh-201010
(Contact at 09958871432)

PUBLIC NOTICE
Information is given to general public at large that our client Mr. Chanan Shah S/o Late Mr. Devi Dayal is the owner of Freehold Residential Entire Third Floor, with roof rights, Built-on Property No. A-207-A, area measuring 33.44 Sq. Mtrs., i.e., 40 Sq. Yds., out of Khasra No. 170, situated in the area of Village Bindapur, Delhi State Delhi, in Colony Known as Block-A, Nand Ram Park, Uttam Nagar, New Delhi. by virtue of Notarized GPA, Notarized ATS & Will dated 05.01.2011., now our client is declaring that that any other person does not have any right over the said property, and same property sold to be Mr. Niranjan Kumar Verma and same has been financed by SMFG India Home Finance Company Limited Branch: Moti Nagar New Delhi.
If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the` right, title or interest in the Said Property then contact us within 07 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained
[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
F-211, Sector-3,
Vaishali, Ghaziabad,
Uttar Pradesh-201010
(Contact at 09958871432)

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, Vijay Kumar S/O Jai Bhagwan Sharma R/O East Shaphire, I-104, 1st Floor, Sadarpur, Sector-45, Noida, PO: Noida, DIST: Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh - 201301, declare that name of my minor son has been wrongly written as Saksham in my minor son Saksham Sharma aged 16 years in his 10th class educational documents. The actual name of my minor son is Saksham Sharma

PUBLIC NOTICE
GENERAL PUBLIC IS HEREBY INFORMED THAT BACK CHAIN OF "SECOND FLOOR WITHOUT ROOF RIGHTS AND TERRACE RIGHTS, AREA MEASURING 83.61 SQ. METERS, 100 SQ. YARDS, BEARING PROPERTY NO. W-99, OUT OF KHASRA NO. 426, SITUATED AT THE AREA OF VILLAGE MAUJPUR, IN THE ABADI OF CHANDER SHEKHAR AZAD GALI NO. 4, BABARPUR ILLAQA SHAHDARA DELHI-110032." I.E. 1. CTC OF KHATONI ISSUED BY PATWARI IN FAVOUR OF MR. MAM RAJ AS THE KHATEDAR IN RESPECT OF THE SAID KHASRA, 2. CTC OF CANCELLATION ORDER OF BAIL AS AFFIXED IN NOTARIZED GPA DT. 12.09.1977, 3. ORIGINAL SALE DEED DATED 07.04.2005 EXECUTED BY MRS. SURAJ MUKHI GPA OF MR. MAM RAJ (VIDE GPA DATED 12.09.1977) IN FAVOUR OF MRS. SURAJ MUKHI IN RESPECT OF ENTIRE PROPERTY AS 100 SQ. YARDS. & 4. ORIGINAL RELINQUISHMENT DEED DATED 29.04.2025 EXECUTED BY MR. DHANPATI RAM, MRS. RABIYA BEGUM ALIAS SANTOSH AND MRS. SAROJ KUMARI IN FAVOUR OF MRS. RAJNI DEVI, MS. MISHIKA DUTT, MAYANK DUTT, MR. ABHISHEK DUTT AND MR. SUJAL DUTT IN RESPECT OF THEIR 3/8 UNDIVIDED SHARE IN ENTIRE PROPERTY AS 100 SQ. YARDS. HAVE BEEN LOST OR NOT AVAILABLE WITH CURRENT OWNER MR. MAYANK DUTT WHO ACQUIRED THE SAID PROPERTY VIDE PARTITION DEED WITH STAMP DUTY DATED 19.05.2025. NOW MRS. SAROJ KUMARI IS GOING TO PURCHASE THE SAID PROPERTY, FROM OWNER / SELLER MR. MAYANK DUTT, WHICH WILL BE MORTGAGED WITH TRU HOME FINANCE LIMITED AS SECURITY AGAINST HOUSING LOAN FOR PURCHASING OF SAID PROPERTY. PLEASE SUBMIT THE SAID ORIGINAL DEEDS IF FIND BY ANY PERSON. ALSO PLEASE CONTACT WITH WRITTEN OBJECTION LETTER WITH RELEVANT DOCUMENTS WITH UNDERSIGNED IF HAVING ANY OBJECTION IN RESPECT OF SAID PROPERTY/SALE DEED WITHIN 10 DAYS OF THIS PUBLICATION. ITS USE BY ANYONE IS ILLEGAL.
ADITYA VERMA, ADVOCATE
E-16, MANSAROVAR PARK,
SHAHDARA, DELHI-110032
MOBILE NO. 9999042521

NAME CHANGE
I hitherto known as Parveen Devi Maskara W/o Anil Kumar Maskara R/o Maskara Bhawan, Fafrana Road, Modinagar P.O/P.S Modinagar, Ghaziabad Uttar Pradesh-201204 have changed my name and shall hereafter be known as Praveen Maskara.

NAME CHANGE
I hitherto known as Swikriti Priya D/o Subodh Kumar R/o House No 803, New Colony Karhera, Ghaziabad, Sahibabad, Mohan Nagar, Uttar Pradesh-201007 have changed my name and shall hereafter be known as Suikriti Priya.

सार्वजनिक सूचना
जनता को सूचित किया जाता है कि श्रीमती रेनू देवी (पत्नी श्री रमेश कुमार) प्लॉट नंबर 367 (जिसमें उत/ टेरस के अधिकार शामिल है और जिसका क्षेत्रफल 30 वर्ग गज है) पर बनी आवासीय संपत्ति की मालिक हैं। यह संपत्ति खसरा नंबर 58/21 (गांव हस्तसाल, दिल्ली का रेवेन्यू एस्टेट) के अंतर्गत आती है और मोहन गार्डन आबादी कॉलोनी (ब्लॉक-L-2, उत्तम नगर, नई दिल्ली-110059) में स्थित है। वे इसकी मालिक श्री मनोज कुमार राव (पुत्र श्री महेश रीव) द्वारा 19.08.2025 को निष्पादित नोटरीकृत GPA, ATS और वसीयत के आधार बनी हैं। यह संपत्ति श्रीमती मीनू देवी (पत्नी श्री चबलू मंडल) को बेची जा रही है और इसके लिए SMFG इंडिया होम फाइनेंस कंपनी लिमिटेड से फाइनेंस लिया जा रहा है। आम जनता को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति का इस संपत्ति पर कोई अधिकार/हित/टाइटल है या कोई नियाद है, तो कृपया इस सूचना के 07 दिनों के भीतर नीचे दिए गए पते पर लिखित रूप में सूचित करें।.
Rahul Raj, Advocate,
SG Associates (Law Firm)
B-01, Plot no. 20, Koushambhi
near HDFC Bank, U.P.
E-MAIL:
sgassociatespl@gmail.com,
Ph: 8130309204

सार्वजनिक सूचना
आम जनता को सूचित किया जाता है कि श्रीमती अमरीन (पत्नी श्री दानिश) प्रॉपर्टी नंबर RZ-2011-A, गली नंबर 25, खसरा नंबर 431/1, तुगलकाबाद एक्सटेंशन, नई दिल्ली-110019 पर बनी चौथी मंजिल (सबसे ऊपरी मंजिल), सामने की तरफ दाई ओर (RHS) बाली बूनिट (छत के अधिकार सहित, क्षेत्रफल 50 वर्ग गज्ज) की मालिक हैं। यह मालिकाना हक 20.06.2025 की सेल डीड (बिक्री विलेख) के आधार पर है, जिसे श्रीमती नेहा (पत्नी श्री मिंटू) ने श्रीमती अमरीन (पत्नी श्री दानिश) के पक्ष में निष्पादित किया था और जो दस्तावेज़ संख्या 4761 के तहत विधिवत पंजीकृत है। साथ ही, इस प्रॉपर्टी की चेन में शामिल मूल GPA, ATS और जसीयत (जो 27.09.2022 को श्री शमसुद्दीन अंसारी (पुत्र श्री रईसुद्दीन) द्वारा श्रीमती शहीदा वेगम (पत्नी श्री रईसुद्दीन) के पक्ष में निष्पादित की गई भी) खो गई हैं; इसके लिए 18.09.2026 को रूक नंबर-642148/2026 के तहत ऑनलाइन FIR दर्ज कराई जा चुकी है। इस प्रॉपर्टी के लिए शुभम हाउसिंग डेवलपमेंट फाइ?नेंस कंपनी लिमिटेड से फाइनेंस लिया जा रहा है। आम जनता को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति का उक्त प्रॉपर्टी पर कोई अधिकार/हित/टाइटल है या कोई विवाद है, तो कृपया नीचे दिए गए पते पर 07 दिनों के भीतर लिखित रूप में सूचित करें।.
Rahul Raj, Advocate,
SGRR Associates LLP
B-01, Plot no. 20, Koushambhi
near HDFC Bank, U.P.
E-MAIL:
sgrrassociatesllp@gmail.com
Ph: 8130309204

Date of Birth Change
I SHAIK MABU legally father of Army no - 2810354k, Rank - SEP, Name - SHAIK DASTAGIRI, Presently Residing At - Hanumantharayunu Palli, Post-Hanumantharayunu Palli, Teh - Komarole Dist - Prakasam, State- Andhra Pradesh, Pin - 523373, in my son's service records my date of birth wrongly mentioned as 19/05/1955 instead of my correct date of birth as 01/01/1956, vide Affidavit dated 17/09/2026 before Notary Public, Delhi.

Court Notice
IN THE COURT OF SH. VIRENDER SINGH, LD. PO (MACT)-02 ROOM NO. G-4, GROUND FLOOR, NEW COURT BUILDING SHAHDARA DISTRICT, KARKARDOOMA COURT, DELHI
Next Date of Hearing 24.10.2026
MACT-397/2022
FIR NO. 96/2022
PS-GADMUKTESHWR HAPUR
BHAGWATI & ANR VS. UNITED INDIA INSURANCE CO LTD. ORS.
TO
CHITRA
W/o LATE SATENDER KUMAR TOMAR VILLAGE MAUKHAS, DIST-MEERUT, U.P. 250001
WHEREAS the above noted claim petition Uis 166 & 140 of Motor Vehicle Act is pending before the court of undersigned and you are hereby informed through this notice to appear in person or through pleader on the next date of hearing Le 24.10.2026 at 10.00 AM.
under my hand and seal of this court on.07.09.2026.
PO (MACT) 02, SHD, KKD

Court Notice
In the Court of Ms. Aparna Swami, Addl. District and Sessions Judge, (East Distt) PO-MACT, Court No.G-01, Ground Floor, New Building, Karkardooma Courts, Delhi.
MACT 254/2024
DURGA JAISWAL AND ORS Vs. SHRIRAM GENERAL INSURANCE AND ORS
To,
FIROZ S/O MUSTKIM
R/O H.NO. 9, WARD NO. 24,
KALI MASJID MURADNAGAR,
Whereas has instituted a Motor Accident Claim Petition Impleading you as one of the respondents, which case has been directed to be listed before this Tribunal/Court for hearing at 10:00 am on 30-09-2026 Now therefore you are given notice to appear in this Tribunal/Court in person or by a pleader duly instructed (and able to answer all material questions relating to the suit, or who shall be accompanied by some person, able to answer all such questions), on the 30-09-2026 at 10:00 o'clock in the forenoon, to answer the claim; and further you are hereby directed to file on that day written statement of you defence and to produce on the said day all documents in your possession or power or not, as evidence in support of your defence, you shall enter such documents in a list to be annexed to the written statement.
Take notice that, in default of your appearance on the day before mentioned, the suit will be heard and determined in your absence.
Given under my hand and the seal of the Court, this 04-07-2026
PO-MACT, Court No.G-01, Ground Floor, New Building, Karkardooma Courts, Delhi.

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा
(धारा 82 सीआरपीसी/84 भा.न.स.स.देखिए)
मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **अजय कुमार पांडे** पुत्र राम कृष्ण पांडे निवासी ए 2001, राज नगर एक्सटेंशन, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश ने **प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या 95/2026 धारा 318(4)/316(4)/338/336(3)/340(2)/61(2)/3(5) भारतीय न्याय संहिता, थाना वसंत कुंज उत्तर, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है की किया है) और उस पर जारी किये गए गिरफ्तारी के वारंट को यह कह कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **अजय कुमार पांडे** मिल नहीं रहा और मुझे समाधानप्रद रूप से दर्शित कर दिया गया है की उक्त अभियुक्त **अजय कुमार पांडे** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहा है)। इस लिए इस के द्वारा उद्घोषणा कि जाती है की उक्त अभियुक्त **अजय कुमार पांडे, प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या 95/2026 धारा 318(4)/316(4)/338/336(3)/340(2)/61(2)/3(5) भारतीय न्याय संहिता, थाना वसंत कुंज उत्तर, दिल्ली** न्यायालय के समक्ष या मेरे समक्ष उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **30.10.2026** को या उससे पहले हाजिर हो।
आदेश से
श्री अनिमेष कुमार
न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी -02
पटियाला हाउस कोर्ट, नई दिल्ली
DP/13231/SW/2026

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।
Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300
E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in
R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472
Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

28 से 29 अक्टूबर 2026 को खड्गा स्पोर्ट्स स्टेडियम अंबाला कैंट में होगी अग्निवीर महिला सेना पुलिस अभ्यर्थियों कि भर्ती

एजेंसी

अंबाला। आर्मी भर्ती कार्यालय अम्बाला छावनी के भर्ती निदेशक ने जारी एक प्रैस विज्ञप्ति के माध्यम से बताया कि 28 से 29 अक्टूबर 2026 को खड्गा स्पोर्ट्स स्टेडियम अंबाला कैंट में अग्निवीर महिला सेना पुलिस भर्ती प्रक्रिया का दूसरा चरण (फिजिकल एवं मेडिकल) का आयोजन किया जायेगा। इस भर्ती प्रक्रिया में हरियाणा, हिमाचल प्रदेश और केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ एवम दिल्ली की वे महिला अभ्यार्थी भाग ले सकती हैं जो कि प्रथम चरण के कंप्यूटर आधारित ऑनलाइन कॉमन परीक्षा में शोर्टलिस्ट हुई है। अभ्यर्थियों के एडमिट कार्ड, जल्द हि जारी कर दिए जायेंगे। सभी उम्मीदवारों को सूचित किया जाता है की वे भारतीय सेना की वेबसाट www.joinindia-narmy.nic.in पर अपनी लॉगिन आईडी से अपना एडमिट कार्ड चेक करते रहे। अभ्यर्थियों को सूचित किया जाता है कि एडमिट कार्ड जारी हेने के बाद उस में दिए गये निर्देशों का पालन करें।

15 से 27 अक्टूबर 2026 को खड्गा स्पोर्ट्स स्टेडियम अंबाला कैंट में होगी अग्निवीर पुरुष अभ्यर्थियों कि भर्ती

अंबाला। आर्मी भर्ती कार्यालय अम्बाला छावनी के भर्ती निदेशक ने जारी एक प्रैस विज्ञप्ति के माध्यम से बताया कि 15 से 27 अक्टूबर 2026 को खड्गा स्पोर्ट्स स्टेडियम अंबाला कैंट में अग्निवीर पुरुष अभ्यार्थी की भर्ती प्रक्रिया का दूसरा चरण (फिजिकल एवं मेडिकल) का आयोजन किया जायेगा। इस भर्ती प्रक्रिया में अंबाला, कैथल, कुरुक्षेत्र, करनाल, यमुनानगर, पंचकुला और केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ के अभ्यार्थी भाग ले सकते हैं जो कि प्रथम चरण के कंप्यूटर आधारित ऑनलाइन कॉमन परीक्षा में शोर्टलिस्ट हुए है। अभ्यर्थियों के एडमिट कार्ड, जल्द हि जारी कर दिए जायेंगे। सभी उम्मीदवारो को सूचित किया जाता है की वे भारतीय सेना की वेबसाट www.joinindianarmy.nic.in पर अपनी लॉगिन आईडी से अपना एडमिट कार्ड चेक करते रहे। अभ्यर्थियों को सूचित किया जाता है कि एडमिट कार्ड जारी हेने के बाद उस में दिए गये निर्देशों का पालन करें। यदि किसी भी अभ्यर्थी को एडमिट कार्ड डाऊनलोड करने में समस्या आती है तो वे अपने सेना भर्ती कार्यालय में प्रातः 10.00 बजे से दोपहर 14.00 बजे के बीच में संपर्क कर सकते हैं ताकि उनकी समस्या का समाधान जल्द से जल्द हो सके।

अम्बाला शहर पुलिस थाने में उसकी गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज करवाई है

अंबाला। राम नगर अम्बाला शहर की एक युवती 17 सितम्बर को घर से बिना बताए कहीं चली गई है। इस संबध में उसकी माता छिन्दर देवी ने अम्बाला शहर पुलिस थाने में उसकी गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज करवाई है। मामले की जांच कर रहे एएसआई कृष्ण कुमार ने बताया कि इस संबध में शिकायत प्राप्त हुई है। उन्होंने बताया कि गुमशुदा युवती का रंग गोरा, लम्बुतरा चेहरा, पतला-फुर्तिला शरीर, कद 5 फुट 2 इंच तथा उसने घर से जाते समय काले रंग की टी-शर्ट व खाकी रंग का लोअर तथा पांव में चप्पल पहनी हुई है। उन्होंने बताया कि इस संबध में यदि कोई भी सूचना मिलती है तो थाना अम्बाला शहर के मोबाईल नम्बर 0171-244021, एसएचओ अम्बाला शहर 9729990120, इंचार्ज पुलिस चौक 9729990137, कंट्रोल रूम अम्बाला 0172-553223, अनुसंधानकर्ता 7419022022 पर दी जा सकती है।

राज्य स्तरीय हॉकी प्रतियोगिता में अंबाला की अंडर-14 टीम ने हासिल किया द्वितीय स्थान

एजेंसी

अंबाल। सिरसा में आयोजित राज्य स्तरीय हॉकी प्रतियोगिता में अंबाला की अंडर-14 हॉकी टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए द्वितीय स्थान प्राप्त कर जिले का नाम रोशन किया। जिसमे राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, बलदेव नगर की 5 छात्राओं ने भाग लिया था। टीम की इस उपलब्धि से विद्यालय परिवार एवं खेल प्रेमियों में खुशी की लहर है। विद्यालय की प्रधानाचार्या श्रीमती वीना भागानिया जी ने पूरी टीम को इस शानदार उपलब्धि के लिए हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ दीं। उन्होंने खिलाडियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन की सराहना करते हुए कहा कि यह सफलता विद्यार्थियों की मेहनत, अनुशासन, लगन और टीम भावना का परिणाम है। इस उपलब्धि का श्रेय टीम के मार्गदर्शक एवं प्रशिक्षक श्री ओंकार चोपड़ा के निरंतर मार्गदर्शन, मेहनत और समर्पण को भी जाता है। उनके कुशल प्रशिक्षण एवं मार्गदर्शन से खिलाडियों ने प्रतियोगिता में बेहतरीन प्रदर्शन किया। डीईओ श्री सुधीर कालरा जी एवं डीईईओ श्रीमती ज्योति रानी जी ने भी अंबाला टीम के शानदार प्रदर्शन की सराहना करते हुए खिलाडियों, प्रशिक्षक तथा विद्यालय के सभी स्टाफ सदस्यों को बधाई दी।

माता लल्लेश्वरी की शिक्षाएं सामाजिक मूल्यों और नैतिक चेतना को मजबूत करती हैं: मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी

माता लल्लेश्वरी की शिक्षाएं सामाजिक मूल्यों और नैतिक चेतना को मजबूत करती हैं: मुख्यमंत्री

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश 'विकसित भारत-2047' के संकल्प की ओर आगे बढ़ रहा है। ऐसे समय में माता लल्लेश्वरी जैसे संतों और महापुरुषों की शिक्षाएं हमारी नैतिक चेतना और सामाजिक मूल्यों को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जनसेवा के 25 वर्ष पूरे होने के अवसर पर 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक प्रदेश में '''सेवा संकल्प अभियान''' चलाया जा रहा है। उन्होंने प्रदेशवासियों से अभियान के तहत

आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में बढ़-चढ़कर भाग लेने का आह्वान किया। मुख्यमंत्री ने माता लल्लेश्वरी जी की अमर वाणी को नमन करते हुए कहा कि उनकी कालजयी ज्ञानधारा सदैव समाज को आत्मज्ञान, प्रेम, भाईचारे और समरसता का मार्ग दिखाती रहेगी। मुख्यमंत्री गुरूग्राम में कश्मीर हिन्दू प्रकोष्ठ द्वारा माता लल्लेश्वरी जी की 705वीं जयंती एवं श्री राधाष्टमी के पावन अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में उपस्थितजनों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने माता लल्लेश्वरी जयंती एवं श्री राधाष्टमी के पावन अवसर पर प्रदेशवासियों, विशेषकर कश्मीरी समाज को हार्दिक शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर माता लल्लेश्वरी जी पर आधारित गीत का पोस्टर भी लॉन्च किया। इस गीत के निर्माण में मुख्यमंत्री के ओएसडी डॉ. राज नेहरू का विशेष योगदान रहा है। वहीं, मुख्यमंत्री के ओएसडी गजेंद्र फोगाट तथा कश्मीरी गायक ध्रुन टिक्कू ने गीत को अपनी आवाज दी है। मुख्यमंत्री ने इस अवसर विभिन्न मेधावी प्रतिभाओं को सम्मानित भी किया। मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने आयोजन स्थल पर मंदिर में अपना माथा टेकने तथा गौशाला में गौसेवा करने उपरांत अपने संबोधन में कहा कि माता लल्लेश्वरी जी की 705वीं जयंती एवं श्री राधाष्टमी के पावन अवसर पर प्रदेश के कश्मीरी समाज के लिए महत्वपूर्ण घोषणाएं करते हुए कहा कि माता लल्लेश्वरी जी की शिक्षाओं और कार्यों को भावी पीढ़ियों तक पहुंचाने के लिए उनकी स्मृति में भवन निर्माण हेतु संस्था द्वारा आवेदन किए जाने पर नियमानुसार भूमि आवंटित की जाएगी। मुख्यमंत्री ने यह भी घोषणा की कि ''बहादुरगढ़ के सेक्टर-2 में कश्मीरी पंडितों को आवंटित प्लॉटों पर ईडीसी और आईडीसी के ब्याज की राशि, कुल 5 करोड़ 15 लाख रूपए रिफंड की जाएगी। इसके साथ ही मुख्यमंत्री द्वारा गौशाला समिति की मांग पर ''गौशाला की अप्रोच रोड की री-कार्पेटिंग'' करवाने की घोषणा भी की गई। मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा सरकार प्रदेश में रहने वाले प्रत्येक नागरिक को सुरक्षित, सम्मानजनक और अपनी सांस्कृतिक पहचान के साथ आगे बढ़ने का अवसर देने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि कश्मीरी समाज हरियाणा का अभिन्न हिस्सा है और उसकी समृद्ध सांस्कृतिक, आध्यात्मिक एवं सामाजिक विरासत का संरक्षण सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल है।

महाराणा प्रताप हॉर्टिकल्चरल यूनिवर्सिटी करनाल में प्रथम उद्यान मेला एवं हॉटी एक्सपो: श्याम सिंह राणा ने किया शुभारंभ

कृषिमंत्री ने एमएचयू की मृदा परीक्षण प्रयोगशाला, शहद टैस्टिंग प्रयोगशाला का शुभारंभ किया

एजेंसी

करनाल। महाराणा प्रताप हॉर्टिकल्चरल यूनिवर्सिटी करनाल में प्रथम उद्यान मेला एवं हॉटी एक्सपो-2026 लगाया गया है, इस मेले से प्रदेशभर के किसान भाईयों को बहुत लाभ होगा। किसानों को एक ही जगह पर एमएचयू के साथ साथ दूसरे अनुसंधान केंद्रों, उद्यमियों द्वारा किए जा रहे नवाचारों को देखने का मौका मिलेगा। जिन्हें किसान अपनाकर खेती किसानी में बदलाव की ओर अग्रसर होगा। ये बाते कृषि एवं किसान कल्याण, पशुपालन एवं डेयरी विभाग, मत्यय पालन विभाग के मंत्री श्री श्याम सिंह राणा ने बतौर मुख्य अतिथि एमएचयू के दो दिवसीय प्रथम उद्यान मेला एवं हॉटी एक्सपो के शुभारंभ पर उपस्थित किसान भाईयों से कही। एमएचयू के कुलपति प्रो. सुरेश मल्होत्रा ने मुख्य अतिथि कृषिमंत्री श्री श्याम

सिंह राणा को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। कृषिमंत्री श्याम सिंह राणा ने किसानों को सम्बोधित करते हुए कहा कि पहले कृषि का मतलब एक ही होता था, लेकिन अब कृषि भी कई क्षेत्रों में विभाजित हो चुकी है, इनमें से बागवानी की खेती भी एक प्रकार है। एमएचयू बागवानी की खेती के विशेषज्ञ तैयार कर रही है। बागवानी की खेती करने वाले किसानों को ज्यादा से ज्यादा मुनाफा कैसे हो साथ ही प्रदेशवासियों को किस प्रकार से पौष्टिक रसायनमुक्त फल, फूल, सब्जियां, मसाले मिले। इसके लिए सरकार द्वारा एमएचयू की स्थापना की गई। जो धीरे धीरे सफलता की ओर बढ़ रही है। कुलपति प्रो सुरेश मल्होत्रा के नेतृत्व में यूनिवर्सिटी लगातार नए आयाम छू रही है, प्रथम उद्यान मेला भी बागवानी विश्वविद्यालय के उत्थान का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि विश्व में भारतवर्ष ऐसा देश है, जहां पर करीब 80 प्रतिशत भूमि कृषि योग्य भूमि है। लेकिन समय के साथ-साथ जनसंख्या बढ़ने से जमीने संकूचित होती जा रही है, किसान कम जमीन में बागवानी की खेती करके अधिक से अधिक मुनाफा कमा सकते है। उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार 24 फसलों पर एमएसपी दे रही है।

सेवा संकल्प अभियान के तहत आगामी 17 अक्टूबर तक जिला में होंगी अलग-अलग गतिविधियां

एजेंसी

गुरुग्राम। जिला में जारी सेवा संकल्प अभियान के 'नमो सेवा अनकही कहानियां' कार्यक्रम के तहत गुरुग्राम जिले में 30 सितंबर और 1 अक्टूबर को व्यापक स्तर पर नुक्कड़ नाटकों का मंचन किया जाएगा। जिले के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में स्थित 10 राजकीय विद्यालयों, 10 राजकीय महाविद्यालयों तथा 10 बड़े गांवों को कार्यक्रमों के लिए चिन्हित किया गया है। कला एवं सांस्कृतिक कार्य विभाग, हरियाणा के पांच सांस्कृतिक दल इन नाटकों का मंचन करेंगे। एडीसी सोनू भट्ट जोकि सेवा संकल्प अभियान के जिला में नोडल अधिकारी है, ने जानकारी देते हुए बताया कि कार्यक्रम की विशेषता यह है कि प्रत्येक टीम एक दिन में विद्यालय, महाविद्यालय और बड़े गांव में अलग-अलग स्थानों पर नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत करेगी। इससे विद्यार्थियों के साथ-साथ ग्रामीण एवं स्थानीय समुदाय की भी कार्यक्रम में भागीदारी सुनिश्चित होगी। जिला प्रशासन के समन्वय से नुक्कड़ नाटकों के मंचन के लिए शिक्षा विभाग, उच्चतर शिक्षा विभाग तथा विकास एवं पंचायत विभाग को आवश्यक दिशा निर्देश दिए जा चुके है। गांव में नाटकों के मंचन से एक दिन पहले स्थानीय पंचायत द्वारा मुनादी करवाई जाएगी। विद्यालयों में इन नाटकों का मंच प्रातः काल, महाविद्यालयों में दोपहर तथा ग्राम पंचायतों में सायं काल में इन नाटकों का मंचन किया जाएगा।

नांदल गांव निवासियों की सभी समस्याओं का यथासंभव शीघ्र होगा निपटारा :- उपायुक्त सतबीर सिंह

एजेंसी

रोहतकः उपायुक्त सतबीर सिंह ने कहा कि अधिकारी नागरिकों को प्राथमिकता के आधार पर शुद्ध एवं पर्याप्त पेयजल उपलब्ध करवाने के सभी प्रबंध सुनिश्चित करें। पानी के उचित उपचार के बाद ही नागरिकों को पेयजल आपूर्ति किया जाए। सतबीर सिंह हरियाणा उदय कार्यक्रम के तहत जिला के गांव नांदल स्थित शहीद पंकज नांदल राजकीय उच्च विद्यालय परिसर में जिला प्रशासन द्वारा आयोजित रात्रि ठहराव कार्यक्रम में बतौर मुख्यातिथि उपस्थितगण को संबोधित कर रहे थे। इससे पूर्व उन्होंने अतिरिक्त उपायुक्त नरेंद्र कुमार, सहायक आयुक्त प्रशिक्षु विशाल सिंह, उपमंडलाधीश आशीष कुमार, जिला विकास एवं पंचायत अधिकारी राजपाल चहल के साथ विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉल का अवलोकन किया। उपायुक्त सतबीर सिंह ने कृषि उप निदेशक डॉ. सुरेद्र मलिक को निर्देश दिए कि वे रासायनिक खाद के साथ बीज अथवा कीटनाशक दवाई लेने के लिए किसानों को मजबूर करने वाले खाद विक्रेताओं की जांच करें तथा नियमों का उल्लंघन मिलने पर संबंधित खाद विक्रेताओं के विरुद्ध नियमानुसार कार्यवाही करें। उपायुक्त सतबीर सिंह ने ग्रामीणों की समस्याएं सुनी तथा मौके पर उपस्थित

संबंधित अधिकारियों को इन समस्याओं के त्वरित समाधान के निर्देश दिए। सतबीर सिंह ने कहा कि गांव वासियों को शुद्ध पेयजल उपलब्ध करवाने के लिए जलघर के मौजूदा वाटर टैंक तथा निर्माणाधीन वाटर टैंक के बैड आरसीसी के बनाए जाएंगे।

सेवा संकल्प अभियान के तहत 21 सितंबर से पलवल जिला में लगेंगे विशेष सेवा सेतु शिविर : अतिरिक्त उपायुक्त उत्सव आनंद

सेवा सेतु शिविरों के माध्यम से जिला प्रशासन पहुंचेगा आपके द्वार

एजेंसी

पलवल। हरियाणा सरकार द्वारा आमजन को सरकारी सेवाओं का लाभ उनके घर-द्वार के नजदीक उपलब्ध करवाने तथा नागरिकों की समस्याओं एवं आवेदनों का मौके पर ही समाधान करने के उद्देश्य से 'सेवा संकल्प अभियान' के तहत जिला पलवल में विशेष सेवा सेतु शिविरों का आयोजन किया जाएगा। जिला प्रशासन द्वारा जारी कैंप कैलेंडर के अनुसार जिला के विभिन्न नगर निकायों, ब्लॉकों तथा महाग्रामों में निर्धारित तिथियों पर ये शिविर आयोजित किए जाएंगे। सेवा संकल्प अभियान के जिला ओवरऑल इंचार्ज एवं अतिरिक्त उपायुक्त उत्सव आनंद ने जानकारी देते हुए बताया कि 'सेवा संकल्प अभियान' के मॉडयूल सेवा सेतु के तहत जिला में विशेष सेवा शिविर आयोजित किए जाएंगे। इन सेवा शिविरों में केंद्र एवं राज्य सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं एवं सेवाओं का लाभ नागरिकों को एक ही स्थान पर उपलब्ध कराया जाएगा।अतिरिक्त उपायुक्त उत्सव आनंद ने बताया कि सेवा सेतु शिविरों के दौरान नागरिकों से प्राप्त आवेदनों का मौके पर ही यथासंभव निपटारा किया जाएगा। उन्होंने बताया कि अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा संचालित योजनाओं का लाभ लेने से कोई भी पात्र लाभार्थी वंचित न रहे। संबंधित विभाग यह सुनिश्चित करेंगे कि पात्र नागरिकों को सभी जनकल्याणकारी योजनाओं एवं सेवाओं का लाभ समयबद्ध तरीके से उपलब्ध कराया जाए। जिला प्रशासन की ओर से जारी कार्यक्रम के अनुसार 21 व 22 सितंबर 2026 को नगर परिषद पलवल में शिविर लगाए जाएंगे। इसके बाद 24 सितंबर को खंड पलवल, 25 सितंबर को धतीर तथा 28 सितंबर को अलीका में शिविर आयोजित किए जाएंगे।

पात्र परिवारों का सही डाटा वेरिफाई करने के उद्देश्य से आयोजित की जा रही विशेष ग्राम सभाएं : एडीसी

एडीसी राहुल मोदी ने गांव रूध, हरचंदपुर और लोधाना में विशेष ग्राम सभाओं का लिया जायजा

एजेंसी

रेवाड़ी। एडीसी राहुल मोदी ने बताया कि पात्र परिवारों का सही डाटा वेरिफाई करने तथा कोई भी पात्र व्यक्ति सरकारी योजनाओं के लाभ से वंचित न रहे, इस उद्देश्य से जिला की सभी ग्राम पंचायतों में विशेष ग्राम सभाओं का आयोजन किया जा रहा है। इन ग्राम सभाओं के माध्यम से परिवार पहचान पत्र से संबंधित विभिन्न प्रकार की वेरिफिकेशन का कार्य पंचायत स्तर पर किया जा रहा है।

एडीसी राहुल मोदी ने बावल खंड के गांव रूध, हरचंदपुर और धारूहेड़ा खंड के गांव लोधाना में आयोजित विशेष ग्राम सभाओं का जायजा लिया। इस अवसर पर उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि परिवार पहचान पत्र से संबंधित वेरिफिकेशन का यह कार्य अत्यंत महत्वपूर्ण है। इसलिए सभी अधिकारी एवं

कर्मचारी पूरी गंभीरता के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करते हुए वेरिफिकेशन कार्य को निर्धारित समय में पूरा करना सुनिश्चित करें। उन्होंने बताया कि ग्राम सभाओं में फैमिली आईडी वेरिफिकेशन के तहत एएवाई (अंत्योदय अन्न योजना) परिवारों की वेरिफिकेशन, 1 लाख 80 हजार रुपये से कम वार्षिक आय वाले परिवारों की आय वेरिफिकेशन, कच्ची छत की फिजिकल वेरिफिकेशन तथा परिवार पहचान पत्र में परिवार के सदस्यों के व्यवसाय की वेरिफिकेशन अलग-अलग रूप से की जा रही है।

एडीसी ने बताया कि जिला की सभी ग्राम पंचायतों में निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार विशेष ग्राम सभाओं का आयोजन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि इस कार्य के लिए जिन अधिकारियों एवं कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई है, वे परिवार पहचान पत्र से जुड़े सभी आवश्यक वेरिफिकेशन कार्य समयबद्ध तरीके से पूरा करें, ताकि पात्र परिवारों का सही डाटा वेरिफाई हो सके और उन्हें सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्राप्त करने में किसी प्रकार की परेशानी न हो। इस अवसर पर बीडीपीओ सहित संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

सेवा संकल्प अभियान के तहत स्वच्छता को जन-आंदोलन बनाएं : मंत्री कृष्ण कुमार बेदी

एजेंसी

रोहतक। प्रदेश के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री कृष्ण कुमार बेदी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस के अवसर पर 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक सेवा संकल्प अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के माध्यम से विभिन्न सेवा गतिविधियों के जरिए समाज व आमजन के बीच पहुंचकर सेवा कार्य किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दीर्घायु एवं उत्तम स्वास्थ्य की कामना के साथ सभी नागरिकों को सेवा कार्यों में बढ़-चढ़कर भाग लेना चाहिए। मंत्री कृष्ण कुमार बेदी का आज स्थानीय सिंचाई विश्राम गृह में सफाई कर्मचारियों व युवा वर्ग ने फूल मालाओं के साथ स्वागत किया। इस अवसर पर उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए उन्होंने नगर निगम, नगर परिषद एवं नगर पालिका के कर्मचारियों का मनोबल बढ़ाते हुए आह्वान किया कि वे सेवा संकल्प अभियान के तहत पूरे मनोयोग से

स्वच्छता अभियान को सफल बनाएं। उन्होंने कहा कि स्वच्छता केवल सरकारी विभागों की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि प्रत्येक नागरिक की सामूहिक जिम्मेदारी है। कृष्ण कुमार बेदी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्वच्छता को जन-अभियान बनाने का संकल्प लिया है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की सोच भी स्वच्छ एवं स्वस्थ हरियाणा बनाने की है। ऐसे में रोहतक जिले के प्रत्येक नागरिक से अपील है कि वह सेवा पखवाड़े के दौरान स्वच्छता अभियान, एक पेड़ मां के नाम, रक्तदान शिविर सहित विभिन्न सेवा गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी करें। मंत्री ने सभी कार्यकर्ताओं एवं नागरिकों से सेवा संकल्प अभियान को जनभागीदारी का अभियान बनाने तथा स्वच्छता एवं अन्य सेवा कार्यों में सक्रिय योगदान देने का आह्वान किया। नशे के खिलाफ सरकार की कार्रवाई पर मंत्री कृष्ण कुमार बेदी ने कहा कि हरियाणा सरकार नशे के खिलाफ प्रभावी अभियान चला रही है। उन्होंने बताया कि नशा तस्करी पर प्रभावी नियंत्रण के लिए विशेष टास्क फोर्स का गठन किया गया है और संबंधित विभागों को आवश्यक अधिकार एवं जिम्मेदारियां दी गई हैं। उन्होंने कहा कि हरियाणा के साथ-साथ पड़ोसी राज्यों की एजेंसियों के समन्वय से भी नशे के खिलाफ अभियान चलाया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, दिल्ली, हरियाणा, राजस्थान और पंजाब की संबंधित एजेंसियों के बीच समन्वय के प्रयास किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में नशे के विरुद्ध जन-जागरूकता एवं प्रशासनिक कार्रवाई दोनों स्तरों पर काम किया जा रहा है। सरकार का लक्ष्य नशे के तस्करों के नेटवर्क को प्रभावी रूप से रोकना और युवाओं को नशे से दूर रखना है।

बाबा श्रीचंद जी महाराज के जन्म दिवस के उपलक्ष्य में निशुल्क मेडिकल जांच शिविर हुआ आयोजित

एजेंसी

अम्बाला। श्री गुरु नानक देव जी के बड़े साहिबजादे बाबा श्रीचंद जी महाराज के 532वें जन्म दिवस के उपलक्ष्य में दुखभंजनी चैरिटेबल पोलीक्लीनिक एवं बाबा श्रीचंद जी महाराज वेलफेयर सोसाइटी की ओर से स्वास्थ्य विभाग अम्बाला के सहयोग से आज दुखभंजनी चैरिटेबल पोलीक्लीनिक, नाहन हाऊस, अम्बाला शहर में निशुल्क मेडिकल जाँच शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में लगभग 300 मरीजों ने अपनी जांच करवायी। इस शिविर का उदघाटन अम्बाला के एसडीएम दर्शन कुमार ने किया।
उन्होंने दुखभंजनी चैरिटेबल पोलीक्लीनिक जोकि श्री गुरु हरगोबिंद साहिब सेवा सोसायटी का यूनिट है की सराहना करते हुए कहा कि सोसायटी की ओर से समाजसेवा के बहुत ही बेहतरीन कार्य किए जा रहे हैं। एसडीएम दर्शन कुमार ने बाबा श्रीचंद जी महाराज के जन्म दिवस की भी सभी को शुभकामनाएं एवं बधाई दी।
इससे पूर्व शिविर के उदघाटन के लिए दुखभंजनी चैरिटेबल पोलीक्लीनिक पंहुचने पर श्री गुरु हरगोबिंद साहिब सेवा सोसायटी के अध्यक्ष टी पी सिंह व बाबा श्रीचंद जी महाराज वेल्फेयर सोसायटी की ओर से संयोजक जसदीप बेदी ने बुके देकर मुख्य अतिथि एसडीएम अम्बाला दर्शन कुमार का स्वागत किया व स्मृति चिन्ह भेंट कर उन्हें सम्मानित भी किया गया।शिविर में विशेषज्ञ डाक्टरों की टीम ने मरीजों की जांच की व ना केवल उनके टैस्ट व एक्स रे निशुल्क किए बल्कि उन्हें दवाइयां भी निशुल्क दी गई। शिविर में सिविल अस्पताल अम्बाला शहर, हीलिंग टच अस्पताल, ओंकार अस्पताल व दुखभंजनी चैरिटेबल पोलीक्लीनिक के डाक्टरों ने अपनी सेवाएं दी।

शेयर बाजार में जोखिम कम कर कमाई का नया रास्ता- एग्रेसिव हाइब्रिड फंड

- इक्विटी में ग्रोथ और डेट में स्थिरता चाहने वालों के लिए खास रणनीति

नई दिल्ली ।

शेयर बाजार में सीधे निवेश जहां उच्च रिटर्न की संभावना देता है, वहीं बाजार गिरने पर बड़े नुकसान का जोखिम भी रहता है। ऐसे में जो निवेशक इक्विटी की ग्रोथ का मौका चाहते हैं, लेकिन पूरी तरह से जोखिम लेने से बचना चाहते हैं, उनके लिए एग्रेसिव हाइब्रिड फंड एक आकर्षक विकल्प बनकर उभरे हैं। ये फंड इक्विटी और डेट निवेश का संतुलित मिश्रण पेश करते हैं, जिससे निवेशकों को बाजार की तेजी का लाभ उठाने के साथ-साथ कुछ हद तक स्थिरता भी मिलती है। जानकार बताते हैं कि सेबी के नियमों के अनुसार इन फंडों को अपनी कुल संपत्ति का 65 से 80 फीसदी हिस्सा इक्विटी और संबंधित निवेशों में लगाना अनिवार्य है। शेष 20 से 35 फीसदी राशि डेट और मनी मार्केट इंस्ट्रूमेंट्स में निवेश की जाती है। इक्विटी का बड़ा हिस्सा बाजार की तेजी में बेहतर रिटर्न दिला सकता है, जबकि डेट घटक गिरावट के असर को कुछ हद तक कम करने में मदद करता है। हालांकि, इक्विटी के अधिक अनुपात के कारण इसे पूरी तरह से सुरक्षित निवेश नहीं माना जा सकता। उनके अनुसार एग्रेसिव हाइब्रिड फंड उन निवेशकों के लिए उपयुक्त हैं जो इक्विटी में पैसा लगाकर विकास चाहते हैं, लेकिन अपनी पूरी पूंजी शेयरों में लगाने का जोखिम नहीं उठाना चाहते। यह लंबी अवधि के निवेशकों और नए निवेशकों के लिए भी एक अच्छा विकल्प हो सकता है, जो खुद स्टॉक चुनने के बजाय पेशेवर फंड मैनेजर के माध्यम से निवेश करना चाहते हैं। मध्यम से अधिक जोखिम लेने की क्षमता वाले निवेशक इस श्रेणी पर विचार कर सकते हैं। हालांकि, निवेशकों को यह समझना जरूरी है कि एग्रेसिव हाइब्रिड फंड कम जोखिम वाले या पूंजी-सुरक्षित निवेश नहीं हैं। इक्विटी का बड़ा हिस्सा होने के कारण बाजार में तेज गिरावट आने पर इनके रिटर्न पर भी असर पड़ सकता है। निवेश से पहले फंड के इक्विटी और डेट पोर्टफोलियो की गुणवत्ता, फंड मैनेजर का अनुभव और खर्च अनुपात का सावधानीपूर्वक मूल्यांकन करना चाहिए। केवल पिछले प्रदर्शन को देखकर निर्णय लेने से बचना चाहिए और हमेशा अपने निवेश लक्ष्यों तथा जोखिम उठाने की क्षमता को प्राथमिकता देनी चाहिए।

ताज होटल दुनिया के 30वें सर्वश्रेष्ठ होटल में शुमार

- 123 साल पुरानी विरासत और अनूठी वास्तुकला के साथ हासिल किया गौरव

नई दिल्ली ।

सपनों की नगरी मुंबई का प्रतिष्ठित ताज होटल एक बार फिर वैश्विक पटल पर सुर्खियों में है। दुनिया के सर्वश्रेष्ठ 50 होटलों की 2026 की सूची में इसे 30वां स्थान मिला है, जो पिछले साल के 38वें स्थान से एक महत्वपूर्ण सुधार है। यह उपलब्धि मुंबई की पहचान बन चुके इस 123 साल पुराने ऐतिहासिक होटल के लगातार बढ़ते वैश्विक आकर्षण को दर्शाती है, जिसे आगरा के ताजमहल की तरह ही दुनिया भर में पहचान मिली है। यह सिर्फ एक होटल नहीं, बल्कि एक विरासत है जिसकी वास्तुकला और इतिहास इसे बेहद खास बनाते हैं। अपनी बेजोड़ वास्तुकला के लिए मशहूर इस होटल के डिजाइन में राजपूत, मोरिश और ओरिएंटल शैलियों का अद्भुत मिश्रण दिखता है। इसके गुंबद में एफिल टावर में प्रयुक्त होने वाले स्टील जैसा ही मजबूत स्टील लगा है। 123 साल पुराना होने के बावजूद इसकी भव्यता और चमक आज भी बरकरार है। यह मुंबई की पहली ऐसी इमारत थी, जिसमें बिजली, लिफ्ट, तुर्की बाथ और अमेरिकन पंखों जैसी आधुनिक सुविधाएँ उपलब्ध थीं। यही वजह है कि मुंबई आने वाला हर शख्स इस ऐतिहासिक स्थल को देखे और इसके सामने तस्वीर खिंचवाए बिना नहीं रह पाता, जो इसके निरंतर बढ़ते प्रदर्शन और वैश्विक लोकप्रियता का प्रमाण है।

घरेलू एलपीजी सिलेंडर के दाम स्थिर, वाणिज्यिक गैस महंगा

नई दिल्ली ।

सरकारी तेल मार्केटिंग कंपनियों ने रविवार, 20 सितंबर को 14.2 किलोग्राम वाले घरेलू एलपीजी रसोई गैस सिलेंडरों की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया है, जिससे दाम पूरी तरह स्थिर बने हुए हैं। हालांकि, इस महीने की शुरुआत (1 सितंबर) में 19 किलोग्राम वाले कमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमत में 9.50 रुपये प्रति सिलेंडर की मामूली बढ़ोतरी की गई थी। घरेलू सिलेंडर के दाम लंबे समय से स्थिर हैं; पिछली बार इनमें जून में बढ़ोतरी की गई थी। साल के शुरुआती महीनों में अंतर्राष्ट्रीय भू-राजनीतिक तनाव और कच्चे तेल व एलएनजी की आपूर्ति में दिक्कतों के कारण कीमतों में दो बार बड़ी वृद्धि देखी गई थी। इस बीच, मिडिल ईस्ट में अमेरिका और ईरान के बीच चल रहे संकट के कारण कच्चे तेल में उतार-चढ़ाव बना हुआ है। हाल ही में, दक्षिण कोरिया ने अमेरिका को होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाले जहाजों के लिए सुरक्षित मार्ग बहाल करने और समुद्री सुरक्षा बढ़ाने में सक्रिय योगदान का आश्वासन दिया है। यह कदम भारत के लिए महत्वपूर्ण है क्योंकि भारत अपनी 85 फीसदी से अधिक कच्चे तेल की जरूरत इसी मार्ग से आयात करता है।

भारतीय शेयर बाजार से एफपीआई ने सितंबर में 20,974 करोड़ निकाले

जुलाई-अगस्त की खरीदारी के बाद सितंबर में पलटा रुख

नई दिल्ली ।

वैश्विक स्तर पर बढ़ती अनिश्चितता और अमेरिका में ऊंची ब्याज दरों के चलते विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने एक बार फिर भारतीय शेयर बाजार से दूरी बना ली है। सितंबर महीने में अब तक एफपीआई ने भारतीय शेयरों से रिकॉर्ड 20,974 करोड़ रुपये की बड़ी निकासी की है। यह जुलाई और अगस्त में हुई मजबूत खरीदारी के बाद बाजार में आए उलटफेर को दर्शाता है, जिसके पीछे महंगे कच्चे तेल और कमजोर रुपये जैसे कारक भी अहम हैं।

सेंट्रल डिपॉजिटरी सर्विसेज लिमिटेड (सीडीएसएल) के आंकड़ों के अनुसार विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने सितंबर 2023 में भारतीय शेयर बाजार से 20,974 करोड़ रुपये की सबस्टेंशियल निकासी की है। यह जुलाई (20,200 करोड़ रुपये) और अगस्त (29,630 करोड़ रुपये) में हुई भारी निवेश के ठीक उलट है, जो भारतीय बाजारों के लिए एक चिंताजनक संकेत है। इस बिकवाली के साथ, साल 2023 में अब तक एफपीआई भारतीय शेयर बाजार से कुल 2.45 लाख करोड़ रुपये निकाल चुके हैं। यह आंकड़ा 2022 में पूरे साल के दौरान हुई 1.66 लाख करोड़ रुपये की निकासी से भी अधिक है, जो विदेशी निवेशकों के बदलते रुझान को दर्शाता है। हालांकि, प्राथमिक या आईपीओ बाजार में एफपीआई का निवेश जारी रहा, लेकिन उन्होंने भारतीय ऋण या बॉन्ड बाजार से भी धन निकाला है। उन्होंने पूर्ण पहुंच मार्ग से 10,296 करोड़ रुपये, स्वैच्छिक प्रतिधारण मार्ग से 1,817 करोड़ रुपये और सामान्य मार्ग से 1,068 करोड़ रुपये की निकासी की है। एक मुख्य निवेश रणनीति अधिकारी के मुताबिक एफपीआई की इस बिकवाली के पीछे तीन प्रमुख कारण हैं। पहला, अमेरिका में ऊंची ब्याज दरें और बढ़ता बॉण्ड प्रतिफल। इससे भारत और अमेरिका के बीच ब्याज दरों का अंतर कम हो गया है, जिससे भारतीय परिसंपत्तियों का आकर्षण घटा है। दूसरा, भू-राजनीतिक तनाव के बीच कच्चे तेल की ऊंची कीमतें। ब्रेंट कच्चा तेल 100 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर बना हुआ है, जिससे भारत के आयात बिल और महंगाई पर दबाव बढ़ने की आशंका है।

भारत व्यापार सुगमता और एफटीए अवसरों पर कार्यशाला 22 को

वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल की अध्यक्षता में डीपीआईआईटी हितधारकों से लेगा सुझाव

नई दिल्ली (ईएमएस)। उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) 22 सितंबर मंगलवार को हितधारकों के साथ एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन कर रहा है। इसका मुख्य उद्देश्य कारोबार सुगमता, मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) से जुड़े अवसरों और व्यापार प्रक्रियाओं को सरल व सुगम बनाने पर गहन चर्चा करना है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल इस महत्वपूर्ण कार्यशाला की अध्यक्षता करेंगे। कार्यशाला में एफटीए, कारोबार सुगमता और नियामकीय अनुपालन से जुड़ी विभिन्न पहलों की विस्तृत जानकारी दी जाएगी। इस दौरान उद्योग संगठनों और निर्यात संवर्धन परिषदों से जमीनी स्तर पर सामने आ रही समस्याओं तथा प्रक्रियागत अड़चनों के बारे में सुझाव भी लिए जाएंगे, ताकि व्यापारिक प्रक्रियाओं को और अधिक प्रभावी बनाया जा सके। वाणिज्य विभाग एफटीए के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए पहले भी ऐसी कार्यशालाएं आयोजित कर चुका है। भारत ने ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) जैसे कई देशों और व्यापारिक समूहों के साथ मुक्त व्यापार समझौते लागू किए हैं। भविष्य की योजनाओं के तहत, भारत और न्यूजीलैंड के बीच व्यापार समझौता अगले महीने से प्रभावी होने की उम्मीद है, जबकि भारत-यूरोपीय संघ (ईयू) व्यापार समझौते पर दिसंबर तक हस्ताक्षर होने की संभावना है, जिससे वैश्विक व्यापार में भारत की स्थिति और मजबूत होगी।

नियु क्ति के एक महीने बाद अलका मूंदड़ा का आईओसी के स्वतंत्र निदेशक पद से इस्तीफा

नई दिल्ली ।

सार्वजनिक क्षेत्र की प्रमुख पेट्रोलियम कंपनी इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन (आईओसी) में अपनी नियुक्ति के महज एक महीने बाद ही अलका मूंदड़ा ने स्वतंत्र निदेशक के पद से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने अपने बेटे की पेट्रोल पंप डीलरशिप को शेयर बाजार के सूचीबद्धता नियमों (सेबी के एलओडीआर विनियमों) के तहत स्वतंत्रता मानदंडों का उल्लंघन बताया है। आईओसी को दी गई जानकारी के अनुसार, मूंदड़ा के बेटे माधव मूंदड़ा 2020 से राजस्थान के उदयपुर में एक आईओसी खुदरा बिक्री केंद्र स्वर्ण गंगा केएसके संचालित कर रहे हैं। मूंदड़ा ने पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय को लिखे पत्र में कहा कि यह व्यवस्था वित्तीय संबंधों से जुड़े स्वतंत्रता मानदंडों के विपरीत है। हालांकि, उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि उनका बेटा 'मेरी ओर से किसी भी भागीदारी या हस्तक्षेप के बिना स्वतंत्र रूप से अपना व्यवसाय संचालित करता है' और उन्हें विश्वास था कि उनकी निष्पक्षता अप्रभावित रहेगी। फिर भी, कॉरपोरेट प्रशासन के उच्चतम मानकों को बनाए रखने के लिए उन्होंने पद पर बने रहना अनुचित समझा। मूंदड़ा ने 15 अगस्त को स्वतंत्र निदेशक का पद संभाला था और उनका इस्तीफा 18 सितंबर से प्रभावी हो गया है। उन्होंने इस फैसले को पूरी तरह स्वैच्छिक और औचित्य तथा पारदर्शिता के सिद्धांतों से प्रेरित बताया है।

कच्चे तेल, पश्चिम एशिया के घटनाक्रम तय करेंगे शेयर बाजार की दिशा

रूस तथा ईरान पर लगाए गए नए प्रतिबंध निवेशकों की धारणा को प्रमुखता से प्रभावित करेंगे

मुंबई ।

भारतीय शेयर बाजार के लिए यह सप्ताह चुनौतियों से भरा रहने वाला है। कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें, पश्चिम एशिया में तनाव और अमेरिका द्वारा रूस तथा ईरान पर लगाए गए नए प्रतिबंध निवेशकों की धारणा को प्रमुखता से प्रभावित करेंगे। विश्लेषकों का मानना है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा लिंडसे ओ. ग्राहम सैंक्शनिंग रूस एंड ईरान एक्ट ऑफ 2026 पर हस्ताक्षर किए जाने के बाद व्यापार मोर्चे पर एक नई अनिश्चितता पैदा हो गई है, जिसका असर भारत पर भी पड़ सकता है। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीओ) ऱ्की लगातार निकासी भी बाजार के लिए चिंता का विषय बनी हुई है। बाजार विशेषज्ञों के अनुसार अमेरिका के इस नए कानून के तहत रूस से कच्चा तेल और गैस खरीदने वाले कुछ देशों पर 100 प्रतिशत तक शुल्क लगाने का अधिकार अमेरिकी राष्ट्रपति को मिल गया है। चूंकि भारत रूस से महत्वपूर्ण मात्रा में कच्चे तेल की खरीद करता है, ऐसे में इस नीति का संभावित प्रभाव भारतीय बाजार पर देखा जा सकता है। हालांकि, शुल्क की दर और किन देशों पर यह लागू होगा, इस बारे में अमेरिकी प्रशासन के पास व्यापक अधिकार हैं, जिससे फिलहाल अनिश्चितता बनी हुई है। बाजार के जानकारों के मुतो बिक कच्चे तेल के दाम, बॉण्ड प्रतिफल और भू-राजनीतिक घटनाक्रम इस सप्ताह बाजार की दिशा तय करने वाले प्रमुख कारक रहेंगे।

अमेरिका-ईरान तनाव और अमेरिकी बॉन्ड प्रतिफल को भी वैश्विक स्तर पर महत्वपूर्ण बताया। इस बीच, विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने सितंबर में अब तक भारतीय शेयरों से करीब 20,974 करोड़ रुपये की बड़ी निकासी की है। ऊंची कच्चे तेल की कीमतें, अमेरिका में ब्याज दरों में वृद्धि और वैश्विक अनिश्चितताएं इस बिकवाली के मुख्य कारण हैं। आने वाले दिनों में भारत, अमेरिका और यूरो क्षेत्र के पीएमआई आंकड़ों के साथ-साथ अमेरिका के आगामी श्रम बाजार आंकड़ों पर भी निवेशकों की नजर रहेगी। घरेलू मोर्चे पर, 24 सितंबर को नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) की सूचीबद्धता भी एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम होगी, जिसके 22,569 करोड़ रुपये के आईपीओ को दूसरे दिन ही पूर्ण अभिदान मिल गया था।

लागत से कम दाम पर बिकवाली से मंदी की चपेट में तेल-तिलहन बाजार

- पैसे की तंगी से आयातकों को घाटा, लागत से कम दाम पर बिके सोयाबीन-पाम तेल

नई दिल्ली ।

बीते सप्ताह कांडला बंदरगाह पर आयातकों द्वारा पैसे की तंगी और कमजोर मांग के चलते लागत से नीचे दाम पर की गई बिकवाली से लगभग सभी तेल-तिलहन कीमतों में भारी गिरावट दर्ज की गई। मूंगफली तेल की निरंतर मांग के बीच उसके दाम स्थिर रहे। कांडला बंदरगाह पर आयातकों को पैसे की तंगी के चलते लागत से नीचे दाम पर तेल बेचने को मजबूर होना पड़ा, जिससे बीते सप्ताह लगभग सभी तेल-तिलहन की कीमतों में भारी गिरावट आई। सूत्रों के अनुसार, आयातित सोयाबीन तेल अपनी वास्तविक लागत (127 रुपये) से लगभग 10-11 रुपये प्रति किलो नीचे (116.50 रुपये) बिक रहा है, यहां तक कि ब्राजील और अर्जेंटीना जैसे प्रमुख उत्पादक देशों से भी सस्ता मिल रहा है। इसी तरह, कच्चे पाम तेल को रिफाइंड कर पामोलीन बनाने की लागत (150 रुपये) भी बिक्री मूल्य (145 रुपये) से अधिक बैठ रही है, जिससे पाम तेल में भी गिरावट देखी गई। ऊंचे दाम के कारण सरसों खप नहीं पा रहा और मंडियों में बिनौला की नई फसल की आवक ने भी सरसों और बिनौला तेल कीमतों में गिरावट दर्ज कराई।

हालांकि, बाजार में निरंतर मांग के चलते मूंगफली तेल-तिलहन के दाम इस गिरावट से अछूते रहे और स्थिर बने हुए हैं। बीते सप्ताह सरसों दाना 150 रुपये की गिरावट के साथ 8,150-8,200 रुपये प्रति क्विंटल, सरसों तेल दादरी 350 रुपये की गिरावट के साथ 16,450 रुपये प्रति क्विंटल तथा सरसों पक्की एवं कच्ची घानी तेल क्रमशः 50-50 रुपये की गिरावट के साथ क्रमशः 2,685-2,785 रुपये और 2,685-2,835 रुपये टिन (15 किलो) पर बंद हुआ। सोयाबीन दाना और सोयाबीन लूज का थोक भाव क्रमशः 250-250 रुपये की गिरावट के साथ क्रमशः 6,050-6,100 रुपये और 5,900-6,000 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

इसी प्रकार आयातकों की लागत से नीचे दाम पर बिकवाली की वजह से दिल्ली में सोयाबीन तेल 200 रुपये की गिरावट के साथ 15,300 रुपये प्रति क्विंटल, सोयाबीन इंदौर तेल 200 रुपये की गिरावट के साथ 15,100 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। दूसरी ओर, सोयाबीन डीगम तेल 300 रुपये गिरावट के साथ 11,650 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। विदेशों में आई गिरावट के बावजूद निरंतर मांग के कारण बीते सप्ताह मूंगफली तिलहन का दाम 7,600-8,175 रुपये क्विंटल, मूंगफली तेल गुजरात 17,500 रुपये क्विंटल और मूंगफली साल्वेंट रिफाइंड तेल 2,755-3,055 रुपये प्रति टिन पर स्थिर रुख के साथ बंद हुए। सीपीओ तेल का दाम 150 रुपये की गिरावट के साथ 13,975 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। पामोलीन दिल्ली 325 रुपये की गिरावट के साथ 15,700 रुपये प्रति क्विंटल तथा पामोलीन एक्स कांडला तेल 225 रुपये की गिरावट के साथ 14,500 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

त्योहारी मौसम में एफएमसीजी उत्पादों की कीमतों में बढ़ोतरी टली

लागत बढ़ने के बावजूद दिवाली तक उपभोक्ता उत्पादों के दाम स्थिर रखने की रणनीति

नई दिल्ली।

देश की प्रमुख एफएमसीजी (रोजमर्रा के उपभोग का सामान बनाने वाली) कंपनियां त्योहारी सीजन में उत्पादों की कीमतों में बड़ी बढ़ोतरी से बचेंगी। लागत पर बढ़ते दबाव के बावजूद उनका मुख्य ध्यान फिलहाल उपभोक्ता मांग और बिक्री बनाए रखने पर है। उद्योग से जुड़े वरिष्ठ अधिकारियों के अनुसार कंपनियों ने जून तिमाही में ही कच्चे माल की बढ़ी कीमतों के प्रभाव को कम करने के लिए चुनिंदा उत्पादों के दाम में करीब दो से पांच प्रतिशत तक की बढ़ोतरी कर दी थी। चीनी, खाद्य तेल, कॉफी और पैकेजिंग सामग्री सहित विभिन्न कच्चे मालों की लागत में वृद्धि, वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान और भू-राजनीतिक तनाव ने कंपनियों पर दबाव बढ़ा रखा है। हालांकि, कंपनियां परिचालन दक्षता और लागत नियंत्रण जैसे उपायों से इस अतिरिक्त बोझ का बड़ा हिस्सा खुद वहन कर रही हैं, जिससे उनके मुनाफे पर दबाव बना है।

आईटीसी व डाबर जैसी कंपनियों ने लागत प्रबंधन और पोर्टफोलियो समायोजन से कीमतों को स्थिर रखने का प्रयास करने की बात कही। पारले के अनुसार, शहरी व ग्रामीण दोनों बाजारों में मांग उत्साहजनक है, जिसे कंपनियां त्योहारी मौसम में बनाए रखना चाहती हैं। दिवाली तक बड़ी बढ़ोतरी की संभावना कम है। यदि लागत दबाव बना रहा, तो वित्त वर्ष की दूसरी छमाही में कीमतों में संशोधन संभव है।

सुपरटेक परियोजनाएं- एनवसीएलएटी ने एनबीसीसी की देरी और आईआरपी नियुक्ति पर जताई चिंता

न्यायाधिकरण ने अधिकारियों को लगाई फटकार, एक सप्ताह में आईआरपी नियुक्ति का दिया निर्देश

नई दिल्ली ।

राष्ट्रीय कंपनी विधि अपीलीय न्यायाधिकरण (एनसीएलएटी) ने सुपरटेक लिमिटेड की अटकी आवासीय परियोजनाओं को पूरा करने में सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी एनबीसीसी द्वारा हो रही देरी पर गंभीर चिंता व्यक्त की है। न्यायाधिकरण ने रियल एस्टेट कंपनी के लिए अंतरिम समाधान पेशेवर (आईआरपी) की नियुक्ति में हो रही देरी पर भी संबंधित अधिकारियों को फटकार लगाई है। एनसीएलएटी की तीन सदस्यीय पीठ ने राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) और भारतीय दिवाला एवं ऋणशोधन अक्षमता बोर्ड (आईबीबीआई) को आईआरपी की नियुक्ति के लिए नाम सुझाने की प्रक्रिया एक सप्ताह के भीतर पूरी करने का निर्देश दिया है। नियुक्त होने वाला समाधान पेशेवर उच्चतम न्यायालय की समिति का प्रमुख होगा, जो इन परियोजनाओं की निगरानी कर रही है। न्यायाधिकरण ने एनबीसीसी द्वारा पूर्व में निर्धारित समयसीमा का पालन न करने का भी संज्ञान लिया। एनसीएलएटी ने अपने 6 मई, 2026 के आदेश में एनबीसीसी को 31 जुलाई, 2026 तक आवश्यक मंजूरियां प्राप्त करने और 1 अक्टूबर, 2026 से निर्माण कार्य शुरू करने का निर्देश दिया था। हालांकि, उच्चतम न्यायालय की समिति की रिपोर्ट में एनबीसीसी को इन शर्तों को पूरा करने में कठिनाइयों का उल्लेख किया गया। 20 सितंबर को प्रस्तावित बैठक में नई समयसीमा तय होने की उम्मीद है। एनसीएलएटी ने सुपरटेक के निलंबित पूर्व प्रबंधन से एनबीसीसी द्वारा मांगे गए दस्तावेजों की अनुपलब्धता पर भी चिंता जताई। मामले की अगली सुनवाई 25 सितंबर को होगी। गौरतलब है कि सुपरटेक मार्च 2021 से कॉरपोरेट दिवाला समाधान प्रक्रिया (सीआईआरपी) में है, और एनसीएलएटी ने दिसंबर 2024 में एनबीसीसी को 16 परियोजनाओं को अपने हाथ में लेकर पूरा करने का निर्देश दिया था।

ईंधन की कीमतों में स्थिरता बरकरार

पेट्रोल-डीजल के दाम में नहीं हुआ बदलाव

नई दिल्ली।

रविवार 20 सितंबर को देश भर में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में स्थिरता बनी हुई है, जिससे उपभोक्ताओं को थोड़ी राहत मिली है। ज्यादातर बड़े शहरों में ईंधन के दाम अपरिवर्तित रहे। इस वक्त देश में पेट्रोल की औसत कीमत 111.21 रुपये प्रति लीटर है, जबकि डीजल 97.83 रुपये प्रति लीटर पर बिक रहा है। राजधानी दिल्ली में जहां कीमतें अपेक्षाकृत कम हैं, वहीं हैदराबाद जैसे शहरों में ये सर्वाधिक दर्ज की गई हैं। प्रमुख शहरों में मुंबई में पेट्रोल 111.31 रुपये और डीजल 97.97 रुपये प्रति लीटर पर स्थिर है। दिल्ली में पेट्रोल 102.12 रुपये प्रति लीटर और डीजल 95.20 रुपये प्रति लीटर पर उपलब्ध है, जो अन्य बड़े शहरों के मुकाबले कम है। वहीं, हैदराबाद में पेट्रोल 115.71 रुपये और डीजल 103.84 रुपये प्रति लीटर के साथ कीमतें सर्वाधिक दर्ज की गई हैं। बेंगलुरु में भी पेट्रोल 110.82 रुपये और डीजल 98.77 रुपये प्रति लीटर पर बना हुआ है। कीमतों में यह स्थिरता रविवार को कमोडिटी बाजारों के बंद रहने के कारण है, जिससे दाम शुक्रवार, 18 सितंबर के स्तर पर बरकरार हैं। शुक्रवार को कच्चे तेल की कीमतों में लगभग 1 फीसदी की गिरावट आई थी, जिसमें ब्रेंट क्रूड 0.91 फीसदी गिरकर 103.87 डॉलर प्रति बैरल पर बंद हुआ।

1 अक्टूबर से एलपीजी सब्सिडी के लिए बायोमेट्रिक आधार ऑथेंटिकेशन अनिवार्य

फर्जी कनेक्शनों पर लगेगी लगाम; बिना प्रमाणीकरण बाजार भाव पर मिलेगा सिलेंडर

नई दिल्ली ।

घरेलू रसोई गैस उपभोक्ताओं के लिए एक अहम खबर है। केंद्र सरकार ने 1 अक्टूबर से सब्सिडी वाले एलपीजी सिलेंडर बुक करने के लिए बायोमेट्रिक आधार ऑथेंटिकेशन को अनिवार्य कर दिया है। इ इस फैसले का मकसद सब्सिडी का लाभ केवल पात्र परिवारों तक पहुंचाना और फर्जी कनेक्शनों पर लगाम लगाना है। जिन ग्राहकों ने पहले ही यह प्रक्रिया पूरी कर ली है, उन्हें कुछ भी करने की जरूरत नहीं होगी। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के अनुसार, 19 सितंबर तक लगभग 90 फीसदी (27.43 करोड़) घरेलू एलपीजी ग्राहकों ने अपना बायोमेट्रिक आधार प्रमाणीकरण पूरा कर लिया है। जिन ग्राहकों ने अभी तक यह प्रक्रिया पूरी नहीं की है, उन्हें 1 अक्टूबर के बाद सब्सिडी वाले दाम पर सिलेंडर लेने में परेशानी हो सकती है और उन्हें बाजार भाव पर सिलेंडर खरीदना पड़ सकता है। सरकार का यह कदम सब्सिडी के भारी वित्तीय बोझ को सही दिशा में ले जाने और धोखाधड़ी रोकने के लिए आवश्यक है, क्योंकि कई बार फर्जी कनेक्शनों के कारण वास्तविक लाभार्थियों तक सब्सिडी का लाभ नहीं पहुंच पाता। सरकार ने इस प्रक्रिया को आसान बनाने के लिए कई विकल्प दिए हैं। ग्राहक डिलीवरी बॉय के मोबाइल या बायोमेट्रिक स्कैनर के जरिए घर पर ही फिंगरप्रिंट या फेस-आईडी ऑथेंटिकेशन करा सकते हैं। इसके अलावा, संबंधित गैस एजेंसी के कार्यालय में जाकर बायोमेट्रिक काउंटर से अपनी ई-केवाईसी पूरी की जा सकती है। ग्राहक अपने मोबाइल पर संबंधित ऑयल मार्केटिंग कंपनियों के आधिकारिक ऐप्स के माध्यम से भी फेस-ऑथेंटिकेशन कर सकते हैं। किसी भी सहायता या पूछताछ के लिए सरकार के टोल-फ्री हेल्पलाइन नंबर 1800 2333 555 पर संपर्क किया जा सकता है। यह प्रमाणीकरण अभियान अक्टूबर 2023 से चल रहा है और इसकी समय-सीमा सात बार बढ़ाई जा चुकी है। तेल मार्केटिंग कंपनियों ने ग्राहकों को जागरूक करने के लिए 12 करोड़ से ज्यादा एसएमएस और वाटसऐप मैसेज भेजे हैं।

रुपए बचाने की सफलता आरबीआई के लिए बनी नई चुनौती

घरेलू बैंकिंग प्रणाली में 10 लाख करोड़ रुपए की तरलता का संकट

मुंबई ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) को विदेशी मुद्रा अनिवासी (बैंक) या एफसीएनआर(बी) योजना की सफलता के बाद एक अप्रत्याशित चुनौती का सामना करना पड़ रहा है। जिस योजना को डॉलर आकर्षित कर रुपये के अनियंत्रित अवमूल्यन को रोकने के लिए सराहा गया था, उसी ने अब घरेलू बैंकिंग प्रणाली में 10 लाख करोड़ रुपए से अधिक की अधिशेष तरलता पैदा कर दी है। आरबीआई के सामने इस विशाल धन को संभालने के लिए दो कठिन और महंगे विकल्प हैं, जो भविष्य में विनिमय दर में गिरावट या पुनर्भुगतान के दबाव से पहले ही लागतें बढ़ा रहे हैं। इस विशेष सुविधा के तहत कुल 136.4 अरब डॉलर जुटाए गए, जिसमें एफसीएनआर(बी) जमा के माध्यम से .127.2 अरब डॉलर शामिल हैं, और आरबीआई ने अधिकांश विदेशी मुद्रा को अवशोषित कर रुपये जारी किए, जिससे यह तरलता समस्या उत्पन्न हुई।

पहला विकल्प था कि डॉलर को बाजार में आने दिया जाए, जिससे रुपया और मजबूत होता। 2013 में, जब भारत का चालू खाता घाटा सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का 4.7 फीसदी था और मुद्रास्फीति चरम पर थी, यह कदम उपयुक्त हो सकता था। उस समय एफसीएनआर(बी) ने लगभग 34 अरब डॉलर आकर्षित किए थे। हालांकि, वर्तमान परिदृश्य भिन्न है। भारत के पास पर्याप्त भंडार, स्वस्थ वृद्धि दर और लगभग शून्य चालू खाता घाटा है। बाजार में पूरी तरह से पैसा आने देने से रुपया 90 रुपए से नीचे जा सकता था, जिससे निर्यात को नुकसान होता और घरेलू विनिर्माण कमजोर पड़ता। यही कारण था कि आरबीआई ने अधिकांश विदेशी मुद्रा को अवशोषित करना उचित समझा, लेकिन इससे विनिमय दर की समस्या अब तरलता की समस्या में बदल गई है। दूसरा विकल्प यह है कि बैंकों के पास भंडार छोड़ दिया जाए ताकि वे अधिक ऋण दे सकें।

युद्ध की राख से शांति का नया संसार कैसे बने?

अंतर्राष्ट्रीय शांति दिवस

ललित गर्ग

मनुष्य ने विज्ञान से आकाश जीत लिया, समुद्र की गहराइयां नाप लीं और अंतरिक्ष तक पहुंच बना ली; अब उसे अपने भीतर की हिंसा पर विजय प्राप्त करनी है। युद्ध की राख से यदि शांति का संसार बनाना है तो हथियारों से अधिक विश्वास, शक्ति से अधिक संवाद और प्रतिस्पर्धा से अधिक सहयोग में निवेश करना होगा। यही अंतर्राष्ट्रीय शांति दिवस का वास्तविक संदेश है-दुनिया को युद्ध से विराम ही नहीं, शांति को स्थायी जीवन-पद्धति बनाना होगा।

21 सितम्बर का अंतर्राष्ट्रीय शांति दिवस इस वर्ष ऐसे समय में आया है, जब दुनिया को शांति की सबसे अधिक जरूरत है। रूस-यूक्रेन युद्ध लंबा खिंच चुका है, पश्चिम एशिया में इजराइल-गाजा संघर्ष की मानवीय त्रासदी समाप्त नहीं हुई है और 2026 में अमेरिका-इजराइल तथा ईरान के बीच भीषण सैन्य संघर्ष ने पूरे क्षेत्र की सुरक्षा एवं वैश्विक अर्थव्यवस्था को प्रभावित किया है। ऐसे वातावरण में शांति केवल एक आदर्श या कूटनीतिक शब्द नहीं, बल्कि मानव सभ्यता के अस्तित्व की अनिवार्य शर्त बन गई है। संयुक्त राष्ट्र ने 2026 के अंतर्राष्ट्रीय शांति दिवस की थीम रखी है-'शांति में निवेश करें-सभी के लिए, हर जगह, हर दिन।' संयुक्त राष्ट्र के अनुसार शांति का अर्थ केवल युद्ध की अनुपस्थिति नहीं, बल्कि सुरक्षा, गरिमा, अवसर और सहयोग का ऐसा वातावरण है जिसमें मनुष्य भयमुक्त होकर जीवन जी सके। इस वर्ष विशेष रूप से उन 'रोजमर्रा के शांति-निमार्ताओं' को रेखांकित किया जा रहा है, जो अपने परिवार, समुदाय, विद्यालय और समाज में संवाद तथा विश्वास की नींव मजबूत करते हैं। कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उपयोग भी शांति की खोज एवं शांति की स्थापना में होना चाहिए। ब्रिक्स 2026 की अध्यक्षता करते हुए भारत ने शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व के महत्व को ही रेखांकित किया है।

दुनिया की वर्तमान स्थिति इस संदेश को और महत्वपूर्ण बनाती है। रूस-यूक्रेन युद्ध के साढ़े चार वर्ष से अधिक समय बाद भी हिंसा समाप्त नहीं हुई है। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार जुलाई 2026 में यूक्रेन में कम-से-कम 437 नागरिक मारे गए और 2,610 घायल हुए-मार्च 2022 के बाद किसी एक महीने में दर्ज सबसे अधिक नागरिक क्षति में से एक है। मिसाइलों, ड्रोन और हवाई हमलों ने शहरों, ऊर्जा ढांचे और सामान्य नागरिक जीवन को गंभीर रूप से प्रभावित किया है। सितंबर में अमेरिका, रूस और यूक्रेन के बीच वार्ता फिर शुरू करने की संभावनाओं पर चर्चा हुई है, लेकिन क्षेत्रीय नियंत्रण सहित कई महत्वपूर्ण प्रश्न अभी भी विवादित हैं। पश्चिम एशिया की स्थिति भी विश्व-शांति के लिए गंभीर चुनौती है। गाजा में संघर्ष और मानवीय संकट पूरी तरह समाप्त नहीं हुआ है। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार सितंबर 2026 में भी वहां हवाई हमलों और सैन्य कार्रवाइयों के कारण नागरिकों की मौतें जारी थीं और बड़ी संख्या में लोग विस्थापित जीवन जी रहे थे। दूसरी ओर, फरवरी 2026 से अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच शुरू हुआ संघर्ष क्षेत्रीय तनाव को व्यापक बना चुका है। ईरान के हमलों और अमेरिकी तथा इजराइली सैन्य कार्रवाइयों ने केवल संबंधित देशों को ही नहीं, बल्कि खाड़ी क्षेत्र, ऊर्जा आपूर्ति और अंतरराष्ट्रीय व्यापार मार्गों को भी प्रभावित किया है। सितंबर में भी इस युद्ध के समाप्त होने की स्पष्ट स्थिति नहीं बनी थी।

इन युद्धों की सबसे बड़ी कीमत सैनिकों से कहीं अधिक आम नागरिक चुका रहे हैं। घर उजड़ते हैं, बच्चे शिक्षा से वंचित होते हैं, अस्पताल और ऊर्जा व्यवस्था प्रभावित होती है, रोजगार समाप्त होते हैं और लाखों लोग विस्थापित होते हैं। युद्ध केवल वर्तमान को नहीं जलाता, वह आने वाली पीढ़ियों के भविष्य को भी कमजोर करता है। इसलिए शांति की चर्चा केवल सीमाओं और सेनाओं के संदर्भ में नहीं, बल्कि मानवाधिकार, विकास, पर्यावरण, शिक्षा, स्वास्थ्य और आर्थिक सुरक्षा के संदर्भ में भी करनी होगी। शांति स्थापित करने का पहला रास्ता संवाद है। युद्धरत देशों के बीच प्रत्यक्ष संवाद कठिन हो सकता है, लेकिन असंभव नहीं। युद्ध के बीच भी मानवीय गलियारे, युद्धविराम, कैदियों की अदला-बदली, नागरिकों की सुरक्षा और मानवीय सहायता के रास्ते खुले रखने चाहिए। स्थायी शांति के लिए बातचीत में केवल शक्तिशाली देशों की भूमिका पर्याप्त नहीं है; क्षेत्रीय देशों, अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं, नागरिक समाज और प्रभावित समुदायों की आवाज भी शामिल होनी चाहिए।

दूसरा रास्ता है हथियारों की दौड़ के बजाय शांति में निवेश। दुनिया सैन्य क्षमता पर जितना खर्च करती है, उसका एक हिस्सा यदि शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, जलवायु संरक्षण और संघर्ष-प्रभावित क्षेत्रों के पुनर्निर्माण पर लगाया जाए तो हिंसा की जड़ों को कमजोर किया जा सकता है। शांति केवल युद्ध समाप्त करने से नहीं आती; गरीबी, असमानता, बेरोजगारी, भेदभाव और अवसरों की कमी जैसे कारणों पर काम करना भी शांति-निर्माण का हिस्सा है। तीसरा महत्वपूर्ण उपाय है विश्वसनीय अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं को मजबूत करना। संयुक्त राष्ट्र की स्थापना ही अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से हुई थी। आज आवश्यकता इस बात की है कि बहुपक्षीय संस्थाएं अधिक प्रभावी, प्रतिनिधित्वपूर्ण और जवाबदेह बनें। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस ने 2026 के संदेश में कूटनीति, संवाद, बातचीत, शांति स्थापना, मानवाधिकार और सतत विकास में निवेश को स्थायी शांति के महत्वपूर्ण साधन बताया है।

भारत की शांति-दृष्टि भी इस संदर्भ में महत्वपूर्ण है। पंचशील के सिद्धांत-एक-दूसरे की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता का सम्मान, आक्रामकता से परहेज, आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप न करना, समानता एवं पारस्परिक लाभ तथा शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व-अंतरराष्ट्रीय संबंधों में संवाद और सह-अस्तित्व की अवधारणा को मजबूत करते हैं। महावीर का अहिंसा संदेश, बुद्ध की करुणा, गांधी का सत्य-अहिंसा दर्शन और आधुनिक भारत की शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व की परंपरा दुनिया को यह स्मरण कराती है कि शक्ति का सर्वोच्च रूप विनाश नहीं, संयम और मानवीयता है। शांति केवल सरकारों की जिम्मेदारी भी नहीं है। घर में संवाद, विद्यालय में सहिष्णुता, समाज में भाईचारा और डिजिटल माध्यमों पर जिम्मेदार भाषा-ये सब विश्वशांति की ही छोटी इकाइयां हैं। आज सोशल मीडिया पर नफरत, झूठी सूचनाएं और उकसाने वाली भाषा सामाजिक तनाव को बढ़ाती हैं। इसलिए डिजिटल शांति भी 21वीं सदी की एक बड़ी आवश्यकता है। बच्चों और युवाओं को विवाद का उत्तर हिंसा से नहीं, तर्क, संवाद और सहानुभूति से देना सिखाना होगा। सफेद कबूतर शांति का प्रतीक जरूर है, लेकिन अब प्रतीकों से आगे बढ़कर शांति की ठोस संरचना बनाने का समय है। युद्ध रोकने के लिए कूटनीति, नागरिकों की रक्षा के लिए अंतरराष्ट्रीय कानून, पीड़ितों के लिए मानवीय सहायता, विवादों के समाधान के लिए मध्यस्थता और युद्ध के बाद पुनर्निर्माण के लिए वैश्विक सहयोग-इन सभी को समान महत्व देना होगा। आज दुनिया को यह स्वीकार करना होगा कि किसी देश की सुरक्षा दूसरे देश की असुरक्षा पर स्थायी रूप से आधारित नहीं हो सकती। किसी एक क्षेत्र का युद्ध धीरे-धीरे ऊर्जा, व्यापार, पर्यावरण और वैश्विक अर्थव्यवस्था को प्रभावित करता है। इसलिए शांति अब किसी एक राष्ट्र का विषय नहीं, पूरी मानवता का साझा हित है। अंतर्राष्ट्रीय शांति दिवस हमें यह संकल्प लेने का अवसर देता है कि हम केवल युद्ध समाप्त होने की प्रतीक्षा न करें, बल्कि अपने-अपने स्तर पर शांति की संस्कृति विकसित करें। संयुक्त राष्ट्र का 2026 का संदेश भी इसी दिशा में है-शांति सम्मेलन कक्षों में ही नहीं, बल्कि विद्यालयों, मोहल्लों, परिवारों और समाजों में भी निर्मित होती है।

मनुष्य ने विज्ञान से आकाश जीत लिया, समुद्र की गहराइयां नाप लीं और अंतरिक्ष तक पहुंच बना ली; अब उसे अपने भीतर की हिंसा पर विजय प्राप्त करनी है। युद्ध की राख से यदि शांति का संसार बनाना है तो हथियारों से अधिक विश्वास, शक्ति से अधिक संवाद और प्रतिस्पर्धा से अधिक सहयोग में निवेश करना होगा। यही अंतर्राष्ट्रीय शांति दिवस का वास्तविक संदेश है-दुनिया को युद्ध से विराम ही नहीं, शांति को स्थायी जीवन-पद्धति बनाना होगा।

संपादकीय

देश में मोदी होना

प्रधानमंत्री मोदी को जन्मदिन की विलंबित बधाइयां..! हम उनके बेहतर स्वास्थ्य, सतत सक्रियता और दीघार्यु की दुआएं भी करते हैं। मोदी सवा 12 साल, अर्थात 4500 से अधिक दिन, से भारत के निरंतर प्रधानमंत्री हैं। देश के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू के बाद प्रधानमंत्री मोदी ही हैं, जो लगातार तीन बार प्रधानमंत्री बने हैं। यह हमारे सशक्त और विवेकी लोकतंत्र तथा न्यायिक जनमत की ही ताकत है। 1984-85 के लोकसभा चुनाव में जिस भाजपा के मात्र दो सांसद जीत पाए थे, राष्ट्रीय नेता अटल बिहारी वाजपेयी को पराजित होना पड़ा था, वह मई 2014 से निरंतर केंद्रीय सत्ता में है। लोकसभा में भाजपा के आज 240 सांसद हैं, 282 और 303 सांसद भी रह चुके हैं। राज्यसभा में 116 सांसद हैं और एनडीए के सांसदों को मिला कर पूर्ण बहुमत है। देश में पार्टी के कुल 1813 विधायक हैं। भाजपा-एनडीए की 22 राज्यों में सरकारें हैं और देश की करीब 78 फीसदी आबादी पर उनका शासन है। ये तथ्य आप भी जानते होंगे। हम तो प्रसंगवश प्रस्तुत कर रहे हैं, क्योंकि यह प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व की चौतरफा स्वीकृति का दस्तावेजी यथार्थ है। बीते 12 साल का कालखंड प्रधानमंत्री मोदी का रहा है। उनके नेतृत्व में सभी पूर्वोत्तर राज्य 'भाजपामय' हैं, जो कभी कांग्रेस या क्षेत्रीय दलों के गढ़ थे। ओडिशा जैसे 'पटनायकवादी' और गैर-भाजपा राज्य में आज भाजपा का मुख्यमंत्री है। वाममोर्चे और ममता बनर्जी के जनाधार वाला राज्य, जहां कई क्षेत्र मुस्लिम-बहुल हैं, लिहाजा भाजपा-विरोधी हैं, उस पश्चिम बंगाल में 202 सीटों का ऐतिहासिक, प्रचंड जनादेश आज भाजपा के पक्ष में है। बेशक दक्षिण भारत अभी 'भाजपामय' होना शेष है। दरअसल प्रधानमंत्री मोदी 'अपरंपरागत' नेता हैं। भारत गुटनिरपेक्ष, समाजवादी राजनीति और कूटनीति के झंडेबरदार देशों में लंबे समय तक रहा। कमोबेश इंदिरा गांधी के प्रधानमंत्री काल तक इसी सोच और कूटनीति का प्रचार किया जाता रहा, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी ने बहुध्रुवीय, बहुगठबंधन राजनीति की सोच दी, लिहाजा कूटनीति भी बदली। आज भारत के यूरोप, पश्चिमी देशों के साथ राजनयिक संबंध हैं, तो रूस और चीन के साथ भी भारत कई संगठनों, शिखर सम्मेलनों का सदस्य है। मुस्लिम-अरब बहुल के देश भी भारत के 'मित्र' हैं। जी-20 में 'ग्लोबल साउथ' की आवाज के तौर पर अफ्रीकी देशों को शामिल करने के मेजबान प्रधानमंत्री मोदी के सफल प्रयास के मद्देनजर अफ्रीकी देश भारत को अपना 'अंतरंग हमदर्द' मानते हैं। शायद कूटनीति की व्यापकता और विविधता के कारण ही 37 देश अपने 'सर्वोच्च सम्मान' से प्रधानमंत्री मोदी और उनके जरिए भारत को विभूषित कर चुके हैं। यह भारतीय प्रधानमंत्री का 'विश्व-कीर्तिमान' है।

प्रधानमंत्री मोदी की अंतरराष्ट्रीय रेटिंग भी 68-71 फीसदी आंकी गई है, जो सर्वाधिक है। सभी विश्व नेताओं की औसत रेटिंग 50 फीसदी से कम है। अमरीकी राष्ट्रपति ट्रंप तो 'रसातल' में हैं। प्रधानमंत्री मोदी 'अपरंपरागत' इसलिए हैं कि उन्होंने लालकिले से 15 अगस्त के संबोधन में 'देवालय' से पहले 'शौचालय' को अहम करार दिया था और फिर यह राष्ट्रीय योजना बनाई थी। ऐसा कहने और करने वाले मोदी एकमात्र प्रधानमंत्री हैं। आज देश में करीब 12 करोड़ 'पारिवारिक शौचालय' हैं। यह बयान खुद प्रधानमंत्री और गृहमंत्री दे चुके हैं। अब शौचालय स्वच्छता के साथ-साथ सामाजिक, पारिवारिक और महिला की प्रतिष्ठा के प्रतीक बन चुके हैं। 'जन-धन खाता', 'मुद्रा' योजना, 'उज्जवला' योजना और 81 करोड़ से अधिक भारतीयों को 'मुफ्त राशन' आदि सभी परंपरागत लीक से हट कर योजनाएं हैं। बहरहाल प्रधानमंत्री के संदर्भ में एक राजनीतिक जुमला उछाला जाता रहा है-'मोदी है तो मुमकिन है।' हमारा विश्लेषण यह मानता है-'मोदी होना आसान नहीं।' प्रधानमंत्री मोदी भी इनसान हैं, लिहाजा उनमें भी मानवीय विरोधाभास और खामियां हैं। वह 'अतिमानव' नहीं हैं और न ही ऐसा चरित्र-चित्रण करना चाहिए। भाजपा के शीर्षस्थ नेता रहे लालकृष्ण आडवाणी कहा करते थे कि नरेंद्र मोदी सबसे अधिक 'आलोचित' नेता हैं। हमारा मानना है कि यह आलोचना नफरत की हद तक है। लोकतंत्र में यह स्वीकार्य नहीं है, लिहाजा बार-बार चुनावी जनादेश नफरतबाजों के खिलाफ जाता है। हमने भी देश में स्कूल, शिक्षा, अध्यापक, बेरोजगारी, गरीबी, अर्थव्यवस्था, आर्थिक असमानता आदि को लेकर प्रधानमंत्री से सवाल किए हैं। यही लोकतंत्र है, लिहाजा प्रधानमंत्री का लगातार विश्लेषण किया जाना चाहिए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को युवाओं को रोजगार दिलाने में प्रभावी भूमिका निभानी होगी। यह भी सत्य है कि सभी युवाओं को सरकारी नौकरियां नहीं दी जा सकती। इसलिए निजी क्षेत्र को इस तरह विकसित करना होगा कि वहां युवाओं के लिए पर्याप्त संख्या में रोजगार पैदा हो। स्वरोजगार की दिशा में सरकार ने अनेक पग उठाए हैं, लेकिन बेरोजगारी की समस्या अभी पूरी तरह हल नहीं हो पाई है। इसलिए फोकस बड़ी संख्या में रोजगार पैदा करने पर होना चाहिए।

भारत जोड़ो यात्रा के बाद छात्रों की गूंज: क्या कांग्रेस तलाश रही है नया वोट बैंक?

सौरभ वार्ष्णेय

राजनीति में जन रैलियां और जनसंपर्क अभियान, जन सभायें केवल भीड़ जुटाने या एकत्रित करने के साधन नहीं होते। वरन राजनीतिक दलों को समाज के अलग-अलग वर्गों के साथ अपना रिश्ता बनाने, मुद्दों को पहचान देने और पार्टी संगठन को नई ऊर्जा देने संचार का अवसर भी देते हैं। कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा के बाद अब कांग्रेस के कर्णधार राहुल गांधी की छात्रों की गूंजइ कार्यक्रम पहल इसी दृष्टि से जनता की ओर अवना ध्यान खींच रही है। सवाल यह है कि क्या कांग्रेस छात्रों के बीच अपनी विचारधारा और राजनीतिक संदेश को पहुंचाने में सफल हो रही है या यह आने वाले चुनावों के लिए नए वोट बैंक की तलाश की रणनीति है?

कांग्रेस का 17 जून 2026 को राजस्थान के कोटा से शुरू हुआ छात्रों की गूंज अभियान अब देहरादून, प्रयागराज और पुणे तक पहुंच चुका है। कांग्रेस ने इसे केवल राहुल गांधी के कुछ कार्यक्रमों तक सीमित नहीं रखा है। पार्टी ने इसके विस्तार की योजना बनाई है। जानकारी के अनुसार पहले चरण में 28 कार्यक्रम और आगे 800 शहरों या जिलों तक छात्र संपर्क बढ़ाने की योजना है। यहीं से इस अभियान का राजनीतिक महत्व समझ में आता है। हालांकि इसे विरोधी भी समझ रहे हैं लेकिन पेपर लीक समस्या का समाधान न मिलने से वह कांग्रेस के आगे शांति दिखाई दे रहे हैं।

अगर हम कांग्रेस की नई रणनीति की बात करें तो भारत जोड़ो यात्रा का मूल स्वर व्यापक सामाजिक-राजनीतिक संपर्क था। राहुल गांधी ने पैदल यात्रा के माध्यम से विभिन्न राज्यों में लोगों से जनसंवाद किया। वह यात्रा कांग्रेस के लिए राजनीतिक पुन सम्पर्क का बड़ा प्रयोग थी क्योंकि राहुल गांधी की छवि जो प्रतिपार्टी ने धूमिल कर रखी थी उसे निखारने का का यह अवसर था जो कि बखूबी सिद्व सफल हुआ।छात्रों की गूंज का दायरा अपेक्षाकृत ज्यादा केंद्रित है। यहां निशाना एक खास सामाजिक समूह है छात्र, प्रतियोगी परीक्षा देने वाले युवा और रोजगार की तलाश में लगे नौजवान। कोटा में परीक्षा, शिक्षा का खर्च, प्रवेश की मुश्किलें और छात्रों के मानसिक दबाव जैसे मुद्दे उठाए गए। रिपोर्ट के अनुसार उस कार्यक्रम में 4,000 से अधिक लोग पहुंचे, जिनमें बड़ी संख्या छात्रों की थी। देहरादून में पेपर लीक, सरकारी नौकरियों और बेरोजगारी जैसे सवाल सामने आए। प्रयागराज में भी पेपर लीक, भर्ती परीक्षाओं और रोजगार को प्रमुख मुद्दा बनाया गया। इससे स्पष्ट है कि कांग्रेस ने छात्र राजनीति के लिए मुद्दों का एक निश्चित पैकेज तैयार किया है। पेपर लीक, परीक्षा व्यवस्था, बेरोजगारी, महंगी शिक्षा और रोजगार के अवसर।इसका जवाब फिलहाल हां, लेकिन सीमित अर्थ मेंइ दिया जा सकता है। कांग्रेस ने छात्रों के सामने ऐसे मुद्दे रखे हैं जो उनके रोजमर्रा के जीवन से जुड़े हैं। प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी करने वाला छात्र पेपर लीक को किसी राजनीतिक नारे के रूप में नहीं, बल्कि अपने कई वर्षों के परिश्रम से जुड़े सवाल के रूप में देखता है। नौकरी की तैयारी करने वाले युवा के लिए भर्ती परीक्षा में देरी या परीक्षा रद्द होना सीधे उसके भविष्य से जुड़ता है। यही वह जगह है जहां कांग्रेस को राजनीतिक अवसर दिखाई दे रहा है। प्रयागराज में बड़ी संख्या में छात्र और परीक्षा अभ्यर्थी कार्यक्रम में पहुंचे और कई ने परीक्षा व्यवस्था तथा रोजगार से जुड़े सवाल उठाए। लेकिन यहां सावधानी जरूरी है। किसी राजनीतिक कार्यक्रम में युवाओं की भागीदारी को सीधे कांग्रेस के समर्थन या वोट में बदल देना सही निष्कर्ष नहीं होगा। कार्यक्रम में आना, राहुल गांधी की बात सुनना और कांग्रेस को वोट देना तीन अलग-अलग बातें हैं। अभी यह कहना अधिक उचित होगा कि कांग्रेस ने छात्रों के बीच अपने मुद्दे पहुंचाने के लिए एक प्रभावी मंच बनाया है। यह मंच भविष्य में कितना राजनीतिक समर्थन पैदा करता है, इसका प्रमाण चुनाव और स्वतंत्र जनमत सर्वेक्षण ही देंगे। राजनीति में किसी समूह के बीच लगातार संपर्क अभियान चलाना स्वाभाविक रूप से राजनीतिक आधार बनाने की कोशिश भी होता है। कांग्रेस के मामले में यह बात इसलिए अधिक महत्वपूर्ण हो जाती है क्योंकि पार्टी ने छात्रों की गूंजइ को चार शहरों तक सीमित नहीं रखा है। कांग्रेस की योजना 800 शहरों/जिलों तक पहुंचने की बताई गई है। पार्टी के भीतर इसे युवा मतदाताओं तक व्यापक पहुंच बनाने की रणनीति के रूप में देखा जा रहा है। इसलिए इसे केवल सामाजिक संवाद कहना राजनीतिक दृष्टि से अधूरा होगा। लेकिन इसे नया वोट बैंक बन गयाइ कहना भी जल्दबाजी होगी।

युवा मतदाता कोई एकरूप समूह नहीं है। उसकी प्राथमिकताएं जाति, क्षेत्र, शिक्षा, रोजगार, आर्थिक स्थिति और राजनीतिक विचारों के आधार पर अलग-अलग हो सकती हैं। इसलिए केवल छात्रों के बीच लोकप्रियता का अर्थ यह नहीं कि पूरा युवा वर्ग कांग्रेस के साथ खड़ा हो गया। प्तप्तप्त कांग्रेस के सामने असली चुनौती कांग्रेस के लिए सबसे बड़ी चुनौती मुद्दे उठाने की नहीं, बल्कि उन मुद्दों को विश्वसनीय राजनीतिक कार्यक्रम में बदलने की होगी। पेपर लीक पर सवाल उठाना आसान है। लेकिन सत्ता में आने पर परीक्षा व्यवस्था को कैसे बदला जाएगा? भर्ती प्रक्रिया को पारदर्शी बनाने की क्या व्यवस्था होगी? सरकारी नौकरियों की संख्या कैसे बढ़ेगी? निजी शिक्षा की बढ़ती लागत को कैसे नियंत्रित किया जाएगा? प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए छात्रों पर आर्थिक बोझ कैसे घटेगा? यही कारण है कि छात्रों की गूंजइ का अगला चरण केवल भाषणों का विस्तार नहीं, बल्कि नीतिगत प्रस्तावों का विस्तार होना चाहिए। यदि कांग्रेस केवल सरकार विरोधी नारों तक सीमित रहती है तो अभियान की राजनीतिक सीमा भी वहीं तक रह जाएगी। यदि वह छात्रों के मुद्दों पर ठोस नीतिगत विकल्प सामने रखती है तो संवाद का दायरा बढ़ सकता है।

भारत जोड़ो यात्रा में राहुल गांधी ने अलग-अलग सामाजिक समूहों के बीच जाकर संवाद बनाया। छात्रों की गूंजइ में वह एक विशिष्ट वर्ग के बीच लगातार जा रहे हैं। अंतर यह है कि भारत जोड़ो यात्रा का संदेश व्यापक था, जबकि छात्रों की गूंज का संदेश मुद्दा-केंद्रित है। इसे कांग्रेस के लिए संगठनात्मक प्रयोग भी माना जा सकता है। उत्तराखंड में कांग्रेस नेताओं ने इस अभियान को युवाओं के साथ पार्टी के पुनसम्पर्क और संगठन को सक्रिय करने के अवसर के रूप में देखा। हरियाणा में भी युवा कांग्रेस ने कॉलेजों और विश्वविद्यालयों तक 40 दिन के अभियान की योजना बनाई। इसका मतलब है कि राहुल गांधी का कार्यक्रम ऊपर से नीचे तक संगठन में फैलाया जा रहा है।

कांग्रेस के लिए यह अभियान इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि छात्र और युवा लंबे समय में किसी भी राजनीतिक दल के लिए महत्वपूर्ण मतदाता समूह बन सकते हैं। आज का कॉलेज छात्र आने वाले चुनावों का मतदाता है और उसके राजनीतिक विचार समय के साथ उसके परिवार तथा सामाजिक दायरे को भी प्रभावित कर सकते हैं। लेकिन राजनीति में किसी अभियान की सफलता का अंतिम पैमाना उसकी चुनावी परिणति होती है। इसलिए छात्रों की गूंजइ को सफल या असफल घोषित करने से पहले यह देखना होगा कि क्या छात्रों की राजनीतिक प्राथमिकताएं बदलती हैं, क्या कांग्रेस के प्रति उनका भरोसा बढ़ता है और क्या यह भरोसा मतदान व्यवहार में दिखाई देता है। भारत जोड़ो यात्राइ के बाद छात्रों की गूंजइ को कांग्रेस की राजनीतिक रणनीति में एक महत्वपूर्ण बदलाव के रूप में देखा जा सकता है। पहली यात्रा में कांग्रेस ने व्यापक समाज से संवाद की कोशिश की थी, अब वह एक ऐसे वर्ग के बीच लगातार पहुंच बनाने की कोशिश कर रही है जिसके सामने शिक्षा, परीक्षा, रोजगार और भविष्य से जुड़े गंभीर प्रश्न हैं।

हिन्दी संवाद की भाषा, विवाद की नहीं

सुरेश हिंदुस्तानी

देश में भाषा के नाम पर उत्तर और दक्षिण के राज्यों में भेद पैदा करने का दुस्साहस लम्बे समय से चल रहा है। इसमें तथ्यात्मक पहलू यह है कि ऐसा खेल राजनीति के संरक्षण में होता है। दक्षिण के राज्यों में हिन्दी के प्रति जिस प्रकार से अलगाव के बीज बोने की कवायद की जाती है, उसे प्रथम दृष्टि में एक दूसरे को लड़ाने की योजना का हिस्सा ही मानना चाहिए, क्योंकि सांस्कृतिक दृष्टि से पूरा भारत एक है। इस संस्कृति को बनाने में भारतीय भाषाओं का योगदान भी प्रमुख है। भारत की सभी भाषाएं हमारी संस्कृति का अटूट हिस्सा हैं। चाहे वह बड़े भूभाग में बोले जाने वाली हो या फिर किसी राज्य की भाषा ही क्यों न हो। सब महत्वपूर्ण हैं।

अभी हाल ही में हिंदी को लेकर सर्वोच्च न्यायालय ने तमिलनाडु सरकार को सीधे शब्दों में कहा है कि हिंदी के प्रति सोच को बदलना चाहिए। इसके निहितार्थ यही हैं कि हिन्दी देश के बहुत बड़े क्षेत्र में बोली जाती है। इसलिए दक्षिण के राज्यों में इसके प्रति सकारात्मक भाव होना चाहिए। वैसे भी आम जनमानस में यह भाव दिखाई भी देता है।

भारत की पहचान उसकी भाषायी विविधता में है। यहां भाषा केवल अभिव्यक्ति का माध्यम नहीं, बल्कि जीवनानुभव, संस्कृति और संवेदना की वाहक है। कश्मीर से कन्याकुमारी और गुजरात से अरुणाचल तक बदलती बोलियां और भाषाएं भारत की आत्मा को अनेक स्वरों में व्यक्त करती हैं। यही बहुस्वरता हमारी विशिष्टता है। इसलिए किसी एक भारतीय भाषा का विस्तार दूसरी भाषा के लिए संकुचन नहीं, बल्कि पूरे भारतीय भाषायी संसार का विस्तार है। हिन्दी इसी व्यापक भाषायी परिवार की एक सशक्त कड़ी है। उसका स्वभाव संवाद का है। वह जहां पहुंचती है, वहां केवल शब्द नहीं ले जाती, लोगों से जुड़ने का एक सहज माध्यम भी बनाती है। देश के अलग-अलग हिस्सों में रहने वाले लोग जब अपनी-अपनी मातृभाषाओं के साथ हिन्दी के माध्यम से एक-दूसरे से जुड़ते हैं, तो उनके बीच दूरी घटती है और परिचय बढ़ता है। एकात्म भाव का जागरण होता है।

हिन्दी की व्यापकता का आधार केवल उसका भाषायी भूगोल नहीं है। रोजगार, शिक्षा, व्यापार, पर्यटन, सिनेमा, साहित्य और संचार के अनेक माध्यमों ने उसे देश के विभिन्न हिस्सों तक पहुंचाया है। दक्षिण भारत में भी हिन्दी समझने और बोलने वाले लोगों की संख्या कम नहीं है। वहां हिन्दी के अध्ययन और अध्यापन के लिए वर्षों से संस्थाएं सक्रिय रही हैं। अनेक विद्यार्थी हिन्दी सीखते हैं, साहित्य पढ़ते हैं और देश के दूसरे हिस्सों के लोगों से संवाद में उसका उपयोग करते हैं। यह अपनी भाषा में जड़ें मजबूत रखते हुए दूसरी भारतीय भाषाओं से परिचित होना दृष्टि को विस्तृत करता है। एक भाषा हमें अपनी मिट्टी से जोड़ती है, दूसरी हमें दूसरे प्रदेश की मिट्टी की गंध समझने का अवसर देती है। अनेक भाषाओं का ज्ञान अनेक संसारों से परिचय है। भारत में हिन्दी के प्रति आत्मीयता रखने वाले समाजों ने कभी तमिल, तेलुगु, कन्नड़, मलयालम, बंगाली, मराठी या असमिया जैसी भाषाओं के अस्तित्व को चुनौती नहीं माना। दक्षिण की भाषाएं उत्तर के लिए उतनी ही अपनी हैं, जितनी उत्तर की भाषाएं दक्षिण के लिए। तुलसी, कबीर और प्रेमचंद को पढ़ने वाला पाठक जब सुब्रमण्यम भारती, तिरुवल्लुवर या कुवेम्पु की रचनाओं तक पहुंचता है, तो वह भारत को थोड़ा और गहराई से जानता है। इसीलिए भाषा को अवसर की तरह देखना आवश्यक है। किसी बच्चे को हिन्दी सीखने का अवसर मिलता है तो उसके सामने देश के एक बड़े भूभाग, व्यापक साहित्य और असंख्य लोगों से जुड़ने का एक और द्वार खुलता है। इसी प्रकार हिन्दीभाषी समाज जब तमिल, तेलुगु, कन्नड़ या मलयालम के शब्द सीखता है, तो भारत की सांस्कृतिक समृद्धि उसके लिए और विस्तृत हो जाती है।

हम यह भली भांति जानते हैं कि भारत के दक्षिणी राज्यों में कई बार हिन्दी के कार्यक्रम सफलता पूर्वक हुए हैं। शिक्षा संस्थानों में भी हिन्दी के प्रति अनुराग बढ़ता जा रहा है। लेकिन इसका तात्पर्य यह कतई नहीं है कि अन्य भाषाओं के उपेक्षा का भाव है। राजनीतिक दल इसे हिन्दी थोपने के रूप में प्रचारित करके जनता को केवल भ्रमित करने का काम करते हैं। शिक्षा संस्थानों में बच्चों के सामने जितनी अधिक भाषाओं और ज्ञान के द्वार खुलेंगे, उनका संसार उतना ही विस्तृत होगा। इस सकारात्मक अभियान को जब मजबूत दिशा मिलेगी, तो स्वाभाविक रूप से भारत का शक्तिशाली स्वरूप सामने आएगा। हिन्दी को लेकर भी यही दृष्टि होनी चाहिए।

भारत की भाषाएं एक ही सांस्कृतिक चेतना की अलग-अलग अभिव्यक्तियां हैं। एक भाषा का समृद्ध होना दूसरी भाषा के लिए खतरा नहीं, अनेक भाषाओं का साथ-साथ समृद्ध होना भारत की सामूहिक शक्ति है। आज जब संचार के साधनों ने देश को पहले से कहीं अधिक निकट ला दिया है, तब भाषा की भूमिका और महत्वपूर्ण हो गई है। देश के एक कोने में बैठा व्यक्ति दूसरे कोने में रहने वाले व्यक्ति से सहज संवाद कर सके, उसके विचार समझ सके, उसकी संस्कृति को जान सके, यही भाषायी समृद्धि का वास्तविक उद्देश्य है। हिन्दी इस संवाद में एक सेतु की भूमिका निभा सकती है, लेकिन उस सेतु की सुंदरता तभी है जब उसके दोनों ओर भारत की अपनी विविध भाषाएं सुरक्षित, सम्मानित और जीवंत रहें।

भारत को एक-दूसरे को समझने की संस्कृति की आवश्यकता है। हमारी भाषायी विविधता उस संस्कृति की सबसे सुंदर अभिव्यक्ति है। हिन्दी उस विविधता में अपना स्वर जोड़ती है और दूसरी भारतीय भाषाएं उसके स्वर को और समृद्ध करती हैं। इसलिए हिन्दी को लेकर दृष्टि संवाद की होनी चाहिए, विवाद की नहीं। हिन्दी जितनी अधिक भारतीय भाषाओं से जुड़ेगी, उतनी ही अधिक भारतीय बनेगी। और भारत जितनी भाषाओं में स्वयं को अभिव्यक्त करेगा, उसकी आत्मा उतनी ही समृद्ध सुनाई देगी। हिन्दी संवाद की भाषा है और भारत की विविध भाषाएं उस संवाद का विस्तार हैं। यही विविधता भारत की शक्ति है, यही उसकी पहचान और यही उसकी सांस्कृतिक सुंदरता है।

संक्षिप्त समाचार

यूक्रेन में 'कार्पेथियन एट' शिखर सम्मेलन: जेलेंस्की ने 7 देशों के नेताओं की मेजबानी की, सहयोग बढ़ाने पर जोर

कीव, एजेंसी। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने शुक्रवार को पश्चिमी यूक्रेन में सात क्षेत्रीय देशों के नेताओं और प्रतिनिधियों के साथ 'कार्पेथियन एट' शिखर सम्मेलन की मेजबानी की। बैठक का उद्देश्य आपसी सहयोग को और मजबूत करना है। इसमें यूक्रेन, रोमानिया, सर्बिया, पोलैंड, स्लोवाकिया, चेक गणराज्य, ऑस्ट्रिया और हंगरी शामिल हैं। यूरोपीय संघ भी इसमें शामिल हुआ है। जेलेंस्की ने कहा कि देश सुरक्षा, ऊर्जा, लॉजिस्टिक्स, सीमा-पार आर्थिक संबंधों और स्थानीय समुदायों के समर्थन पर मिलकर काम करेंगे। यह बैठक ऐसे समय हुई जब यूक्रेन के कई क्षेत्रों में रातभर रूसी हमलों से आग लगी और लोगों की मौत तथा कई लोग घायल हुए। झिटोमिर क्षेत्र में दो लोगों की मौत और दो घायल हुए। खार्किव क्षेत्र में एक इलेक्ट्रिक ट्रेन पर हमले में एक व्यक्ति की मौत और छह घायल हुए। जेलेंस्की ने बताया कि यूक्रेन को यूरोपीय संघ से करीब 3.8 अरब डॉलर की वित्तीय सहायता भी मिली है।

अमेरिका: मादुरो की गिरफ्तारी के बाद वेनेजुएला की राष्ट्रपति से पहली बार मिलेंगे ट्रंप, न्यूयॉर्क में होगी बैठक

वाशिंगटन, एजेंसी। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अगले हफ्ते वेनेजुएला की कार्यवाहक राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगेज से पहली बार मुलाकात करेंगे। ट्रंप प्रशासन ने देश के पूर्व नेता को पकड़ने और रोड्रिगेज को असल में सत्ता सौंपने के लिए एक ऑपरेशन चलाया था, जिसके बाद यह मुलाकात हो रही है। संयुक्त राष्ट्र में अमेरिकी राजदूत माइक वॉल्ट्ज ने कहा कि न्यूयॉर्क शहर में दोनों नेताओं के बीच होने वाली मुलाकात एक पुल-असाइड होगी।(यह कूटनीतिक भाषा में ऐसी मुलाकात को कहते हैं जो औपचारिक द्विपक्षीय बैठक की तुलना में ज्यादा अनौपचारिक होती है। बता दें कि ट्रंप संयुक्त राष्ट्र महासभा के सालाना सत्र के लिए शहर में होंगे।

ग्रीनलैंड पर ट्रंप का नया दांव: कब्जे की धमकी के बाद डेनमार्क से समझौता, बढ़ेगी अमेरिकी सैन्य मौजूदगी?

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को एलान किया कि अमेरिका और डेनमार्क के बीच ग्रीनलैंड में अमेरिकी सैन्य मौजूदगी बढ़ाने को लेकर समझौता हो गया है। खास बात यह है कि इस समझौते के बावजूद ग्रीनलैंड डेनमार्क के अधीन ही रहेगा। ट्रंप ने पिछले कई महीनों से इस द्वीप को अमेरिका के नियंत्रण में लेने की बात कही थी और सैन्य बल के इस्तेमाल की संभावना से भी इनकार नहीं किया था। डोनाल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि समझौता ग्रीनलैंड की सुरक्षा और अमेरिका की दूसरी जरूरतों पर उसे स्थायी नियंत्रण देता है। उन्होंने कहा कि उनका प्रशासन ग्रीनलैंड में बड़ी अमेरिकी सैन्य मौजूदगी विकसित करने की प्रक्रिया तुरंत शुरू करेगा। ग्रीनलैंड खनिज संसाधनों से समृद्ध है और आर्कटिक में इसकी रणनीतिक स्थिति इसे अमेरिका के लिए महत्वपूर्ण बनाती है।

पाकिस्तान के मुत्ताहिदा कौमी मूवमेंट के संस्थापक के लंदन स्थित घर में घुसे 2 नकाबपोश, हत्या की कोशिश का दावा

लंदन, एजेंसी। पाकिस्तान की मुत्ताहिदा कौमी मूवमेंट यानी एमक्यूएम के संस्थापक अल्ताफ हुसैन से जुड़ी बड़ी खबर है। लंदन में एमक्यूएम संस्थापक अल्ताफ हुसैन के घर में 2 नकाबपोश लोगों के घुसने की कोशिश का दावा किया गया है। एमक्यूएम की ओर से सीसीटीवी फुटेज जारी कर कहा गया है कि दो नकाबपोश लोगों ने अल्ताफ हुसैन के लंदन स्थित घर में घुसने की कोशिश की। पार्टी ने इस घटना को हत्या की कोशिश बताया है। एमक्यूएम नेता मुस्तफा अजीजाबादी ने सोशल मीडिया पर दावा किया कि हमलावर ट्रेंड थे और यह हमला अल्ताफ हुसैन की हत्या की कोशिश हो सकता है। उन्होंने कहा कि अल्ताफ हुसैन की सुरक्षा के लिए ब्रिटेन सरकार को मामले का संज्ञान लेना चाहिए और उन्हें सुरक्षा मुहैया करानी चाहिए। एमक्यूएम की ओर से साझा किए गए सीसीटीवी फुटेज में कथित तौर पर दो नकाबपोश लोग घर में प्रवेश करने की कोशिश करते दिखाई दे रहे हैं। पार्टी का दावा है कि इस घटना के दौरान अल्ताफ हुसैन को कोई नुकसान नहीं हुआ और उनकी जान अल्लाह की रहमत और लोगों की दुआओं से बची। अल्ताफ हुसैन पाकिस्तान की मुत्ताहिदा कौमी मूवमेंट यानी एमक्यूएम के संस्थापक हैं। उनके माता-पिता विभाजन के बाद भारत से पाकिस्तान चले गए थे।

जिनपिंग के दौरे की तैयारी: ट्रंप एयरपोर्ट पर करेंगे स्वागत; किन मुद्दों पर होगी बात, क्या व्यापार तनाव घटेगा?

वाशिंगटन, एजेंसी। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग अगले हफ्ते अमेरिका आएंगे। यह एक दशक से ज्यादा समय बाद चीन के किसी नेता की पहली राजकीय यात्रा होगी। शी वाशिंगटन में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मुलाकात करेंगे। दोनों नेता व्हाइट हाउस में अहम मुद्दों पर बातचीत करेंगे। इसके साथ ही दोनों के बीच अनौपचारिक बातचीत भी होगी। शी का विमान बुधवार को वाशिंगटन के बाहर स्थित ज्वाइंट बेस एंड्रयूज पहुंचेगा। ट्रंप खुद एयरपोर्ट पर उनका स्वागत करने मौजूद रहेंगे। वरिष्ठ अमेरिकी प्रशासनिक अधिकारियों ने पत्रकारों को यह जानकारी दी। आमतौर पर ट्रंप विदेशी नेताओं से व्हाइट हाउस में मिलते हैं। इसलिए एयरपोर्ट पर उनका स्वागत करना असामान्य है। शी की यात्रा का मुख्य कार्यक्रम गुरुवार को होगा। ट्रंप और प्रथम महिला मेलानिया ट्रंप, शी और उनकी पत्नी पेंग लियुआन का स्वागत करेंगे। इसके लिए व्हाइट हाउस के स्टेट फ्लोर पर एक स्वागत समारोह होगा। यह समारोह घर के अंदर आयोजित किया जाएगा।

इसके बाद ट्रंप और शी रोज गार्डन में सैनिकों का निरीक्षण करेंगे। फिर दोनों नेता बंद कमरे में बातचीत करेंगे। इस बातचीत में दोनों देशों के अहम मुद्दों पर चर्चा होगी। मेलानिया ट्रंप और पेंग लियुआन का अलग कार्यक्रम होगा। उधर उनके पति दोनों देशों के कामकाज से जुड़े मुद्दों पर बातचीत करेंगे। अधिकारियों ने शुक्रवार को पत्रकारों से बातचीत में इसकी ज्यादा जानकारी नहीं दी। गुरुवार को शी और उनकी पत्नी राजकीय रात्रिभोज में मेहमान होंगे। ट्रंप और प्रथम महिला इस रात्रिभोज की मेजबानी करेंगे। यह रात्रिभोज व्हाइट हाउस के ईस्ट रूम में होगा। ट्रंप ने कहा कि हर कोई इस रात्रिभोज में शामिल होना चाहता है। दोनों नेता इस मौके पर भाषण भी देंगे।

रात्रिभोज पर कौन-कौन मेहमान होंगे शामिल : ट्रंप ने शुक्रवार को ओवल ऑफिस में पत्रकारों से कहा कि हजारों लोग इस रात्रिभोज में शामिल होना चाहते हैं। उन्होंने इस बात पर अफसोस जताया कि व्हाइट हाउस में बनाया जा रहा 1,000 लोगों की क्षमता वाला नया बॉलरूम अभी तैयार नहीं है। इस वजह से यह कार्यक्रम वहां नहीं हो सकेगा। ट्रंप ने कहा कि उन्होंने अपने कई बहुत अच्छे दोस्तों से कह दिया है कि वे इस कार्यक्रम में नहीं आ सकते। व्हाइट हाउस ने रात्रिभोज में आने वाले कुछ लोगों के नाम बताए लेकिन ट्रंप के तकनीकी क्षेत्र से जुड़े कुछ दोस्तों को रात्रिभोज में आमंत्रित किया गया है। व्हाइट हाउस के अनुसार, रात्रिभोज में शामिल होने वाले लोगों में अमेजन के संस्थापक जेफ बेजोस भी हैं। टेस्ला और स्पेसएक्स के एलन मस्क भी शामिल होंगे। गूगल के सुंदर पिचाई भी मेहमानों की सूची में हैं। डेल टेक्नोलॉजीज के सीईओ माइकल डेल भी इसमें शामिल होंगे। सूची में एनवीडिया के जेंसन हुआंग, ओपनएआई के सैम ऑल्टमैन, सिटीग्रुप की सीईओ जेन फ्रेजर भी आएंगी। एपल के सीईओ पद से हाल ही में हटे टिम कुक भी मेहमान पेंग लियुआन फिर व्हाइट हाउस आएंगे। अगले शुक्रवार को शी और पेंग लियुआन फिर व्हाइट हाउस आएंगे। वे ट्रंप दंपती के साथ निजी चाय कार्यक्रम में शामिल होंगे। इसके बाद ट्रंप दंपती उन्हें नेशनल आर्काइव्स का दौरा कराएंगे। यहां अमेरिका के इतिहास से जुड़े कई महत्वपूर्ण पुराने दस्तावेज रखे हैं। अमेरिका अपनी 250वीं वर्षगांठ मना रहा है।

क्या टैरिफ पर दोनों देशों के बीच बनेगी बात : दौरे के बाद शी ज्वाइंट बेस एंड्र्यूज जाएंगे। यात्रा के दूसरे अहम मुद्दों पर भी अमेरिकी अधिकारियों ने जानकारी दी। इनमें टैरिफ, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और दुर्लभ खनिज शामिल हैं। अमेरिका और चीन कुछ गैर-जरूरी सामान पर टैरिफ कम कर सकते हैं। इससे दोनों देशों को फायदा हो सकता है। अमेरिकी अधिकारियों ने पत्रकारों से बातचीत में यह बात कही। उनके अनुसार, यह कदम कुछ सीमित सामानों पर लागू हो सकता है। इससे दोनों देशों को फायदा हो सकता है। अधिकारियों ने अपनी पहचान सार्वजनिक नहीं करने की शर्त पर यह जानकारी दी। व्हाइट हाउस ने उनके लिए ऐसी शर्तें तय की थीं।

क्या दुर्लभ खनिज पर अमेरिका देगा कोई राहतः हालांकि, अधिकारियों ने कहा कि अमेरिका अभी अपने निर्यात नियंत्रण में ढील देने के लिए तैयार नहीं है। इसका मतलब है कि दुर्लभ खनिजों के निर्यात पर अमेरिकी नियंत्रण में बड़ी राहत मिलने की उम्मीद नहीं है। अधिकारियों ने कहा कि चीन की ओर से इन खनिजों की पर्याप्त और स्वीकार्य आपूर्ति बनाए रखने पर चर्चा होगी। लेकिन अमेरिका के निर्यात नियंत्रण कम करने के बदले चीन की ओर से कुछ देने जैसा कोई समझौता होने की संभावना कम है।

इस्राइली राष्ट्रपति ने की अहमदिया मुसलमानों की तारीफ

येरुशलम, एजेंसी। इस्राइल के राष्ट्रपति इसाक हर्जोग ने अहमदिया मुसलमानों की सराहना की। उन्होंने उन्हें 'साथ मिलकर जीवन जीने, सहनशीलता और सम्मान' का उदाहरण बताया। हर्जोग ने यह बात हाइफा में अहमदिया समुदाय के वार्षिक सम्मेलन में कही। इस सम्मेलन में अलग-अलग समुदायों के धर्मगुरू शामिल हुए। इसमें शिक्षाविद और सार्वजनिक जीवन से जुड़े लोग भी मौजूद थे।

जलसा सालाना में क्या चर्चा हुई : अहमदिया समुदाय का 29वां वार्षिक सम्मेलन इस सप्ताह हाइफा में हुआ। इसे 'जलसा सालाना' कहा जाता है। इस सम्मेलन में मदीना के ऐतिहासिक संविधान पर चर्चा हुई। इसमें चर्चा की गई कि यह संविधान आज साझा नागरिकता के बारे में क्या सीख दे सकता है। अलग-अलग समुदायों के बीच संबंधों पर भी चर्चा हुई। आपसी जिम्मेदारी पर भी विचार किया गया। शांति बनाने में धर्म की भूमिका पर भी चर्चा हुई।

कार्यक्रम में कौन-कौन मौजूद रहे : हर्जोग ने गुरुवार को सम्मेलन में हिस्सा लिया। उनके साथ हाइफा के मेयर योना याहव भी थे। सम्मेलन में धर्मगुरू, शिक्षाविद और इस्राइली संसद यानी नेसेट के सदस्य भी शामिल हुए। हाइफा के पूर्व मेयर भी मौजूद थे। प्रमुख सांस्कृतिक और सामाजिक हस्तियां भी सम्मेलन में आईं। राजनयिक भी इसमें शामिल हुए। इनमें भारतीय राजदूत जेपी सिंह भी मौजूद थे। कई अन्य देशों से आए मेहमानों ने भी इस अहम सम्मेलन में हिस्सा लिया। इस्राइली राष्ट्रपति ने शुक्रवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इस कार्यक्रम के बारे में पोस्ट किया। उन्होंने लिखा कि अगर दुनिया के ज्यादा लोग इस सभा को देख पाते और इस्राइली समाज का यह चेहरा भी जान पाते, तो अच्छा होता। हर्जोग ने अहमदिया समुदाय के नेता अमीर मुहम्मद शरीफ ओदेह का भी धन्यवाद किया। उन्होंने गर्मजोशी से स्वागत करने के लिए उनका आभार जताया। सम्मेलन को संबोधित करते हुए हर्जोग ने अलग-अलग धर्मों के लोगों के बीच बातचीत की अहमियत पर जोर दिया।

अहमदिया समुदाय की तारीफ की : उन्होंने अहमदिया मुस्लिम समुदाय के शांति और सहनशीलता के विचारों की तारीफ की। उन्होंने यहूदी और मुस्लिम लोगों के बीच बातचीत बढ़ाने में समुदाय के योगदान की भी सराहना की। पश्चिम एशिया में यहूदी और मुस्लिम लोगों के बीच बातचीत का जिक्र करते हुए हर्जोग ने कहा कि अहमदिया समुदाय सम्मान और हिम्मत के साथ बातचीत का समर्थन करता है। उन्होंने कहा कि ऐसी बातचीत मतभेदों को स्वीकार करती है। साथ ही, यह लोगों को एक-दूसरे के करीब लाने का काम करती है। भारतीय मूल के ईकान अहमद शम्स भी सम्मेलन में शामिल हुए। उनके पिता शम्सुद्दीन दो दशक से ज्यादा समय पहले भारत से इस्राइल आए थे। वह समुदाय के इमाम हैं।

सऊदी अरब और हूतियों में बढ़ा तनाव?: रियाद में फिर सुनी गई धमाकों की आवाज, यमन में भी हुए हमले

रियाद , एजेंसी। सऊदी अरब की राजधानी रियाद में शनिवार तड़के धमाकों की आवाज़ें सुनी गईं। स्थानीय लोगों को मोबाइल ऐप के जरिए हवाई सुरक्षा संबंधी अलर्ट मिले। बाद में सऊदी नागरिक सुरक्षा निदेशालय ने एक्स पर एक बयान जारी कर कहा कि रियाद और अल-खर्ज में खतरा टल गया है।

साथ ही, लोगों से अपील की गई कि वे निर्देशों का पालन करते रहें और भीड़ न लगाएं या वीडियो न बनाएं। वहीं, यमन के हूती विद्रोहियों ने शुक्रवार को कहा कि सऊदी अरब ने पिछले 24 घंटों में उनके कब्जे वाले इलाकों पर 26 हमले किए हैं। ईरान-समर्थित इस गुट और यमन की रियाद-समर्थित सरकार के बीच देश में फिर से गृहयुद्ध छिड़ गया है। गुट ने कहा कि पिछले हफ्ते उनके ठिकानों पर सऊदी हमलों की संख्या 300 तक पहुंच गई है और इन हमलों में हूती-नियंत्रित यमन के कई इलाकों को निशाना बनाया गया। इससे पहले चेतावनी दी गई थी, 'अल-खर्ज गवर्नरेट में आपातकालीन स्थितियों के लिए राष्ट्रीय प्रारंभिक चेतावनी मंच ने खतरे की चेतावनी देने के लिए एक अलर्ट जारी किया है।' सऊदी सिविल डिफेंस ने बताया कि गुरुवार को पश्चिमी सऊदी अरब के ताइफ में हूती समूह के एक ड्रोन का मलबा गिरने से एक व्यक्ति की मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गए। इस ड्रोन को बीच में ही रोककर नष्ट कर दिया गया था।

सऊदी अरब और यमन के हूती विद्रोहियों के बीच पिछले कुछ दिनों में तनाव तेजी से बढ़ा है। हूतियों ने सऊदी शहरों पर मिसाइल और ड्रोन हमले किए, जिनमें कई लोगों के घायल होने और घरों-वाहनों को नुकसान की खबर है। वहीं, सऊदी अरब ने भी यमन में हूती ठिकानों पर हवाई हमले किए हैं। इसके साथ ही सऊदी का दावा है कि मक्का की ओर बढ़ रहे एक ड्रोन को भी मार गिराया गया, हालांकि हूतियों ने मक्का को निशाना बनाने से इनकार किया है। अब इस संघर्ष का असर सऊदी की अहम ईस्ट-वेस्ट तेल पाइपलाइन पर भी पड़ा है। सऊदी अरब की तेल कंपनी अरामको ने कम से कम दो यूरोपीय रिफाइनिंग ग्राहकों को बताया है कि उन्हें अगले महीने यानी अक्तूबर में कच्चे तेल की डिलीवरी नहीं मिलेगी।

रूस में संसदीय चुनाव: युद्धकालीन वोटिंग में क्रेमलिन की पकड़ मजबूत, युद्धकाल और ड्रोन हमलों के साए में मतदान

मॉस्को, एजेंसी। रूस में शुक्रवार, 18 सितंबर को देश के पहले युद्धकालीन संसदीय चुनाव के लिए तीन दिवसीय मतदान शुरू हुआ। इन चुनावों में लगभग कोई वास्तविक विपक्ष नहीं है, जिससे क्रेमलिन की राजनीतिक प्रभुत्व सुरक्षित रहने की पूरी संभावना है। अधिकारियों ने 11 करोड़ 10 लाख पात्र मतदाताओं के बीच मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए सप्ताहांत तक चुनाव फैला दिए हैं। इसमें इलेक्ट्रॉनिक मतदान की भी अनुमति दी गई, जिससे मतदाताओं को सुविधा मिली। सेंट्रल इलेक्शन कमीशन के अनुसार, शुक्रवार देर शाम तक ऑनलाइन मतदान सहित करीब 30 फीसदी मतदान दर्ज किया गया। क्रेमलिन इन संसदीय चुनावों को यूक्रेन पर 2022 के पूर्ण पैमाने पर आक्रमण के बाद पहला चुनाव मान रहा है। इसका मुख्य उद्देश्य युद्ध के लिए जन समर्थन को रेखांकित करना और अपनी सैन्य कार्रवाई को वैधता प्रदान करना है। क्रेमलिन ने असंतोष के जरा से भी संकेत को दबाकर किसी भी राजनीतिक जोखिम से बचने की पूरी कोशिश की है। राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने मतदान से पहले राष्ट्र से एक महत्वपूर्ण संदेश दिया। उन्होंने कहा कि रूसी लोगों का चुनाव और संकल्प एक बार फिर दिखाएगा कि लाखों लोग उनके सैनिकों के साथ खड़े हैं। पुतिन ने जोर दिया कि रूसी लोग साझा मूल्यों, ऐतिहासिक स्मृति और मातृभूमि के प्रति प्रेम से बंधे एक एकजुट लोग हैं।

क्रेमलिन ने बताया कि पुतिन ने शुक्रवार को ऑनलाइन मतदान किया। कंप्यूटर स्क्रीन के सामने उनकी तस्वीरें भी जारी की गईं, जो उनकी डिजिटल भागीदारी को दर्शाती हैं। मुख्य क्रेमलिन दल, यूनाइटेड रूस, का निचली सदन, स्टेट ड्यूमा पर भारी नियंत्रण बनाए रखना लगभग तय है। 'व्यवस्थित विपक्ष' की कई छोटी पार्टियां भी अपनी उपस्थिति बनाए रखने की उम्मीद कर रही हैं। ये दल सभी प्रमुख मुद्दों पर सरकार के साथ मिलकर मतदान करते हैं, जिससे उनकी भूमिका सीमित रहती है। मतदाता दो अलग-अलग मतपत्र डालते हैं। ड्यूमा की 450 सीटों में से आधी राजनीतिक दलों का चयन करके भरी जाती हैं। शेष सीटों पर एकल-सीट निर्वाचन क्षेत्रों में चुनाव लड़ा जाता है, जहां मतदाता व्यक्तिगत उम्मीदवारों का चयन करते हैं। क्या रूसी नागरिक चुनावों से अलग भविष्य की उम्मीद कर रहे हैं? एसोसिएटेड प्रेस द्वारा साक्षात्कार किए गए रूसियों ने चुनाव से अलग-अलग उम्मीदें व्यक्त कीं। मॉस्को के दिमित्री किरिलिन ने इस सप्ताह की शुरुआत में बदलाव देखने की इच्छा व्यक्त की। वह एक अलग दल को सत्ता में देखना चाहते थे। हालांकि, मॉस्को के अलेक्जेंडर वर्तुखिन का मानना था कि यूनाइटेड रूस और कम्युनिस्ट जो कर रहे हैं, वह पर्याप्त है। उनके अनुसार, इन दलों के मंच सभी मुद्दों को कवर करते हैं। मॉस्को के एक मतदान केंद्र पर शुक्रवार को पेंशनभोगी गैलिना वाविलोवा ने अपनी राय व्यक्त की। उन्होंने कहा कि यूक्रेन में युद्ध समाप्त करना सबसे महत्वपूर्ण बात है। वाविलोवा ने जोर दिया।

ट्रंप ने रूस पर प्रतिबंध बढ़ाने वाले कानून पर किए हस्ताक्षर

वॉशिंगटन , एजेंसी। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक कानून पर हस्ताक्षर किए हैं, जिसके तहत रूस पर प्रतिबंधों का दायरा बढ़ाया गया है और रूसी तेल व गैस के बड़े खरीदारों पर 100 प्रतिशत तक टैरिफ लगाने का प्रावधान किया गया है। साथ ही, ईरान के खिलाफ अमेरिकी प्रतिबंध लगाने के अधिकार को भी पांच साल के लिए बढ़ा दिया गया है। ट्रंप ने शुक्रवार को 'लिंडसे ओ. ग्राहम सैंक्शनिंग रशिया एंड ईरान एक्ट ऑफ 2026' पर हस्ताक्षर किए। व्हाइट हाउस ने कहा कि यह कानून रूस पर कानूनी प्रतिबंध, टैरिफ और रोक लगाने तथा उन्हें बढ़ाने का अधिकार देता है। साथ ही ईरान पर पहले से लगे प्रतिबंधों को भी बढ़ाता है। रिपब्लिकन सीनेटर केटी ब्रिट के बयान के अनुसार, यह कानून राष्ट्रपति को निर्देश देता है कि वे रूसी कच्चे तेल या गैस के पांच सबसे बड़े इंपोर्टर्स (आयातकों) पर या रूसी तेल प्रतिबंधों से बचने में मदद करने वाले शीर्ष पांच देशों पर 100 प्रतिशत तक टैरिफ लगाएं। न तो साइन करने की घोषणा में और न ही लॉ मेकर्स के बयानों में उन देशों का नाम बताया गया जिन पर ये टैरिफ लगाए जाएंगे। उन्होंने किसी खास देश के लिए टैरिफ दर की भी घोषणा नहीं की। ब्रिट के ऑफिस ने कहा कि इस कानून में उन देशों के लिए छूट का प्रावधान है जो रूस से इतनी प्राकृतिक गैस इंपोर्ट करते हैं जो रूस के कुल प्राकृतिक गैस एक्सपोर्ट (निर्यात) का 15 प्रतिशत से भी कम है, बशर्ते वे इस इंपोर्ट को कम करने के लिए अहम कदम उठा रहे हों। ये प्रतिबंध सिर्फ ऊर्जा की खरीद तक ही सीमित नहीं हैं। सीनेटर के बयान के अनुसार, इनका निशाना रूसी अधिकारी, अमीर कारोबारी (ओलिगार्क), उनके परिवार के सदस्य, विदेशी लोग, रूसी बैंक और वित्तीय संस्थान और साथ ही रूस का 'शैडो फ्लीट' (गुप्त रूप से काम करने वाले जहाजों का बेड़ा) हैं। इस कानून में रूस और यूक्रेन में उसके युद्ध का समर्थन करने वालों के खिलाफ प्राइमरी और सेकेंडरी, दोनों तरह के प्रतिबंधों का प्रावधान है। अलबामा की रिपब्लिकन नेता ब्रिट, इस बिल पर दस्तखत के समय ओवल ऑफिस में ट्रंप के साथ मौजूद थीं। उनके ऑफिस ने बताया कि टेक्सास के रिपब्लिकन प्रतिनिधि माइकल मैककॉल भी वहां मौजूद थे। ब्रिट ने कहा, 'आज इस बिल पर दस्तखत करके राष्ट्रपति ट्रंप ने रूस और उन सभी देशों को एक साफ संदेश दिया है, जो रूस की युद्ध मशीन को फंड देते हैं कि यूक्रेन के खिलाफ उनके आक्रामक कदमों का विरोध करने में अमेरिका एकजुट है।

उन्होंने इस बिल को पास कराने का श्रेय कांग्रेस के दोनों सदनों और व्हाइट हाउस में अपने सहयोगियों को दिया। उन्होंने इस कानून पर ग्राहम के काम की भी तारीफ की। उन्होंने कहा, 'अगर उनकी कड़ी मेहनत न होती तो हम आज यहां नहीं होते और उनकी विरासत के इतने अहम हिस्से को आगे बढ़ाने में मदद करना मेरे लिए सचमुच सम्मान की बात है। इस कानून का समर्थन करने वाले इडाहो के रिपब्लिकन प्रतिनिधि माइक सिम्पसन ने अतिरिक्त आर्थिक प्रतिबंधों को युद्ध खत्म करने की कोशिशों को आगे बढ़ाने का एक जरिया बताया।

बालों से घसीटा, 154 कोड़े और 44 साल की सजा: जेल में भी नहीं टूटीं नोबेल विजेता नरगिस मोहम्मदी; लिख डाली किताब

तेहरान/ओस्लो, एजेंसी। तेहरान की कुख्यात एविन जेल की ऊंची और अंधेरी दीवारों के पीछे जब कैदियों को मानसिक और शारीरिक रूप से तोड़ने के लिए डंडों से पीटा जा रहा था, तब नोबेल शांति पुरस्कार विजेता नरगिस मोहम्मदी चुपचाप कागज के टुकड़ों पर एक इतिहास दर्ज कर रही थीं। कई बार सुरक्षाबलों ने पन्ने जब्त कर लिए, 20 से ज्यादा डायरियां हिंसा में खो गईं, लेकिन उन्होंने लिखना बंद नहीं किया। जेल से मिले अस्थायी मेडिकल पैरोल के दौरान नरगिस ने इन्हीं पन्नों को एक संस्मरण का रूप दिया है, 'अ वुमन नेवर स्टॉप्स फाइटिंग'। उनकी यह किताब इसी महीने यूरोप के कई देशों में रिलीज हो रही है। सीएनएन को दिए एक बेहद बेबाक इंटरव्यू में 54 वर्षीय मानवाधिकार कार्यकर्ता ने जेल में दी जाने वाली अमानवीय यातनाओं और उन अधिकारियों के चेहरों को बेनकाब किया है जो इन अत्याचारों के लिए सीधे जिम्मेदार हैं। विभिन्न भाषाओं में अमन लिखे रंग-बिरंगे लिबास में महसा अमीनी की तस्वीर के आगे बैठीं नरगिस ने साफ कहा, इस किताब के बाद मुझे दोबारा जेल और गंभीर नतीजे भुगतने पड़ सकते हैं, लेकिन इस देश और इलाके में हमारे जीवन की यही कड़वी हकीकत है। इन जुल्मों का पर्दाफाश करना और सच को सामने लाना मेरा पहला फर्ज है।' नरगिस मोहम्मदी फाउंडेशन के अनुसार, ईरानी शासन के खिलाफ मानवाधिकारों और महिला स्वतंत्रता की आवाज उठाने के लिए नरगिस को अब तक कुल मिलाकर 44 साल से अधिक की जेल और 154 कोड़ों की सजा सुनाई जा चुकी है। हालिया महीनों में उनके साथ हुई बर्बरता पर नार्वेजियन नोबेल कमेटी के अध्यक्ष जोर्गन वाल्ने फ्राइडनेस ने रोंगटे खड़े कर देने वाले खुलासे किए हैं। उन्होंने बताया है कि गिरफ्तारी के दौरान डंडों और लाठियों से उनके सिर पर इतना मारा गया और उन्हें बालों से घसीटा गया कि उनके सिर में गहरे खुले घाव हो गए। घायल हालत में उन्हें दो महीने तक तन्हाई बैरक में रखा गया, जहां न तो उन्हें परिवार से मिलने की इजाजत थी और न ही अपने वकीलों या डॉक्टरों से बात करने की। मार्च में जेल के भीतर उन्हें संदिग्ध दिल का दौरा पड़ा। उनका वजन 20 किलोग्राम गिर गया। अत्यधिक मानसिक तनाव के कारण दिल की बीमारी गहराने पर उन्हें 18 दिन अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। नरगिस की डायरी पन्नों ने कई खुलासे किए हैं जिनमें सीधा कत्ल करने के बजाय इंसान को मनोवैज्ञानिक और भावनात्मक रूप से तिल-तिल कर तोड़ना, व्यक्ति की पहचान, मानवीय गरिमा और सोचने-समझने की क्षमता को पूरी तरह कुचल देना।

संयुक्त राष्ट्र के बजट में 1 अरब डॉलर से ज्यादा की कटौती : ट्रंप प्रशासन

वॉशिंगटन , एजेंसी। ट्रंप प्रशासन ने कहा कि उसने संयुक्त राष्ट्र (यूएन) के बजट में 1 अरब डॉलर से ज्यादा की कटौती सुनिश्चित की। इसके साथ ही मुख्यालय के स्टाफ और शांति सैनिकों की संख्या में भी कमी की गई। यह बयान राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के अगले हफ्ते महासभा को संबोधित करने से पहले आया है। एक वरिष्ठ अमेरिकी अधिकारी ने पत्रकारों को बताया कि मुख्यालय के 3,000 पदों में कटौती की जा रही है और दुनिया भर में 25 प्रतिशत से अधिक शांति सैनिकों को वापस भेजा जा रहा है। प्रशासन ने इन कटौतियों को संयुक्त राष्ट्र के काम को सीमित करने और उसके संसाधनों को शांति और सुरक्षा पर केंद्रित करने के प्रयास के रूप में पेश किया। ब्रीफिंग में बचत, प्रभावित पदों या शांति अभियानों का पूरा ब्योरा नहीं दिया गया। अधिकारी ने कहा, 'अब संयुक्त राष्ट्र के बजट में एक अरब डॉलर से अधिक की कटौती की गई है।'

अधिकारी ने इन कटौतियों को संगठन के 80 साल के इतिहास में पहली बार बताया और इसका श्रेय ट्रंप और विदेश मंत्री को दिया। इस ऐतिहासिक दावे के साथ ब्रीफिंग के दौरान कोई आंकड़े नहीं दिए गए। अधिकारी ने कहा, 'हम इसे संयुक्त राष्ट्र को डाइट पर रखना कहते हैं।'

प्रशासन का तर्क है कि संगठन ने बहुत सारी जिम्मेदारियां ले ली हैं और उसे संघर्षों को सुलझाने पर ध्यान देना चाहिए। अधिकारी ने कहा कि बजट पर सहमति हासिल करने के लिए आम सहमति और व्यापक कूटनीतिक प्रयासों की जरूरत थी। अधिकारी को उम्मीद है कि ट्रंप अपने महासभा संबोधन में सुधारों पर चर्चा करेंगे, हालांकि भाषण की अंतिम सामग्री की घोषणा नहीं की गई थी। अधिकारी ने प्रशासन के इस कदम को संस्था को फिर से जीवित करने का अभियान बताया। उन्होंने कहा, 'हमने इसे मिलकर 'मुंगा', यानी 'मेक द यूएन ग्रेट अगेन' के रूप में रीब्रांड करने पर काम किया है। उन्होंने वार्षिक बैठक के कूटनीतिक महत्व का भी बचाव किया। मैनहट्टन में राष्ट्रपतियों, प्रधानमंत्रियों, विदेश मंत्रियों, व्यापारिक नेताओं और राजनयिकों के जमावड़े से ऐसे अवसर पैदा होते हैं जिन्हें कहीं और दोहराना मुश्किल है। अधिकारी ने पिछले साल की बैठक का जिक्र किया, जब ट्रंप ने खाड़ी देशों और पाकिस्तान, तुर्की और इंडोनेशिया सहित मुस्लिम बहुल देशों को एक साथ लाया था। उन्होंने उन चर्चाओं को बाद में हुए शर्म अल-शेख शांति समझौतों और ट्रंप की 20-सूत्रीय गाजा शांति योजना से जोड़ा।

उन्होंने कहा कि प्रशासन इस साल की बैठक का उपयोग मौजूदा समझौतों और अनसुलझे कूटनीतिक प्रयासों दोनों को आगे बढ़ाने के लिए करने की उम्मीद करता है। ट्रंप सोमवार दोपहर न्यूयॉर्क पहुंचेंगे और उस शाम ट्रंप टॉवर में राजनीतिक कार्यक्रमों में शामिल होंगे। वह मंगलवार सुबह महासभा को संबोधित करेंगे। उनके कार्यक्रम में ब्रिटिश और जापानी प्रधानमंत्रियों के साथ बैठकें और खाड़ी सहयोग परिषद (जीसीसी) के नेताओं के साथ एक बहुपक्षीय सत्र शामिल है। वह विश्व नेताओं के लिए एक स्वागत समारोह की मेजबानी भी करेंगे और वाशिंगटन लौटने से पहले वेनेजुएला के कार्यवाहक राष्ट्रपति से मिलेंगे।

होने वाले बच्चे के विकास पर असर डालता है सीलिएक रोग

गर्भवती महिलाएं बरतें सावधानियां

सिलिएक रोग एक अनुवांशिक ऑॅटोइनयुमिन रोग है, जो बच्चे के विकास को प्रभावित करता है। ऐसे में गर्भावस्था के दौरान यदि महिलाएं हाई फाइबर का सेवन करें और ग्लूटेन खाने से परहेज करें, तो वह अपने होने वाले बच्चे को इस रोग का खतरा कम हो सकता है।

सीलिएक छोटी आंत की बीमारी है या कहा जा सकता है कि यह कुछ खानपान से होने वाली एलर्जी है। जब खाना ग्लूटेन से निकलता है, तो यह आपके पाचन तंत्र को प्रभावित करता है, जिससे पाचन संबंधी समस्याएं होती हैं। सीलिएक रोग एक ऑॅटोइम्यून रोग है। सीलिएक रोग एक गंभीर रोग है। सीलिएक रोग गर्भवती महिलाओं से उनके होने वाले बच्चे के विकास पर भी असर डालता है। सिलिएक रोग के कारण बच्चे की ग्रोथ रूक जाती है, जैसे बच्चे की लंबाई पर इसका असर देखने को मिलता है। आइए जानते हैं कि क्या है सिलिएक रोग और इसके प्रमुख लक्षण।

क्या है सिलिएक रोग

सिलिएक रोग एक ऑॅटोइनयुमिन रोग है, जो कि छोटी आंत से जुड़ा रोग है। सीलिएक रोग प्रतिरक्षा प्रणाली की वजह से होने वाली बीमारी है, जो कि ग्लूटेन खाने की वजह से होती है, जिसमें कि शरीर की रोग प्रतिरोधक्षमता अपने ही शरीर के खिलाफ लड़ने लगती है और यह पाचन तंत्र को प्रभावित करती है। यह बीमारी गेहूं, जौ, ओट्स और अन्य साबुत अनाजों से होने वाली बीमारी है, क्योंकि गेहूं, जौ एवं ओट्स में ग्लूटेन नामक प्रोटीन पाया जाता है। सिलिएक रोग व्यक्ति की छोटी आंत को ही नुकसान नहीं पहुंचाता, बल्कि कई शारीरिक विकार भी पैदा करता है।

सिलिएक रोग के लक्षण

सिलिएक रोग मुख्यत: पेट की समस्याओं से जुड़ा है, लेकिन बच्चों में यह रोग उनके शारीरिक विकास पर भी बाधा डालता है। इस रोग के कुछ मुख्य लक्षण हैं जैसे- कब्ज, दस्त, पेट में दर्द या पेट का फूलना, थकान, सिर दर्द, उल्टी आना, बाल झड़ना या शरीर में निशान व दानें आना। इसके अलावा शरीर का वजन कम होना, हड्डियों की बीमारी, खून की कमी और बार-बार गर्भपात भी हो सकता है।

अपने आहार में अनाज के साथ ही फल और सब्जियों को करें शामिल

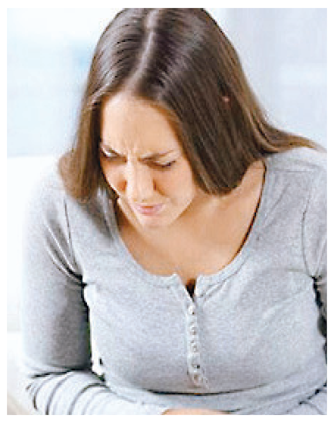

- गर्भावस्था के दौरान यदि महिलाएं यह सावधानी बरतें, तो वह अपने होने वाले बच्चे को सीलिएक रोग से दूर रख, इसके खतरे को कम कर सकती हैं। अध्ययन बताते हैं कि गर्भावस्था के दौरान यदि महिला फाइबर युक्त आहार का सेवन करती है तो वह उसके एवं आने वाले बच्चे के लिए फायदेमंद होता है।
- गभर्वती महिलाओं को गेहूं के आटे के बजाय बेसन का इस्तेमाल करना चाहिए।
- ऐसे में आपको अपने आहार में चावल, मक्का, ज्वार, बाजरा, दूध व दूध से बने उत्पाद और फल-सब्जियों को शामिल करना चाहिए। इससे आप स्वयं व अपने आने वाले बच्चे को सीलिएक रोग से बचाव कर सकते हैं।
- इसके अलावा साबुदाना की खिचड़ी, सिंगाड़े के आटे से बनने वाली रोटी, चिड़वा, मूंग दाल का हलवा और चीला खा सकते हैं, क्योंकि कई बार गर्भावस्था के दौरान कई कुछ खाने का मन होता है, तो आप चटपटी आलू की टिक्की या घर में बनी मावे की मिठाई व हलवा ले सकते हैं।
- अधिकतर प्रोस्टेट फूड्स में गेहूं, जौ या राई शामिल होता है। इसलिए इस पर लगे लेबल को जरूर देखें कि इसमें ग्लूटेन मात्रा शामिल है या नहीं।

इसके अलावा बियर से भी परहेज बरतें, क्योंकि इसमें भी गेहूं, जौ एवं राई शामिल होता है।

रेसिपी

वेजिटेबल फिंगर्स

सामग्री

- आलू: 3 (उबले और मैश किए हुए)
- गाजर: 1/2 कप (बारीक कटी हुई)
- मेथी: 1/4 कप
- बीन्स: 3-4 कप (बारीक कटी)
- नमक: स्वाद के अनुसार
- काली मिर्च: स्वाद के अनुसार
- ब्रेड क्रम्स: 1 कप
- तेल: तलने के लिए

विधि

सभी सामग्री को एक साथ बाउल में मिक्स कर लें और उन्हें फिंगर्स का शेप दें। अब कढ़ाही में तेल डालें और सुनहरा होने तक तल लें। तैयार हैं वेजिटेबल फिंगर्स।

हांडी पनीर

सामग्री

- पनीर: 200 ग्राम
- अदरक घिसा हुआ
- हल्दी: 1/2 चम्मच
- टमाटर:1
- लाल मिर्च पाउडर: 1/2 चम्मच
- गरम मसाला: 1/2 छोटा चम्मच
- काली मिर्च: चुटकीभर
- पानी: 1/2 कप
- प्याज: 3 बारीक कटे
- दही: 1/2 कप
- धनिया: बारीक कटी
- तेल: आवश्यकता के अनुसार
- नमक: स्वाद के अनुसार

विधि

हांडी में तेल गर्म होने के लिए रख दें, अब इसमें बारीक कटा प्याज डालकर भुनें। इसके बाद इसमें अदरक, हल्दी पाउडर, लाल मिर्च, गरम मसाला डाल दें। थोड़ी देर भुनने के बाद इसमें टमाटर, हरी मिर्च डालकर पकाएं। इसके बाद इसमें दही डालें और उसे तब तक सूखने तक चलाते रहें, इसके बाद इसमें नमक और पानी डालकर उबाल आने तक और पकाएं। अब बारी है इसमें पनीर मिक्स करने की। इसके बाद हरी धनिया डाल दें। सबसे बाद में काली मिर्च डालें और तैयार है आपका हांडी पनीर।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। सुबह-सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह बना रहेगा। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां पैदा होंगी। प्रसन्नता के साथ सभी जरूरी कार्य बनते नजर आएंग। मनोरथ सिद्धि का योग है। मेहमानों का आगमन होगा। शुभांक-3-6-8

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। सम्पत्ति से लाभ। शुभांक-4-6-8

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते है। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-2-4-6

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुखदायी समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। बुद्धितत्व की सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-4-6-7

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): मनोविनोद बढ़ेगे। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों से समागम भी होगा। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। शुभांक-2-4-6

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। स्थान परिर्वतन की संभावना हैं। शुभांक-3-5-7

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। यात्रा का योग है। शुभांक-3-5-6

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): कुछ एकाग्रता की प्रवृत्ति बनेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। शुभांक-4-5-7

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। परिवारजन का सहयोग काम को बनाना आसान करेगा। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। थोड़े प्रयास से कार्य सिद्ध होंगे। शुभ कार्य सम्पन्न होने से वातावरण आनन्द देने वाला बना रहेगा। शुभांक-2-4-6

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। आर्थिक लाभ हेतु किये गए कार्यों का तत्काल प्रतिफल मिलेगा। बौद्धिक उलझनें बनी रहेंगी। लाभमार्ग प्रशस्त होगा। नवीन उद्योगों के अवसर बढ़ेगे व अभिलाषाएं पूर्ण होगी। शुभांक-1-3-5

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। नैतिक दायरे में रहें। मेहमानों का आगमन होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। चिंतनीय वातावरण से मुक्ति मिलेगी। पारिवारिक विवाद टालें। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। शुभांक-2-6-9

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): शत्रुपक्ष पर आप हावी रहेंगे। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। यश-प्रतिष्ठा में वृद्धि व शिक्षा में परेशानी आ सकती है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। शुभांक-2-4-6

काकुरो पहेली - 2593

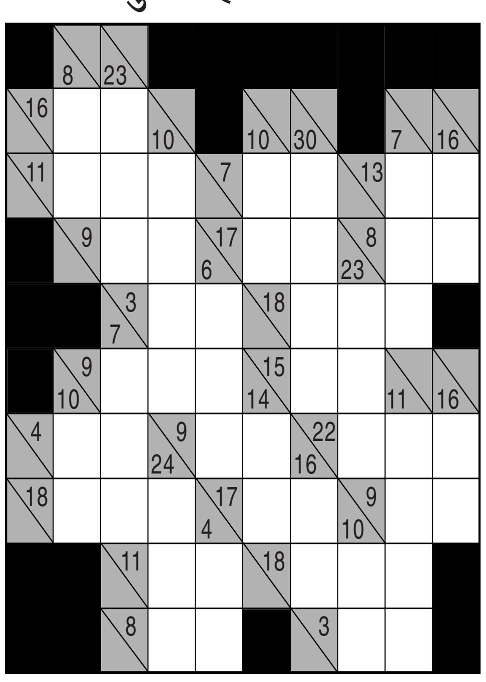

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

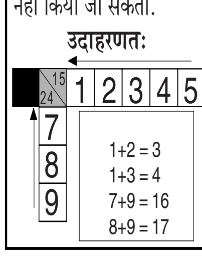

काकुरो - 2592 का हल

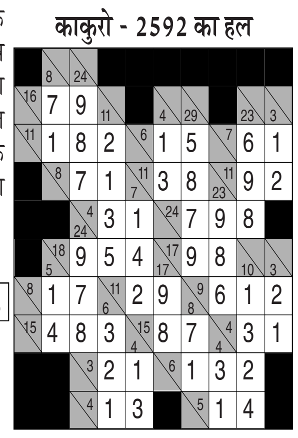

लॉफिंग ज़ोन

कर्नल के नौकर से किसी ने पूछा, 'तुम्हारे कर्नल साहब का मकान एकदम नाले के सामने है. ऊपर से वह छत पर बिना मच्छरदानी लगाए सोते हैं. क्या मच्छर उन्हें काटते नहीं?'

नौकर बोला, 'वो क्या है कि कर्नल साहब शाम को इतनी ज्यादा शराब पी लेते हैं कि आधी रात तक तो मच्छरों के काटने का उन्हें होश ही नहीं रहता.

आधी रात के बाद जब उन्हें होश आता है तब तक मच्छर इतने धुत्त हो चुके होते हैं कि उन्हें काटने का ही होश नहीं रहता.'

☺ ☺ ☺

जज (चोर से)-हां रामदीन, अदालत को बताओ कि तीन दिन से तुम बार-बार सुपर क्लॉथ हाउस का ही ताला क्यों तोड़ रहे थे?

चोर (जज से)-क्या बताऊं हुजूर पहले दिन तो मैं वहां अपनी बीवी के लिए साड़ी चुराने गया था, लेकिन मेरी चुराई साड़ियां उसे पसंद नही आई इसलिए दो दिन मुझे उन साड़ियों को बदलने जाना पड़ा.

☺ ☺ ☺

किरायेदार (मकान मालिक से)-जनाब, यह कैसा कमरा है? छत टपक रही है. कमरा तालाब बनता जा रहा है?

मकान मालिक - भैया, मैंने तो पहले ही बोल दिया था कि हर कमरे में पानी का माकूल इंतजाम है.

फिल्म वर्ग पहेली- 2593

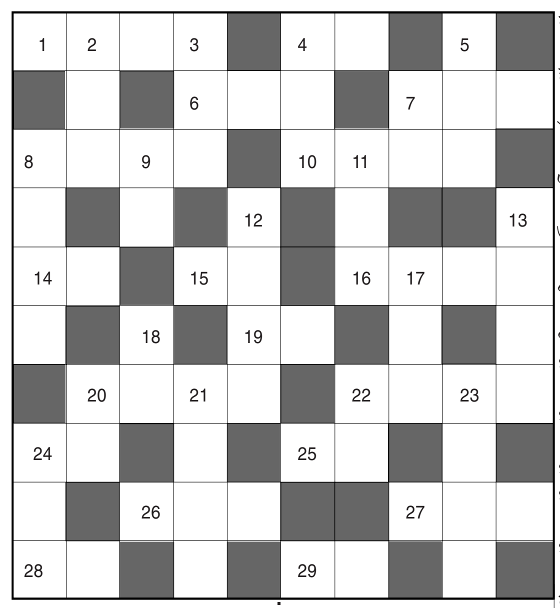

बायें से दायें:-

१. सैफ, चंद्रचूड़, प्रीति की 'इसे खेल ना समझो' गीत वाली फिल्म-१,३
४. 'एक लड़की जिसके' गीत वाली संजय दत्त, जैकी, रवीना की फिल्म-२
६. गोविंदा, रवीना टंडन की 'सासूजी थारो लल्ला' गीत वाली फिल्म-३
७. 'हम दिल दे चुके सनम' में सलमान की माँ की भूमिका किसने की थी-३
८. ऋषि कपूर, जूही चावला वाली फिल्म 'दरार' में सहनायक कौन था-४
१०. 'रंग दे रंग दे' गीत वाली फिल्म 'तक्षक' के संगीत निर्देशक कौन हैं-४
१४. राजकुमार, जीतेंद्र की फिल्म 'मेरे हुजूर' की नायिका कौन थी-२
१५. 'दिल है तुम्हारा' में अर्जुन रामपाल के किरदार का क्या नाम है-२
१६. राजेंद्रकुमार, बी. सरोजादेवी की 'जाना तुम्हारे प्यार में' गीत वाली फिल्म-४
१९. 'इस टूटे दिल' गीत वाली अनिल, अक्षय, ऐश्वर्या की फिल्म-२
२०. अक्षयकुमार, करिश्मा की 'माथे पे चमके इसके' गीत वाली फिल्म-४
२२. 'सोला किये थे' गीत वाली मिथुन, शिल्पा शिरोडकर की फिल्म-४
२४. आमिर खान, माधुरी की 'मुझे नींद न आये' गीत वाली फिल्म-२
२५. नाना पाटेकर, जैकी श्रॉफ, कुमार गौरव, जावेद, जूही की फिल्म-२
२६. राजकपूर, दिलीपकुमार की 'उठाये जा उनके' गीत वाली फिल्म-३
२७. 'ओ मेरे सनम ओ मेरे सनम' गीत वाली फिल्म-३
२८. राजेंद्रकुमार, माला सिन्हा की 'जिसके सपने हमें रोज' गीत वाली फिल्म-२
२९. 'जाने क्या होगा रामा रे' गीत वाली फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

२. आफताब, लिसा रे की 'कितना बेचैन हो के' गीत वाली फिल्म-३
३. 'तेरे बिना मैं कुछ' गीत वाली मिथुन, अतुल अग्निहोत्री, पूजा भट्ट की फिल्म-३
४. अमिताभ, जया भादुड़ी की 'यारी है ईमान मेरा' गीत वाली फिल्म-३
५. 'बोल गोरी बोल तेरा कौन पिया' गीत वाली सुनीलदत्त, नूतन की फिल्म-३
७. फिल्म 'रजिया सुल्तान' में शीर्षक भूमिका किसने की थी-२
८. अमिताभ, जया भादुड़ी की 'मीत ना मिला रे मन का' गीत वाली फिल्म-४
९. संजय दत्त, इंद्रकुमार, मनीषा की फिल्म-२
११. शॉवर अली, तरूण अरोड़ा, मेघना की 'तेरी चाहत में' गीत वाली फिल्म-३
१२. राजेश खन्ना, शबाना की 'चलो बुलावा आया है' गीत वाली फिल्म-४
१३. सनी, रजनीकांत, श्रीदेवी की फिल्म-४
१७. अजय, अक्षय, करिश्मा, नगमा की 'शाबा ये नखरा' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'ये मेरा दिल यार का दीवाना' गीत वाली अमिताभ, जीनत की फिल्म-२
२०. सनी, तब्बू, रीमा सेन की फिल्म-२
२१. 'दिल का तोहफा लाई हूँ' गीत वाली फिल्म-४
२२. आयशा, दिव्या भारती, कमल सदाना की 'तेरी मुहब्बत' गीत वाली फिल्म-२
२३. 'ये काली काली आँखें' गीत वाली फिल्म-४
२४. सनी, बॉबी, उर्मिला की फिल्म-३

फिल्म वर्ग पहेली- 2592

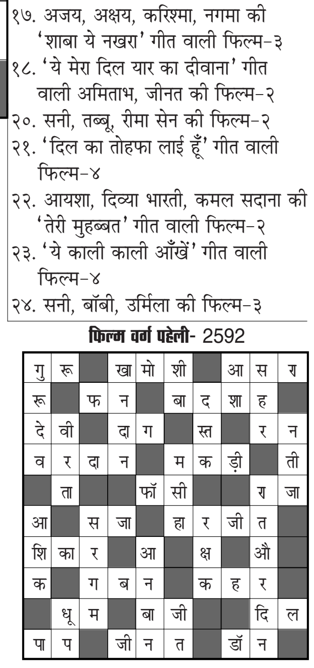

सूडोकु -2593

3				8				9
		8	6		9	5		
6	5			4			7	1
	4						2	
1	2			6			9	8
		6	4		5	8		
9				1				7

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -2592 का हल

2	3	8	5	1	9	6	4	7
9	6	4	7	3	8	2	5	1
5	1	7	4	6	2	8	3	9
3	2	5	1	9	7	4	6	8
1	8	9	6	4	3	7	2	5
4	7	6	2	8	5	1	9	3
6	4	3	8	5	1	9	7	2
8	9	2	3	7	4	5	1	6
7	5	1	9	2	6	3	8	4

शब्द पहेली - 2593

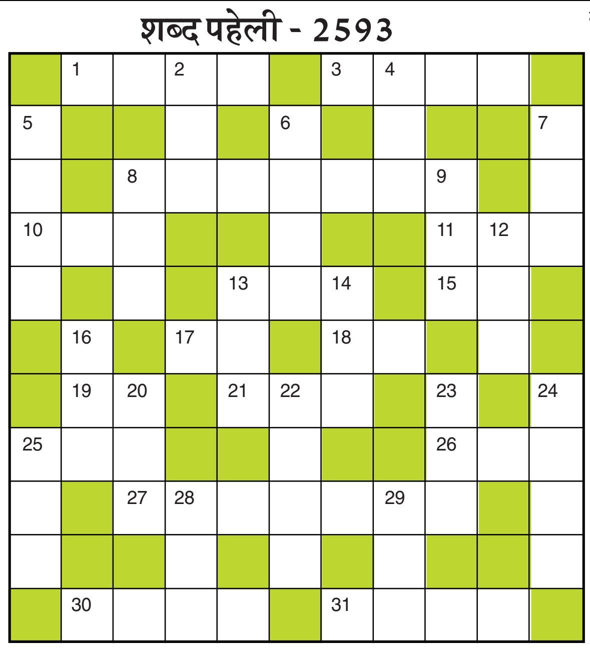

बाएँ से दाएँ

1.मरघट,कब्रिस्तान-4
3.पागल,बुद्धिहीन-4
8.भगवान,ईश्वर,खुदा-7
10.डांटना,दुत्कार-3
11.तरुण,किशोर-3
13.ओट,घूँघट-3
15.तपस्या-2
17.पराया,अजनबी-2
18.आनंद,मौज-2
19.सूर्य,भास्कर-2
21.चिंतन,सोच विचार-3
25.वेणी,फूलों की माला जो बालों में लगाते हैं-3
26.वैद्य-3
27.आभास करना-4,3
30.शिव के इस मंदिर को महमूद गजनवी ने कई बार लूटा था-2,2
31.युद्धघोष,आक्रमण, हमला-4

ऊपर से नीचे

2.कवि,गजलकार-3
4.भारत का झंडा-3
5.ईश्वर,भगवान-4
6.गुरुवार-4
7.दुर्ज,पापी,भूत-3
8.शरण,आश्रय-3
9.चांदी-3
12.उत्तराधिकारी-3
13.उत्कृष्ट,प्रधान-3
14.आंचल-3
16.कमल-3
20.रुकना,अंत, ठहराव-3
22.उत्तमता, खूबी (उर्दू-4)
23.बर्दाश्त करना, निभाना-3
24.आय, कमाई-4
25.उष्ण-3
28.पराजित करना-3
29.उपपत्नी,दूसरी पत्नी-3

शब्द पहेली -2592 का हल

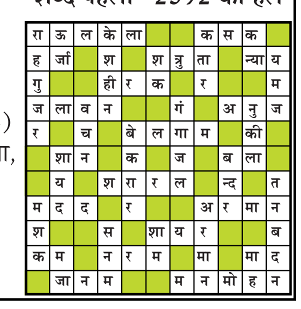

गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार छोटे शहरों तक हो : वी. श्रीनिवास

एजेंसी

जयपुर। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने कहा कि राजस्थान में स्वास्थ्य सेवाओं का भविष्य केवल नए अस्पताल बनाने तक सीमित नहीं है। राज्य को ऐसा सशक्त और एकीकृत स्वास्थ्य पारिस्थितिकी तंत्र विकसित करना होगा, जिसमें सुलभता, गुणवत्ता, किफायती उपचार, आधुनिक तकनीक, प्रशिक्षित मानव संसाधन और संस्थागत विश्वास का समावेश हो। प्रत्येक स्वास्थ्य नीति, संस्था, तकनीक और निवेश के केन्द्र में रोगी तथा उसका कल्याण होना चाहिए। मुख्य सचिव जयपुर में एसोसिएशन ऑफ हेल्थकेयर प्रोवाइडर्स (इंडिया) के राष्ट्रीय नेतृत्व सम्मेलन-2026 के समापन सत्र को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने 'अगले दशक के लिए राजस्थान की स्वास्थ्य व्यवस्था का निर्माण' विषय पर राज्य की भावी स्वास्थ्य कार्ययोजना प्रस्तुत की। श्रीनिवास ने कहा कि विकसित राजस्थान-2047 के संकल्प में सभी नागरिकों को सुलभ, किफायती और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने पर विशेष बल दिया गया है।

वाराणसी में मारा गया 30 लाख का इनामी नक्सली बृजेश गंझू

वाराणसी। उत्तर प्रदेश आतंकवाद निरोधक दस्ता (एटीएस) ने रविवार सुबह वाराणसी के रामनगर थाना क्षेत्र में मुठभेड़ के दौरान 30 लाख रुपये के इनामी कुख्यात नक्सली बृजेश गंझू उर्फ गोपाल सिंह को मार गिराया। बृजेश झारखंड के प्रतिबंधित नक्सली संगठन तृतीय प्रस्तुति कमेटी (टीपीसी) का कमांडर बताया गया है। वह राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) से जुड़े आतंकवादी वित्तपोषण के मामले में करीब आठ वर्षों से वांछित था। एटीएस के पुलिस उपाधीक्षक (डीएसपी) विपिन राय के मुताबिक, टीम को सूचना मिली थी कि बृजेश मोटरसाइकिल से रामनगर होते हुए मुगलसराय की ओर जाने वाला है। सूचना के आधार पर एटीएस की टीम ने इलाके में घेराबंदी की। कुछ देर बाद मोटरसाइकिल से पहुंचे बृजेश को टीम ने रोकने का प्रयास किया। आरोप है कि गिरफ्तारी से बचने के लिए उसने दोनों हाथों से पिस्टल से पुलिस टीम पर गोलीबारी शुरू कर दी।

केन्द्रीय मंत्री शिवराज सिंह ने विदिशा में किया जिला समृद्धि मॉडल परियोजना का शुभारंभ

विदिशा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में गांवों को गरीबी मुक्त बनाने की दिशा में एक नई पहल के रूप में विदिशा से जिला समृद्धि मॉडल परियोजना का पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर शुभारंभ हुआ। केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान शनिवार देर शाम विदिशा के रविन्द्रनाथ टैगोर सांस्कृतिक भवन ऑडिटोरियम में आयोजित कार्यक्रम में परियोजना का शुभारंभ किया।इस अवसर पर केन्द्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में गांवों को गरीबी से मुक्त करने के उद्देश्य से इस नई पहल की शुरुआत विदिशा जिले से की जा रही है। इसका मूल उद्देश्य गांवों में रहने वाले परिवारों की आय में वृद्धि करना तथा स्थानीय स्तर पर रोजगार और स्वरोजगार के अनेक अवसर उपलब्ध कराना है। केन्द्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि विदिशा जिले को आर्थिक रूप से मजबूत और आत्मनिर्भर बनाने के लिए 'समृद्ध विदिशा' मॉडल शुरू किया गया है। एक किसान के पास कम से कम दो आय के साधन होने चाहिए, ताकि उसकी कमाई बढ़ सके।

हिंदी युवा नाटकारों की संख्या में लगातार वृद्धि हो रही:सुमन कुमार

नई दिल्ली। संगीत नाटक अकादमी के उप सचिव सुमन कुमार ने यहां कहा कि हिंदी युवा नाटकारों की संख्या में लगातार वृद्धि हो रही है, जो हर्ष की बात है। कुमार ने यह बात शनिवार को दिल्ली स्थित श्री राम सेंटर के सामने संजना बुक्स के स्टॉल 'साहित्य के पेड़' पर आयोजित वरिष्ठ रंगकर्मी एवं नाटककार आलोक शुक्ला के चौथे नाट्य संग्रह 'पतझड़ के फूल और देखोना' पुस्तक का लोकार्पण के अवसर पर कही। किताब का लोकार्पण वरिष्ठ नाटककार प्रताप सहगल, नाटककार एवं समीक्षक राजेश कुमार, संगीत नाटक अकादमी के उप सचिव सुमन कुमार, रंग निर्देशक प्रदीप बाजपेयी, वरिष्ठ लेखिका शशि सहगल, अभिनेता श्रीकांत वर्मा, नाटककार अनिल ठाकुर तथा संजना बुक्स की निदेशक संजना तिवारी ने संयुक्त रूप से किया। सुमन कुमार ने हिंदी में नए नाटक नहीं लिखे जाने वाली आम धारणा को खारिज करते हुए कहा कि आलोक शुक्ला जैसे रचनाकार निरंतर सक्रिय हैं और रंगकर्मियों को इन समकालीन नाटकों को मंच पर लाना चाहिए।

मुख्यमंत्री मोहन यादव ने राहुल गांधी के कार्यक्रम पर साधा निशाना, कहा-

तथ्यों के बजाय 'झूठ की गूंज' सुनाई दी

एजेंसी

भोपाल। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के इंदौर में आयोजित 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम को लेकर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी अपने विषय के प्रति हमेशा की तरह लापरवाह नजर आए और तथ्यों के बजाय 'झूठ की गूंज' सुनाई दी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि कार्यक्रम कांग्रेस के एजेंडे के आधार पर जनता के बीच भ्रम फैलाने की दृष्टि से आयोजित किया गया। बच्चों और स्कूल शिक्षा जैसे विषयों पर बात करते समय तथ्यों को सामने रखना जरूरी है, लेकिन राहुल गांधी ने बिना तैयारी के बच्चों और युवाओं से संवाद किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्य प्रदेश में स्कूल शिक्षा के क्षेत्र में लगातार व्यापक कार्य हुआ है। सांदीपनि विद्यालयों सहित विभिन्न योजनाओं और पहलों के परिणामस्वरूप ड्रॉपआउट दर को शून्य तक लाने की दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति हुई है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2002-03 तक प्रदेश में ड्रॉपआउट दर लगभग 16 प्रतिशत थी। वर्ष 1956 से

2002-03 तक प्रदेश में अधिकांश समय कांग्रेस की सरकार रही। उस समय स्कूल शिक्षा का बजट लगभग दो हजार करोड़ रुपये था, जबकि आज यह बढ़कर 38,658 करोड़ रुपये हो गया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि कांग्रेस के शासनकाल में क्या बच्चों को गणवेश, आवागमन के लिए साइकिल, मेधावी विद्यार्थियों को लैपटॉप और स्कूटी जैसी सुविधाएं मिलती थीं? आज मध्यप्रदेश सरकार विद्यार्थियों की शिक्षा, सुविधाओं और उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य शिक्षा के क्षेत्र में भी मध्यप्रदेश ने उल्लेखनीय प्रगति की है। वर्ष 1956 से 2002-03 तक प्रदेश में केवल 5 मेडिकल कॉलेज थे। अटल जी की सरकार के समय प्रदेश को एक और मेडिकल कॉलेज मिला। आज प्रदेश में 33 मेडिकल कॉलेज संचालित हैं। मेडिकल कॉलेजों में लगभग 680 सीटों से बढ़कर आज 7 हजार से अधिक सीटें हो गई हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश की प्रति व्यक्ति आय में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। वर्ष 1956 से 2002-03 तक प्रति व्यक्ति आय लगभग 11 हजार रुपये थी, जो आज बढ़कर 1.59 लाख रुपये हो गई है। इसी प्रकार वर्ष 2002-03 तक प्रदेश में लगभग 5 हजार मेगावाट बिजली उत्पादन की क्षमता थी, जो आज लगभग 32 हजार मेगावाट हो गई है। उन्होंने कहा कि रोजगार के क्षेत्र में भी मध्यप्रदेश निरंतर आगे बढ़ रहा है। पुलिस विभाग में लगभग 18 हजार पदों पर भर्ती की जा रही है, जिनमें करीब 10 हजार युवाओं को प्रशिक्षण देकर पुलिस सेवा से जोड़ा जा चुका है।

'लोकतंत्र में हार-जीत चलती रहती है'

डूसू चुनाव नतीजों पर बोले कांग्रेस सांसद गुरजीत सिंह औजला

एजेंसी

अमृतसर। दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ (डीयूएसयू) चुनाव के परिणामों और उसमें कांग्रेस की छात्र इकाई एनएसयूआई के प्रदर्शन को लेकर अमृतसर से कांग्रेस सांसद गुरजीत सिंह औजला की प्रतिक्रिया सामने आई है। बातचीत करते हुए उन्होंने चुनाव नतीजों को सहजता से स्वीकार किया और कहा कि लोकतंत्र में चुनावी हार और जीत एक निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है। दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ चुनाव में एनएसयूआई को मिले झटके को लेकर पूछे गए सवाल के जवाब में सांसद औजला ने कहा कि छात्र और मतदाता अपनी समझ से निर्णय लेते हैं। लोकतंत्र में जनता या मतदाताओं का जो भी फैसला या जनादेश होता है, उसे पूरी विनम्रता से स्वीकार करना चाहिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि चुनावी परिणाम चाहे पक्ष में हों या विपक्ष में, एक राजनीतिक व लोकतांत्रिक संगठन के रूप में जनता के फैसले का हमेशा सम्मान किया जाना चाहिए और संगठन आगे भी छात्रों के मुद्दों को लेकर काम करता रहेगा। इसी बातचीत के दौरान सांसद औजला ने पंजाब के मौजूदा हालात और बिगड़ती कानून-व्यवस्था को लेकर भी राज्य सरकार पर कड़ा हमला बोला। उन्होंने राज्य में पुलिसकर्मियों और सुरक्षा बलों पर हो रहे हमलों व ग्रेनेड घटनाओं का हवाला देते हुए कहा कि प्रदेश में स्थिति बेहद चिंताजनक हो चुकी है। उन्होंने आरोप लगाया कि कमजोर नेतृत्व और प्रशासनिक विफलता के चलते अपराधियों के हौसले बुलंद हैं। राज्य में हालिया एनकाउंटर की घटनाओं पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि पुलिस को अपनी ड्यूटी मुस्तैदी से निभानी चाहिए और कानून का उल्लंघन करने वाले अपराधियों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाना चाहिए। उन्हें कानून के तहत सख्त से सख्त सजा मिलनी चाहिए। इसके साथ ही, विश्व शांति दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित शांति यात्रा के संदर्भ में उन्होंने कहा कि आज के दौर में शांति और सद्भाव बनाए रखना सबसे महत्वपूर्ण है।

डीपीएनजी से जुड़ें आम नागरिक, स्वच्छ और सुरक्षित ऊर्जा को मिलेगा बढ़ावा : विनय पाटनी

एजेंसी

जयपुर। राज्य सरकार के संयुक्त उपक्रम राजस्थान स्टेट गैस के प्रबंध निदेशक विनय पाटनी ने कहा है कि केन्द्र व राज्य सरकार का फोकस एलपीजी कनेक्शनों को डीपीएनजी कनेक्शनों में शिफ्ट करना है इसके लिए आरएसजीएल सहित सीजीडी संस्थाओं द्वारा आधारभूत संरचना के तेजी से विस्तार और विस्तारित क्षेत्र में प्राथमिकता से डीपीएनजी सहित औद्योगिक व व्यावसायिक कनेक्शन जारी करने के समन्वित प्रयास किये जा रहे हैं। उन्होंने आमनागरिकों से डीपीएनजी सुविधा से जुड़ने का आग्रह किया। एमडी विनय पाटनी ने आरएसजीएल के 14 वें स्थापना दिवस पर बधाई देते हुए कहा कि हरित और स्वच्छ उर्जा के साथ ही डीपीएनजी सुरक्षित, सहज उपलब्ध और 24 गुणा 7

सेवा सुविधा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश की सीजीडी संस्थाओं द्वारा करीब 2 लाख परिवारों को डीपीएनजी सेवाओं से जोड़ा जा चुका है। आरएसजीएल द्वारा गत तीन माह में ही करीब 4500 नए परिवारों को डीपीएनजी सेवाओं से जोड़ा है। 66 व्यावसायिक कनेक्शन जारी किये हैं। आरएसजीएल के उप महाप्रबंधक सीपी चौधरी, विवेक श्रीवास्तव ने कहा कि घरेलू डीपीएनजी कनेक्शन जारी करने के साथ ही हॉस्टल्स, होटल्स, मल्टीस्टोरी बिल्डिंग्स, व्यावसायिक प्रतिष्ठानों और औद्योगिक प्रतिष्ठानों को डीपीएनजी सेवाओं से जोड़ने के लिए प्राथमिकता से संरचना विकसित की जा रही है और उपलब्ध संरचना क्षेत्र में कनेक्शन जारी किये जा रहे हैं। आरएसजीएल के मुख्य वित अधिकारी दीशांशु पारीक और उपप्रबंधक आईटी गगनदीप राजोरिया, सीएस विनिता सोनी, मीडिया प्रभारी राजेन्द्र शर्मा स अधिकारी व कार्मिकों ने भी वर्चुअली हिस्सा लिया।

दिल्ली के पर्यावरण मंत्री और जिला अधिकारियों ने वायु प्रदूषण को कम करने के उपायों की समीक्षा की

बैठक में कई स्तरों वाली प्रवर्तन रणनीति की रूपरेखा तैयार की गई

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली के पर्यावरण मंत्री मंजिंदर सिंह सिरसा ने चार जिला मजिस्ट्रेटों के साथ वायु प्रदूषण से निपटने के उपायों पर अलग-अलग समीक्षा बैठकें कीं। इन बैठकों में आने वाले महीनों में हवा की गुणवत्ता में सुधार लाने पर जोर दिया गया। एक बयान के अनुसार, मंत्री ने अधिकारियों के साथ जिला-स्तरीय रणनीतियों पर चर्चा की। इसमें प्रदूषण के स्रोतों की पहचान करना, सुधारात्मक उपायों में तालमेल बिठाना और हवा की गुणवत्ता में स्थायी सुधार लाना शामिल था। बयान में कहा गया है कि बैठक में कई स्तरों वाली प्रवर्तन रणनीति की रूपरेखा तैयार की गई। इसमें जमीनी स्तर पर निगरानी करने वाली समर्पित टीमें, चौबीसों घंटे निगरानी, हॉटस्पॉट-विशिष्ट उपाय और धूल प्रदूषण, बायोमास जलाने, अनधिकृत औद्योगिक गतिविधियों और प्रदूषण के अन्य स्थानीय स्रोतों के खिलाफ समन्वित कार्रवाई शामिल है। सिरसा ने जिला प्रशासन को निर्देश दिया कि वे एक्यूआई निगरानी स्टेशनों से मिलने वाले डेटा के आधार पर प्रदूषण हॉटस्पॉट की पहचान करें की गतिविधियां, अनधिकृत पार्किंग, खुली या बिना ढकी जगहें, बायोमास और कचरा जलाना, तथा प्रदूषण के अन्य स्थानीय कारण शामिल हैं। अधिकारी हर हॉटस्पॉट की जांच एक खास तरीके से करेंगे, जिसमें 3 किलोमीटर के दायरे में प्रदूषण फैलाने वाली गतिविधियां भी

और उन्हें मैप करें। बयान के अनुसार, इन जगहों का आकलन कई स्रोतों के आधार पर किया जाएगा, जिनमें सड़क की धूल, ट्रैफिक जाम, वाहनों से निकलने वाला धुआं, निर्माण और तोड़-फोड़ शामिल होंगी, जहां भी यह लागू हो। इसके आधार पर, प्रदूषण कम करने के उपाय, जिम्मेदार एजेंसी और समय-सीमा बताते हुए एक एक्शन प्लान तैयार किया जाएगा। संबंधित विभागों और एजेंसियों से 'एक्शन टेकन रिपोर्ट' (एटीआर) भी मांगी गई, जिसमें उठाए गए कदम, मौजूदा स्थिति, जगह, सबूत, लंबित मुद्दे और काम पूरा करने की समय-सीमा की जानकारी हो। मंत्री अगले 15 दिनों में प्रगति की समीक्षा करेंगे। सिरसा ने पूर्वी, उत्तर-पूर्वी, दक्षिण-पूर्वी और दक्षिणी जिलों के अधिकारियों के साथ अलग-अलग समीक्षा बैठकें कीं। इन बैठकों में इलाके के विधायक, जिला मजिस्ट्रेट (डीएम), पुलिस उपायुक्त (डीसीपी), एमसीडी के उपायुक्त और संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे। बैठकों के दौरान, अधिकारियों ने जिले के हिसाब से रोडमैप तैयार करने और हवा के प्रदूषण के स्थानीय स्रोतों से निपटने के लिए जमीनी स्तर पर कार्रवाई को मजबूत करने पर चर्चा की।

डूसू चुनाव में 3-0 से जीत को एबीवीपी ने बताया जेनजी की जीत

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ (डूसू) चुनाव 2026 में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) ने तीन प्रमुख पदों पर जीत दर्ज की। अध्यक्ष पद पर यश डबास, सचिव पद पर रिया छावड़ी और संयुक्त सचिव पद पर लक्ष्यराज सिंह विजयी रहे। सचिव पद पर जीत हासिल करने वाली रिया छावड़ी ने बातचीत में कहा कि यह जेन जी की जीत है और ऐसी सोच की जीत है, जो विकसित भारत और राष्ट्रवाद से जुड़ी है। यह उन युवाओं की जीत है, जिन्हें भ्रमित करने की लगातार कोशिश की गई। रिया छावड़ी ने जीत पर खुशी जताते हुए संगठन, छात्रों, अपनी टीम और परिवार के सदस्यों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि जेन जी से जुड़े विभिन्न विरोध-प्रदर्शनों के बीच भी युवाओं का समर्थन एबीवीपी के साथ रहा, जिसके कारण संगठन ने तीन सीटों पर जीत दर्ज की।डूसू अध्यक्ष पद पर चुनाव जीतने वाले यश डबास ने कहा कि मैं खुद जेन जी हूं और झूठी बातें फैलाने वालों के लिए यह एक साफ संदेश है। जेन जी देश के साथ है और जेन जी एबीवीपी के साथ है।

उन्होंने कहा कि उनकी पहली प्राथमिकता दिल्ली विश्वविद्यालय के सभी पीजी और हॉस्टल का सेफ्टी ऑडिट करवाना होगी। उन्होंने कहा कि भविष्य में किसी छात्र के साथ सत्य निकेतन जैसी घटना न हो, इसके लिए सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा जरूरी है। यश डबास ने हॉस्टल में बेड की क्षमता का भी जिक्र किया।

उन्होंने कहा कि 2015 में दिल्ली विश्वविद्यालय के हॉस्टलों में बेड की क्षमता करीब 5,700 थी, जो अब बढ़कर 12,000 से अधिक हो गई है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी परिषद इस क्षमता को बढ़ाकर एक लाख छात्रों तक पहुंचाने की दिशा में काम करने की मांग जारी रखेगी।

आरपीएफ स्थापना दिवस के अवसर पर केंद्रीय मंत्री गडकरी और सीएम योगी समेत कई नेताओं ने दी बधाई

एजेंसी

नई दिल्ली। रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) की स्थापना दिवस के अवसर पर केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सहित कई नेताओं ने बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी की ओर से सोशल मीडिया पर लिखा गया, 'रेल यात्रा को सुगम व सुरक्षित बनाने के लिए प्रतिबद्ध आरपीएफ के जवानों को रेलवे सुरक्षा बल के स्थापना दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं।' उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की ओर से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट करते हुए लिखा गया, 'राष्ट्र की जीवन रेखा 'भारतीय रेल' एवं करोड़ों यात्रियों की सुरक्षा में रत 'रेलवे सुरक्षा बल' के स्थापना दिवस पर सभी वीर जवानों और उनके परिजनों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। 'यशो लभस्व'

सूत्रवाक्य आपकी सत्यनिष्ठा, अटूट समर्पण व कर्तव्यपरायणता का प्रतीक है। हमें आप पर गर्व है। 'हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी ने 'एक्स' पोस्ट पर लिखा, 'रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) के स्थापना दिवस पर देश की रेल सुरक्षा में समर्पित सभी वीर जवानों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। आपकी सतर्कता, कर्तव्यनिष्ठा और समर्पण के कारण देशवासियों की रेल यात्रा सुरक्षित एवं निर्बाध रहती है। राष्ट्रसेवा के प्रति आपके समर्पण को नमन। ' दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा, 'रेलवे सुरक्षा बल के स्थापना दिवस पर आरपीएफ के सभी जवानों और उनके परिवारजनों को हार्दिक शुभकामनाएं। करोड़ों रेल यात्रियों की सुरक्षा हो, संकट में किसी यात्री की सहायता हो या रेलवे संपत्तियों की रक्षा, आरपीएफ के हमारे जवान सदैव सेवा और कर्तव्य की भावना से तत्पर रहते हैं। आपकी सजगता, साहस और सेवाभाव सुरक्षित रेल यात्रा के प्रति देश के विश्वास को और मजबूत करते हैं। ' राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने 'एक्स' पर पोस्ट कर लिखा, 'अविचल दृढ़ता, निरंतर सतर्कता और सतत प्रयास से भारतीय रेल यात्रा को सुगम व सुरक्षित बनाने में तत्पर 'रेलवे सुरक्षा बल' के स्थापना दिवस की हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं! रेलवे की सुरक्षा एवं यात्रियों की सेवा में आरपीएफ जवानों का समर्पण, साहस और कर्तव्यनिष्ठा सराहनीय है। आपकी सजगता और प्रतिबद्धता भारतीय रेल को सुरक्षित एवं सुदृढ़ बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दे रही है। '

पत्रकार पायल मेहता की मौत पर पीएम मोदी और रक्षा मंत्री समेत कई नेताओं ने जताया शोक

एजेंसी

नई दिल्ली। वरिष्ठ पत्रकार पायल मेहता के निधन पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, शिक्षा मंत्री प्रह्लाद जोशी समेत अन्य वरिष्ठ नेताओं ने शोक जताया है। जानकारी के अनुसार, मुंबई यात्रा के दौरान पायल मेहता को बेचैनी महसूस हुई। शनिवार और रविवार की मध्य रात्रि करीब 2 बजे उन्हें अस्पताल ले जाया गया। इलाज शुरू होने से पहले ही उनकी मौत हो गई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक्स पोस्ट में कहा, 'पायल मेहता एक मेहनती पत्रकार थीं जो जमीन से जुड़ी रहीं और अपनी रिपोर्टिंग में राष्ट्रीय मुद्दों की गहरी समझ लेकर आईं। अपने काम के अलावा, उन्हें उस दयालुता और स्नेह के लिए याद किया जाएगा जिसके साथ उन्होंने हमेशा सारे लोगों के जीवन को प्रभावित किया। उनका अचानक और असमय निधन बेहद दुखद है। उनके परिवार, दोस्तों और सहयोगियों के प्रति मेरी संवेदनाएं।

ईश्वर उन्हें इस कठिन समय में हिम्मत दे। ओम शांति। ' रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने एक्स पर लिखा, 'पत्रकार पायल मेहता के असमय निधन की खबर सुनकर गहरा सदमा और दुख हुआ। वह बहुत जल्दी हमें छोड़कर चली गईं। पायल एक बेहद मेहनती और समर्पित पत्रकार थीं, जिन्होंने पूरी निष्ठा और प्रोफेशनलिज्म के साथ संसद की कार्यवाही को कवर किया। संसद सत्र के दौरान, वह सुबह से देर रात तक मौजूद रहती थीं, बिना थके कार्यवाही पर नजर रखती थीं और अद्भुत समर्पण के साथ अपना काम करती थीं। इस मुश्किल घड़ी में उनके परिवार और दोस्तों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं हैं। ईश्वर उन्हें इस अपूरणीय क्षति को सहने की शक्ति दे। ओम शांति। '

शिक्षा मंत्री प्रह्लाद जोशी ने एक्स पर पोस्ट किया, 'पायल मेहता के असमय निधन से मुझे गहरा सदमा और दुख पहुंचा है। पायल को उनके शांत स्वभाव, पत्रकारिता के प्रति गहरी समझ, सोच-समझकर पूछे गए सवालों और अपने काम के प्रति उनकी ईमानदारी के लिए याद किया जाएगा। संसदीय मामलों से जुड़े मेरे कार्यकाल के समय से ही हमारी लंबी बातचीत हुआ करती थी। पत्रकारिता में उनके योगदान को हमेशा याद किया जाएगा। उनके परिवार, दोस्तों और सहयोगियों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएँ। ईश्वर उन्हें इस अपूरणीय क्षति को सहने की शक्ति और साहस प्रदान करें। ' रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने एक्स पर लिखा, 'पत्रकार और प्रिय मित्र पायल मेहता के असामयिक निधन से गहरा दुख हुआ है। रिपोर्टिंग के प्रति उनका समर्पण अनुकरणीय था। ' असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने एक्स पर लिखा, 'मुंबई में पत्रकार पायल मेहता के निधन की खबर सुनकर गहरा सदमा लगा और बहुत दुख हुआ। मैं उन्हें लंबे समय से जानता था। वह बहुत जिंदादिल थीं और जो भी काम करती थीं।

सरनेम धारण करने से जिम्मेदारी और परिपक्वता नहीं आती : गजेन्द्र सिंह शेखावत

एजेंसी

जोधपुर। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने राहुल गांधी पर तीखा हमला बोला और कहा कि किसी का सरनेम धारण कर लेने भर से उस सरनेम से जुड़ी विरासत, परिपक्वता और जिम्मेदार आचरण हासिल नहीं किया जा सकता। रविवार को मीडिया से बातचीत में शेखावत ने कहा कि राहुल गांधी ने अपने ही देश के प्रधानमंत्री को लेकर जिस तरह की गैर-जिम्मेदाराना हरकतें सार्वजनिक मंच पर कीं, वह अशोभनीय भी हैं और निंदनीय भी। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी के पुराने व्यवहार को देखते हुए उनका यह आचरण कोई नई बात नहीं है। शेखावत ने कहा कि आप सरनेम किसी से चुरा सकते हो, लेकिन उस सरनेम के साथ जुड़ी लीगेसी, परिपक्वता और

जिम्मेदारीपूर्ण आचरण का व्यवहार केवल सरनेम धारण करने से हासिल नहीं कर सकते। कांग्रेस द्वारा नगर निगम चुनाव में हाइब्रिड तकनीक के माध्यम से राजेंद्र सोलंकी को उम्मीदवार बनाए जाने के सवाल पर शेखावत ने कहा कि यह नियम-कायदे के दायरे में है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने सत्ता में रहते हुए शायद इसी उद्देश्य से नियमों में संशोधन किया होगा। उन्होंने कहा कि शहर के मतदाता पहले ही अपना मानस व्यक्त कर चुके हैं। नगर निगम बोर्ड के लिए चुने गए सदस्यों ने भी अपना रुख स्पष्ट कर दिया है। ऐसे में, चुनाव को लेकर जनता और निर्वाचित प्रतिनिधियों की भावना से नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।शेखावत ने हाल में झूठ और अफवाहें फैलाने की कोशिशों को लेकर भी कांग्रेस पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि दो दिन पहले भी इस तरह की कोशिश की गई थी। रात में थाना रातानाडा जाकर एक हाईवोल्टेज पॉलिटिकल ड्रामा खड़ा करने का प्रयास किया गया, लेकिन सुबह होते-होते वह पटाखा फुस्स हो गया। उन्होंने कहा कि राजनीतिक माहौल को अनावश्यक रूप से गरमाने और झूठ-अफवाहों के जरिए भ्रम पैदा करने की कोशिशें जनता के सामने ज्यादा देर तक टिक नहीं सकतीं।

भारतीय महिला बैडमिंटन टीम ने क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई

कजाखस्तान को हराया

नागोया । भारत ने एशियन गेम्स 2026 के महिला बैडमिंटन टीम इवेंट के पहले दौर में कजाखस्तान को 3-0 से हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली। भारत ने 90 मिनट के भीतर ही मुकाबला अपने नाम कर लिया। तीनों भारतीय खिलाड़ियों ने अपने-अपने मुकाबले सीधे गेम में जीते।

भारत ने बैडमिंटन के महिला टीम स्पर्धा में कमजोर रैंकिंग वाले कजाखस्तान को 3-0 से हराकर रविवार को एशियाई खेलों के क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली। अब उसके सामने मेजबान जापान की कड़ी चुनौती होगी। इचिनोमिया सिटी म्यूनिसिपल जिम्नेजियम में भारत की स्टार खिलाड़ी पीवी सिंधु, उन्नति हुड्डा और तन्वी शर्मा ने बिना कोई गेम गंवाए मुकाबला अपने नाम किया।

भारत ने जीते शुरुआती तीन मुकाबले- विश्व रैंकिंग में 11वें स्थान पर काबिज सिंधु ने पहले मुकाबले में कमिला स्मागुलोवा को महज 24 मिनट में 21-7, 21-9 से शिकस्त दी। कजाखस्तान की कमिला की विश्व रैंकिंग 426 है। इसके बाद विश्व की 24वें नंबर की खिलाड़ी उन्नति ने अलिस्सा कुलेशोवा (विश्व रैंकिंग 866) को 22 मिनट में 21-7, 21-10 से हराया। विश्व रैंकिंग में 26वें स्थान पर मौजूद तन्वी शर्मा ने डायना नामेनोवा (विश्व रैंकिंग 1067) को 21-5, 21-10 से हराकर भारत की जीत पर मुहर लगा दी।

भारत के सामने जापान की कड़ी चुनौती

भारत को अब मेजबान जापान के खिलाफ भारत को कहीं कड़ी परीक्षा से गुजरना होगा। जापान की टीम में विश्व की शीर्ष 10 रैंकिंग वाली तीन महिला एकल खिलाड़ी हैं। इसमें अकाने यामागुची (नंबर तीन), टोमोका मियाजाकी (नंबर सात) और नोजोमी ओकुहारा (नंबर 10) शामिल है। भारत 2023 के हांगझोउ एशियाई खेलों में क्वार्टर फाइनल में थाईलैंड से हारकर खाली हाथ लौट आया था। संभावित मुकाबलों में सिंधू का सामना यामागुची से, जबकि उन्नति का मुकाबला मियाजाकी से हो सकता है। वहीं महिला युगल में भारत की ट्रीसा जॉली और गायत्री गोपीचंद की जोड़ी का सामना जापान की विश्व नंबर तीन जोड़ी युकी फुकुशिमा और मायू मात्सुमोतो से होने की संभावना है।सिंधू ने आगामी मुकाबलों में टीम टीम से अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद जताते हुए कहा, हमारी टीम अच्छी है और जापान भी मजबूत टीम है। इसलिए मुकाबला कड़ा होने वाला है। हर मैच महत्वपूर्ण है और यह एक अच्छा मुकाबला होगा। हम पूरी उम्मीद के साथ उतरेंगे और उम्मीद है कि जीत हमारी होगी।

संक्षिप्त समाचार

डेविस कप

भारत का अंतिम-8 में जगह बनाने का टूटा सपना, कोरिया ने दर्ज की ऐतिहासिक जीत

सियोल । डेविस कप के नए फॉर्मेट में पहली बार 'अंतिम 8' में पहुंचने वाले पहले एशियाई देश बनने का भारत का सपना टूट गया। शनिवार को सियोल में खेले गए क्वालीफायर राउंड-2 मुकाबले में कोरिया ने भारत को 3-1 से हराकर जीत हासिल की। इस साल की शुरुआत में नीदरलैंड को हराने के बाद भारत के पास इतिहास रचने का मौका था, लेकिन शुरुआती दोनों सिंगल्स मैच हारने के बाद टीम मुश्किल स्थिति में आ गई। डबल्स मैच में शानदार प्रदर्शन से भारत ने कुछ देर के लिए मुकाबले में वापसी की उम्मीद जगाई, लेकिन कोरिया ने चौथे मैच में जीत के साथ मुकाबला अपने नाम कर लिया। दक्षिणेश्वर सुरेश और एन श्रीराम बालाजी की जोड़ी ने कोरियाई जोड़ी को 6-3, 3-6, 6-3 से हराकर भारत को नई उम्मीद दी। दूसरा सेट हारने के बाद भारतीय जोड़ी ने जोरदार वापसी की। उन्होंने तनावपूर्ण निर्णायक सेट में संयम बनाए रखा और महत्वपूर्ण ब्रेक हासिल किया, जिससे वे मैच के लिए सर्विस करने की स्थिति में आ गए। भारत को मुकाबला जीतने के लिए बाकी दोनों सिंगल्स मैच अपने नाम करने थे, जिससे सुमित नागल पर दबाव बढ़ गया। हालांकि, कोरिया के सूनवू क्वोन ने रिवर्स सिंगल्स के अहम मैच में शानदार खेल दिखाया और नागल को वापसी का कोई मौका नहीं दिया।

सुब्रतो कप यू-17

मिनर्वा पब्लिक स्कूल ने गुजरात को 4-0 से रौंदा

चंडीगढ़ । 65वें सुब्रतो कप इंटरनेशनल फुटबॉल टूर्नामेंट (जूनियर बॉयज अंडर-17) में मिनर्वा पब्लिक स्कूल (सीआईएससीई का प्रतिनिधित्व) का विजय अभियान लगातार जारी है। नई दिल्ली के पीपीएफजी ग्राउंड पर खेले गए मैच-डे 4 के मुकाबले में मिनर्वा ने एकतरफा प्रदर्शन करते हुए गुजरात को 4-0 से करारी शिकस्त दी। इस शानदार जीत के साथ मिनर्वा ने टूर्नामेंट में लगातार चौथे मैच में क्लीन शीट हासिल करने का रिकॉर्ड बनाया। चार मैचों के बाद मिनर्वा की टीम कुल 30 गोल दाग चुकी है, जबकि उनके खिलाफ अब तक एक भी गोल नहीं हुआ है। सुबह 8 :30 बजे शुरू हुए इस मुकाबले में दोनों टीमों की रणनीतियों में स्पष्ट अंतर दिखा। मिनर्वा ने अपने आक्रामक 4-3-3 फॉर्मेशन के साथ शुरुआत की, जिसमें गोलकीपर रंजन के आगे साइलेक्स, चिंगखेई, टोनी और सामटे ने रक्षापंक्ति की कमान संभाली। मिडफील्ड में मूसा, के. चेतन और चेतन ने खेल की गति तय की और अटैकिंग लाइन के महेश, योहेनबा और राज को लगातार मौक़े बनाए।

वहीं, गुजरात की टीम डिफेंसिव 5-4-1 लो-ब्लॉक फॉर्मेशन के साथ उतरी, जिसका उद्देश्य मिनर्वा के हमलों को रोकना था। हालांकि, मिनर्वा के आक्रामक हाई-प्रेस ने महज 6वें मिनट में ही गुजरात के डिफेंस को तोड़ दिया।

एशियन गेम्स: सेमीफाइनल में बांग्लादेश को 114 रन से हराया

फाइनल में भारत की बेटियां

निशिन। एशियन गेम्स 2026 के महिला क्रिकेट इवेंट में महिला एशिया कप 2026 की पुनरावृत्ति हो गई है। महिला एशिया कप 2026 की तरह ही एशियन गेम्स 2026 महिला क्रिकेट का फाइनल मुकाबला भारतीय टीम और श्रीलंका के बीच होगा। रविवार को खेले गए दूसरे सेमीफाइनल में भारतीय टीम ने बांग्लादेश को 114 रन से हराकर फाइनल में जगह बनाई। कोरोगी स्पोर्ट्स पार्क में खेले गए मुकाबले में भारतीय टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया था। टीम इंडिया ने सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा के विस्फोटक शतक की बदौलत 4 विकेट पर 195 रन बनाए थे। शेफाली ने मात्र 49 गेंदों पर शतक लगाया।

यह उनके अंतरराष्ट्रीय टी20 करियर का पहला शतक था। शेफाली ने 49 गेंदों पर 9 छक्कों और 3 चौकों की मदद से नाबाद 100 रन की पारी खेली। इस शतक के साथ ही शेफाली ने मंधाना के सबसे तेज टी20 शतक के भारतीय महिला क्रिकेटर के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली। मंधाना ने 2018 में न्यूजीलैंड के खिलाफ 49 गेंदों में ही शतक लगाया था। शेफाली के अलावा, स्मृति मंधाना ने 19 गेंदों पर 2 छक्कों और 5 चौकों की मदद से 37 और कप्तान हरमनप्रीत कौर ने 33 गेंदों पर 6 चौकों की मदद से 40 रन की पारी खेली। बांग्लादेश के लिए मारूफा अख्तर, संजीदा अख्तर, राबिया खान और नाहिदा अख्तर ने 1-1 विकेट लिए। 196 रन का लक्ष्य हासिल करने उतरी बांग्लादेश की पूरी टीम 15.4 ओवर में 81 रन पर सिमट गई।

सर्वाधिक 24 रन ओपनर दिलारा अख्तर ने बनाए। भारतीय टीम की तरफ से नंदिनी शर्मा और दीप्ति शर्मा ने 3-3 विकेट लिए। श्री चरणी को 2 विकेट मिला। क्रांति गौड़ और श्रेयांका पाटिल ने 1-1 विकेट लिए।

एशियन गेम्स

चमारी अथापट्टू ने खेली कप्तानी पारी

श्रीलंका ने सेमीफाइनल में पाकिस्तान को 8 विकेट से हराया

निशिन। कोरोगी स्पोर्ट्स पार्क में खेले गए एशियन गेम्स 2026 के पहले सेमीफाइनल मुकाबले में श्रीलंका महिला क्रिकेट टीम ने पाकिस्तान को 8 विकेट से हराकर फाइनल में जगह बना ली। श्रीलंकी कप्तान चमारी अथापट्टू जीत की हीरो रहीं। श्रीलंका ने टॉस जीतकर गेंदबाजी का फैसला किया था। पहले बल्लेबाजी करने उतरी पाकिस्तान ने 20 ओवर में 4 विकेट के नुकसान पर 177 रन बनाए थे। पाकिस्तान के लिए सलामी बल्लेबाज शावाल जुल्फिकार ने 50 गेंदों पर 2 छक्कों और 3 चौकों की मदद से 54 रन की पारी खेली। चौथे नंबर पर बल्लेबाजी करने उतरी आयशा जफर ने तूफानी अर्धशतक लगाया। आयशा 40 गेंदों पर 2 छक्कों और 9 चौकों की मदद से 71 रन बनाकर रन आउट हुईं। आयशा के रन आउट होने से पाकिस्तान का

निश्चित रूप से कुछ रन पीछे रह गया। कप्तान फातिमा सना ने 12 गेंदों पर नाबाद 20 और सायरा जबीन ने 14 गेंदों पर 17 रन बनाए थे। श्रीलंका के लिए सुगंदिका कुमारी, कप्तान अथापट्टू और काव्या काविंदी ने 1-1 विकेट लिए।

शैफाली वर्मा ने लगाया T20I करियर का पहला शतक, स्मृति मंधाना को छोड़ा पीछे; 6 बड़े रिकॉर्ड्स किए अपने नाम

शैफाली वर्मा ने बांग्लादेश के खिलाफ एशियन गेम्स 2026 के दूसरे सेमीफाइनल मुकाबले में अपने टी20आई क्रिकेट करियर का पहला शतक लगाने में सफलता हासिल की। शैफाली ने अपना पहला टी20आई शतक 118वें मैच में लगाया और नाबाद 100 रन की पारी खेली। ये शैफाली के टी20आई करियर का बेस्ट स्कोर भी रहा साथ ही अपनी इस पारी के दम पर उन्होंने कई बड़े रिकॉर्ड अपने नाम किए। यही नहीं उन्होंने टी20आई में भारत की तरफ से सबसे ज्यादा छक्के लगाने का रिकॉर्ड अपने नाम किया और स्मृति मंधाना पीछे छोड़ दिया।

शैफाली ने तोड़ा स्मृति का रिकॉर्ड- शैफाली ने अपनी शतकीय पारी के दौरान 9 छक्के लगाए और वो भारतीय महिला टीम की तरफ से टी20आई में सबसे ज्यादा छक्के लगाने के मामले में स्मृति से आगे आ गईं। शैफाली ने अब तक कुल 104 छक्के लगाए हैं जबकि मंधाना ने कुल 100 छक्के लगाए हैं। हालांकि ओवर ऑल शैफाली इस मामले में चौथे नंबर पर आ गईं।

एशियन गेम्स: भारतीय महिला हॉकी टीम ने उज्बेकिस्तान को 19-0 से हराया

दीपिका ने 8 गोल किए

काकामिगाहारा। भारतीय महिला हॉकी टीम ने रविवार को गिफू प्रीफेचुरल ग्रीन स्टेडियम में अपने पूल बी के पहले मैच में उज्बेकिस्तान पर 19-0 से रौंदकर एशियन गेम्स 2026 में अपने सफर की शुरुआत धमाकेदार अंदाज में की। भारतीय टीम की जीत में सबसे बड़ी स्टार बनकर दीपिका उभरीं। दीपिका ने 8 गोल किए। इसके अलावा, इशिका ने 3, लालथंतलुआंगी और नेहा ने 2-2 गोल किए। बलजीत कौर, नवनीत कौर, लालरेमसियामी और साक्षी राणा ने 1-1 गोल किया। दीपिका की हैट्रिक की बदौलत भारतीय महिला टीम ने जोरदार प्रदर्शन किया, और हाफ-टाइम तक वे उज्बेकिस्तान के खिलाफ 8-0 से आगे थीं। ब्रेक के बाद, भारत उज्बेकिस्तान को गोल करने का कोई मौका नहीं देने के मूड में नहीं लग रहा था, और दीपिका एक बार फिर अपने सबसे अच्छे फॉर्म में थीं, उन्होंने लगातार चार गोल करके भारत की बढ़त को 13-0 कर दिया।

एशियन गेम्स: गोल्ड मेडल का बचाव करने उतरेगी भारतीय पुरुष हॉकी टीम, दमदार फॉर्म को बरकरार रखना चाहेंगी भारत की बेटियां

काकामिगाहारा । भारतीय पुरुष और महिला हॉकी टीमें रविवार से एशियन गेम्स 2026 में अपने अभियान की शुरुआत करेंगी। हाल ही में हुए वर्ल्ड कप में दोनों टीमों का प्रदर्शन अलग-अलग रहा था, लेकिन अब उनका लक्ष्य एशियन गेम्स में बेहतर खेल दिखाकर अच्छे नतीजे हासिल करना होगा। वर्ल्ड कप में आठवें स्थान पर रहने के बाद पूल ए में शामिल भारतीय पुरुष टीम काकामिगाहारा के गिफू प्रीफेक्चुरल ग्रीन स्टेडियम में इंडोनेशिया के खिलाफ अपने गोल्ड मेडल को बचाने का अभियान शुरू करेगी। वहीं, वर्ल्ड कप में शानदार प्रदर्शन के बाद महिला टीम पूल बी के अपने पहले मैच में इसी स्टेडियम में उज्बेकिस्तान का सामना करेगी। एशियन गेम्स में इस खेल के लिए एक अतिरिक्त प्रोत्साहन भी है। गोल्ड मेडल जीतने वाली टीमों को ओलंपिक 2028 का टिकट मिल जाएगा। हरमनप्रीत सिंह की कप्तानी वाली पुरुष टीम और सलीमा टेटे की कप्तानी वाली महिला टीम, दोनों के ही दिमाग में यह बात जरूर होगी। हाल ही में हुए वर्ल्ड कप में भारतीय पुरुष टीम सेमीफाइनल में नहीं पहुंच पाई थी। टीम का प्रदर्शन निराशाजनक रहा था और टीम ने आठवें स्थान पर रहते हुए टूर्नामेंट का अंत किया था। अब वे एशियन गेम्स में उस अभियान की कमियों को दूर करने की कोशिश कर रहे हैं, जिस पर कोच क्रेग फुल्टन ने भी जोर दिया है।

पहले ही दिन भारत की चांदी

महिला 10 मीटर एयर राइफल टीम ने जीता रजत; मुर्मू-शाह ने दी बधाई

नई दिल्ली। एशियन गेम्स 2026 में भारत ने अपने पदकों का खाता खोल लिया है। महिला 10 मीटर एयर राइफल टीम स्पर्धा में एलावेनिल वलारिवन, सोनम उत्तम मस्कर और विदर्सा के विनोद की तिकड़ी ने रजत पदक अपने नाम किया। टीम के इस प्रदर्शन पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने खिलाड़ियों को बधाई दी और कहा कि उनकी उपलब्धि ने खेलों में भारत का पदक खाता खोल दिया है।

भारतीय टीम ने क्वालिफिकेशन में कुल 1898.0 अंक हासिल किए और दूसरे स्थान पर रहते हुए रजत पदक जीता। चीन ने 1904.2 के कुल स्कोर के साथ स्वर्ण पदक हासिल किया, जबकि मेजबान जापान 1897.1 अंक के साथ कांस्य पदक जीतने में सफल रहा।

सोनम ने किया शानदार प्रदर्शन

भारत की ओर से सोनम उत्तम मस्कर ने क्वालिफिकेशन में सबसे बेहतर प्रदर्शन किया। उन्होंने 634.1 अंक हासिल कर तीसरा स्थान हासिल किया। एलावेनिल वलारिवन 633.5 अंक के साथ सातवें स्थान पर रहीं। वहीं विदर्सा के विनोद ने 630.4 अंक हासिल किए और व्यक्तिगत रैंकिंग में 12वें स्थान पर रहीं। तीनों के संयुक्त प्रदर्शन ने भारत को टीम स्पर्धा में रजत पदक दिलाया।

घातकः घुस के मारेगा के जरिए फिर साथ आएंगे सनी-संतोषी

सनी देओल और राजकुमार संतोषी की जोड़ी हाल ही में 'बंटवारा 1947' के जरिए लंबे समय बाद साथ आई। फिल्म को दर्शकों का मिला-जुला रिस्पॉन्स मिला। यह बंटवारे के दर्द से निकली एक इमोशनल कहानी थी। अब एक्टर और डायरेक्टर फिर से अपनी पुरानी फिल्म 'घातक' की सफलता को दोहराने का मन बना चुके हैं। हाल में इसकी चर्चा भी हुई थी कि दोनों फिर साथ आ सकते हैं। अब इस खबर पर मुहर भी लग चुकी है। संतोषी ने खुद 'घातक: घुस के मारेगा' टाइटल के साथ नई फिल्म की पुष्टि की है। नई फिल्म को लेकर रोचक बात ये है कि इसमें सनी 'घातक' वाले किरदार में ही नजर आएंगे, लेकिन फिल्म को उसका सीक्वल नहीं बताया गया है। सनी का वही किरदार नई कहानी और नए संदर्भ में लौटेगा। संतोषी के अनुसार इस किरदार का संबंध भी बनारस से ही है।

सनी की फिल्म के अलावा संतोषी अपनी 1994 की कल्ट कॉमेडी 'अंदाज अपना अपना' भी ला रहे हैं। नई फिल्म का टाइटल 'अदा अपनी अपनी' होगा। हालांकि यह सीक्वल नहीं होगी। निर्देशक के मुताबिक, इसकी कहानी अलग होगी, लेकिन कॉमेडी और एडवेंचर का जॉनर वही रहेगा। फिल्म में आमिर खान और सलमान खान की वापसी होगी या नहीं, इस पर उन्होंने अभी कुछ साफ नहीं किया है।

'बाप' और 'गबरू' के जरिए भी सनी का दिखेगा नया रूप

सनी के खाते में कुछ और फिल्में भी हैं। जिनकी झलक हाल फिलहाल में दूसरी फिल्मों के शोज में टीजर के जरिए सामने आई हैं। इनमें फिल्म 'बाप' शामिल है, जो लंबे समय से अटकी हुई थी। वहीं 'बंटवारा 1947' के साथ ही सिनेमाघरों में दिखाया गया सनी की फिल्म 'गबरू' का टीजर भी चर्चा में हैं। शशांक उदापुरकर के निर्देशन में बनी इस फिल्म में सनी के साथ सिमरन और प्रीत कमानी नजर आएंगी। यह फिल्म उनके दिल के काफी करीब भी है। संतोषी ने यह भी बताया कि वह सनी के साथ सिर्फ इसी फिल्म पर ही काम नहीं कर रहे हैं, बल्कि उनके पास सनी के साथ दो-तीन और कहानियां कतार में हैं। इनमें एक फिल्म में सनी अमेरिका में रहने वाले सरदार के किरदार में दिखेंगे। वहीं 'जाट' के सीक्वल 'जाट 2' को लेकर भी संतोषी ने स्थिति साफ की है कि 'जाट 2' का निर्देशन वह नहीं करेंगे।

'मॉन्स्टर' से अलग है मेरी फिल्म

पैन इंडिया एक्शन ड्रामा 'ओरिजिनल मॉन्स्टर' की शूटिंग शुरू होने से पहले ही फिल्म का टाइटल रिवील पोस्टर और 65 सेकंड का मोशन पोस्टर जारी किया गया। इसमें डॉ. शिवराजकुमार का अब तक का सबसे खौफनाक और हिंसक अवतार नजर आ रहा है। पोस्टर पर 'शूट बिगिन्स, वॉर बिगिन्स' लिखा है। टाइटल की घोषणा के साथ ही सोशल मीडिया पर सलमान खान की आगामी फिल्म 'मॉन्स्टर' से इसकी तुलना शुरू हो गई। दोनों फिल्मों के नाम में समानता को लेकर चल रही बहस पर शिवराजकुमार ने साफ किया कि दोनों फिल्मों की कहानियां अलग हैं। उन्होंने कहा... 'यह शिवा बनाम सलमान नहीं है, हम एक हैं।' शिवराजकुमार कहते हैं... 'अगर भगवान की मर्जी रही तो हम साथ काम करेंगे। शायद सलमान और मैं इस बारे में आगे कभी विचार करें।'

ऐसी कहानियों का हिस्सा बनना चाहती हूं जो समाज से जुड़े जरूरी सवाल उठाएं

'थप्पड़' जैसी फिल्म में काम कर चुकीं अभिनेत्री नायला ग्रेवाल ऐसी कहानियों का हिस्सा बनना चाहती हैं, जो समाज से जुड़े जरूरी सवाल उठाएं। उनका मानना है कि महिलाओं से जुड़े मुद्दों को सिनेमा में लगातार जगह मिलनी चाहिए। आईएएनएस संग बातचीत में नायला ने कहा कि फिल्मों में जब महिलाओं की जिंदगी, उनकी परेशानियों और उनके अधिकारों से जुड़ी बातें सामने आती हैं, तो उन पर समाज में बातचीत भी शुरू होती है। नायला ने कहा, ''महिलाओं से जुड़े मुद्दे मेरे लिए काफी मायने रखते हैं। मैं इस विषय को लेकर खुद काफी जागरूक हूं और ऐसी फिल्म में काम करना चाहती हूं, जो महिलाओं से जुड़े मुद्दों को विस्तार से दिखाए। पिछले कुछ सालों में इस तरह की फिल्मों की संख्या में थोड़ी कमी आई है और अब पहले की तरह महिलाओं से जुड़े जरूरी विषयों पर पर्याप्त फिल्में देखने को नहीं मिल रही हैं।'' नायला ने इस दौरान 'थप्पड़' फिल्म की को-स्टार तापसी पन्नू की भी तारीफ की। उन्होंने कहा, ''मैं खुद को खुशकिस्मत मानती हूं कि मुझे 'थप्पड़' जैसी फिल्म में काम करने का मौका मिला। अनुभव सिन्हा के निर्देशन में बनी इस फिल्म में तापसी ने घरेलू हिंसा और एक थप्पड़ के जरिए रिश्ते में सम्मान और बराबरी जैसे मुद्दों को सामने रखा था। तापसी ने अपने करियर में कई ऐसी फिल्मों का हिस्सा बनकर महिलाओं से जुड़े मुद्दों को सामने लाने की कोशिश की है।'' अभिनेत्री ने तापसी की आने वाली फिल्म 'गांधारी' का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा, ''यह फिल्म बच्चों की तस्करी जैसे मुद्दे पर बात करती है और महिलाओं से जुड़े मुद्दों को सामने लाने की अहमियत बताती है। मैं खुद भी ऐसी फिल्मों का हिस्सा बनना चाहती हूं, जो इस सोच को आगे बढ़ाएं और लोगों को इन मुद्दों के बारे में सोचने पर मजबूर करें।'' इसी बात को आगे बढ़ाते हुए नायला ने महिलाओं की एक-दूसरे के प्रति जिम्मेदारी पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा, ''महिलाओं को दूसरी महिलाओं का साथ देना चाहिए और उन्हें आगे बढ़ने का मौका देना चाहिए। अगर महिलाएं ही एक-दूसरे को सपोर्ट नहीं करेंगी, तो फिर इस बदलाव की शुरुआत कौन करेगा।

प्रलय में कैमियो नहीं, बल्कि अहम भूमिका में हैं कल्याणी

कल्याणी प्रियदर्शन ने अपने चर्चित हिंदी डेब्यू प्रोजेक्ट 'प्रलय' की शूटिंग शुरू होने की जानकारी दी है। 'लोकाह' फेम एक्ट्रेस ने सोशल मीडिया फिल्म की स्क्रिप्ट के फ्रंट पेज की झलक शेयर करते हुए बताया कि वह इन दिनों मुंबई में रणवीर सिंह के साथ शूटिंग में बिजी हैं। उन्होंने बताया कि इस बार ओणम पर वह तस्वीरें शेयर नहीं कर पाईं, क्योंकि वह पूरी तरह 'प्रलय' की शूटिंग में उलझी हुई हैं। बता दें कि इस फिल्म का निर्देशन जय मेहता कर रहे हैं, जो बतौर निर्देशक डेब्यू कर रहे हैं। इसकी स्क्रिप्ट जय और 'लुटेरे' फेम विशाल कपूर ने लिखी है। कल्याणी फिल्म में कैमियो नहीं, बल्कि अहम भूमिका में नजर आएंगी। रिपोर्ट्स के मुताबिक, फिल्म का बड़ा हिस्सा ऑस्ट्रेलिया में शूट किया जाएगा। पहला शेड्यूल दिवाली तक चल सकता है।

फिल्म 'कॉलेज फेस्ट' में दिखाई देंगी रिया चक्रवर्ती

रिया चक्रवर्ती एक बार फिर अभिनय की दुनिया में सक्रिय नजर आ रही हैं। हाल ही में उन्होंने रियलिटी शो 'द ट्रेटर्स इंडिया' के दूसरे सीजन में हिस्सा लेकर काफी चर्चा बटोरी थी। अब उनके हाथ एक नई फिल्म लगी है, जिसमें वह मुख्य भूमिका निभाने वाली हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक... 'इस फिल्म का नाम 'कॉलेज फेस्ट' है और इसका निर्माण रहा है। फिल्म में रिया चक्रवर्ती के साथ पूरव झा भी मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। दोनों कलाकार फिल्म के लिए अपनी शूटिंग पूरी कर चुके हैं। इसमें आशीष चंचलानी भी एक महत्वपूर्ण भूमिका में दिखाई देंगे। 'कॉलेज फेस्ट' की कहानी कॉलेज के छात्रों के आसपास घूमती है। हालांकि यह आम कॉलेज फिल्म जैसी नहीं होगी। हाल ही में रिया ने 'द ट्रेटर्स इंडिया 2' में 'द वायरल फीवर' यानी टीवीएफ कर हिस्सा लेकर काफी चर्चा बटोरी थी।

नए शो 'सयोनी' में नजर आएंगी रश्मि देसाई; बताया क्यों ठुकरा रहीं थीं ऑफर्स

एक्ट्रेस रश्मि देसाई करीब 8 साल से टीवी से दूर थीं। उन्हें पॉपुलर शो 'उतरन' से काफी पहचान मिली थी। अब इतने लंबे अंतराल के बाद एक बार फिर एक्ट्रेस छोटे पर्दे पर वापसी कर रही हैं। रश्मि देसाई करीब आठ साल बाद टीवी पर नजर आएंगी। रश्मि नए शो 'सयोनी' में माया का किरदार निभाती दिखाई देंगी। शो में उनके साथ जाह्नवी सोनी और गौतम सिंह विग भी मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे। टीवी पर वापसी को लेकर रश्मि ने बताया कि वह सिर्फ पर्दे पर वापस आने के लिए किसी शो का हिस्सा नहीं बनना चाहती थीं। वह ऐसे किरदार और कहानी की तलाश में थीं, जिससे वह खुद को जोड़ सकें। इसी वजह से उन्होंने पिछले कुछ समय में कई ऑफर्स को ठुकरा दिया। रश्मि ने कहा कि एक कलाकार के तौर पर उनके पास काम के कई मौके आते हैं, लेकिन सिर्फ लगातार काम करते रहना और स्क्रीन पर नजर आना ही जरूरी नहीं है। उनके मुताबिक, कलाकार को ऐसा काम करना चाहिए जिसे लोग लंबे समय तक याद रखें। रश्मि को लगता है कि 'सयोनी' की कहानी में वही खास बात है और इसकी कहानी कलाकारों से भी बड़ी है। अपने किरदार माया के बारे में बात करते हुए रश्मि ने बताया कि यह सिर्फ एक काल्पनिक किरदार नहीं है, बल्कि काफी व्यावहारिक है। अभिनेत्री के मुताबिक, हर कलाकार ऐसा किरदार निभाना चाहता है, जिसे खूबसूरती से लिखा गया हो।

राम गोपाल वर्मा के साथ फिल्म बनाएंगे मोहित सूरी

साल 2025 में आई मोहित सूरी निर्देशित फिल्म 'सैयारा' ने सिनेमाघरों में खूब बवाल काटा था। अब वे एक और फिल्म के साथ हाजिर होने वाले हैं। मोहित सूरी नई फिल्म राम गोपाल वर्मा के साथ बनाएंगे। रामू ने बड़े ही रोचक अंदाज में फिल्म की जानकारी फैंस के साथ साझा की है। राम गोपाल वर्मा और मोहित सूरी एक नई फिल्म पकाने वाले हैं। फिल्म के लिए पकाने जैसा शब्द इसलिए इस्तेमाल किया है, क्योंकि इन्होंने अपनी नई फिल्म का एलान ही कुछ इस अंदाज में किया, मानो कोई व्यंजन पेश करने वाले हैं। राम गोपाल वर्मा ने अपने एक्स अकाउंट से एक पोस्ट साझा किया है। उन्होंने अपनी और मोहित सूरी की एक तस्वीर शेयर की है। इसके साथ कैप्शन लिखा है, 'मैं और 'सैयारा' वाले मोहित सूरी अगली फिल्म साथ में पका रहे हैं। एक लव डिश जो गैंगस्टर करी से भरपूर होगी।

एलान के साथ फैंस उत्साहित

फिलहाल तो दोनों फिल्म मेकर्स ने एक छोटा सा अपडेट देकर फैंस का उत्साह बढ़ा दिया है। उम्मीद है कि जल्द ही वे पूरी जानकारी भी साझा करेंगे।

मोहित सूरी ने जताई खुशी

मोहित सूरी ने भी अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर यह फो री-शेयर की और RGV के लिए अपना लगाव जाहिर किया। उन्होंने लिखा, 'उनकी फिल्में देखने और फिल्ममेकर बनने का सपना देखने से लेकर... उनके साथ फिल्म बनाने तक...और वो भी खुद 'OG गैंगस्टर' राम गोपाल वर्मा के साथ फिल्म बनाने का सपना मिला है। कुछ सफर सच में पूरे हो जाते हैं। यह बात सीधे दिल से निकल रही है'।

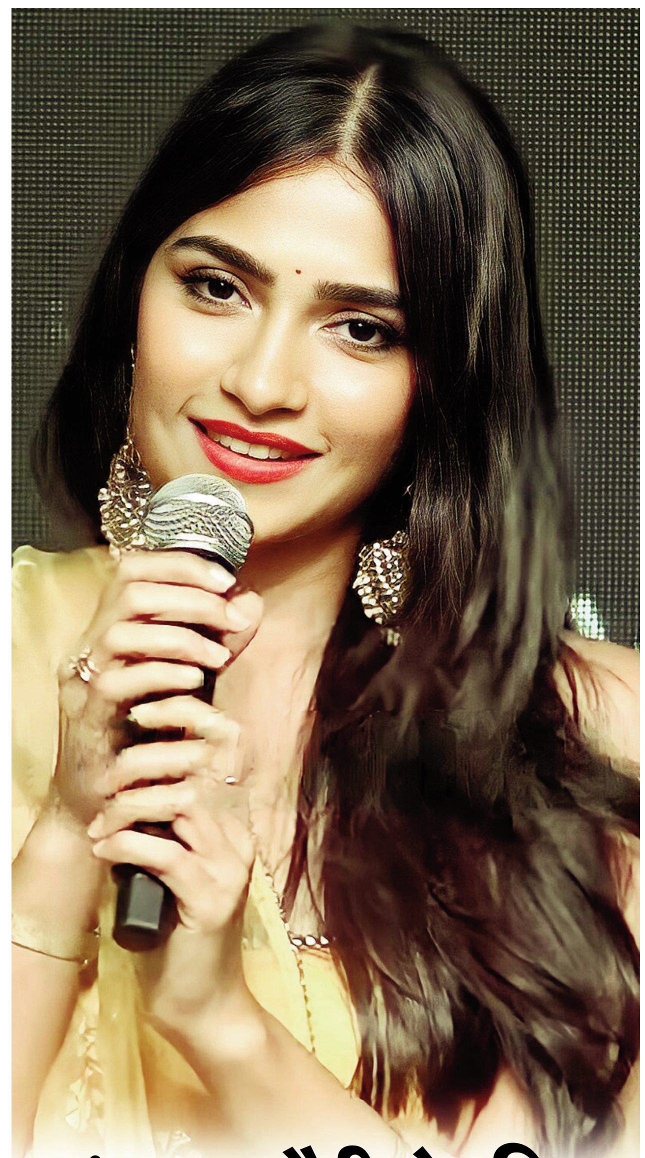

मंगला गौरी के लिए रुक्मिणी वसंत ने पहनी खाकी

रुक्मिणी वसंत अपनी अपकमिंग कन्नड़ फिल्म मंगला गौरी में एकदम अलग अंदाज में नजर आने वाली हैं। राहुल पीके के डायरेक्शन में बन रही इस फिल्म को राहुल पीके और पूजा सुधीर ने लिखा है। फिल्म के फर्स्ट लुक में रुक्मिणी पुलिस यूनिफॉर्म में स्कूटर पर बैठी नजर आ रही हैं, जिससे ऑडियंस को उनके नए कैरेक्टर की पहली झलक मिलती है। उनके साथ फ्रेम में वेटरन एक्ट्रेस मालाश्री भी नजर आ रही हैं। दोनों लीडिंग लेडीज़ की यह जोड़ी एक ऐसी कहानी का हिस्सा है, जिसमें दो अलग-अलग जनरेशन की एक्ट्रेसेज़ को सेंटर स्टेज पर लाया गया है। अपनी नुआन्स्ड परफॉर्मेंसेज़ और नेचुरल स्क्रीन प्रेज़ेन्स के लिए जानी जाने वाली रुक्मिणी ने अपने फिल्मी सफर में लगातार अलग-अलग तरह के कैरेक्टर्स को एक्सप्लोर किया है। मंगला गौरी में एक्ट्रेस खाकी पहनकर एक ऐसे रोल में कदम रख रही हैं, जो उन्हें अब तक के बिल्कुल अलग सेटिंग में पेश करता है। यह फिल्म फिल्ममेकर हेमंत एम राव के साथ उनकी दूसरी कोलाइबोरेशन भी है। इससे पहले दोनों सप्त सागरदाचे एलो में साथ काम कर चुके हैं। वहीं चक्कह प्रोडक्शंस के साथ यह उनकी दूसरी एसोसिएशन है, इससे पहले वह टॉक्सिक का हिस्सा रह चुकी हैं। मालाश्री के साथ रुक्मिणी की पेयरिंग इस प्रोजेक्ट को और भी इंटरेस्टिंग बनाती है। दो अलग-अलग जनरेशन की दो डिस्टिंक्टिव परफॉर्मर्स का साथ आना फिल्म के लिए एक अलग ही क्यूरियोसिटी क्रिएट करता है। केवीएन प्रोडक्शंस और दक्षिणायनी टॉकीज के बैनर तले बन रही मंगला गौरी में म्यूजिक मिधुन मुकुंदन का है, सिनेमैटोग्राफी श्रीवत्सन सेल्वाराजन ने संभाली है और एक्शन कोरियोग्राफी विक्रम मोर की है। फिल्म को वेंकट के नारायण और हेमंत एम राव ने प्रोड्यूस किया है। फिल्म की 75 प्रतिशत शूटिंग पूरी हो चुकी है और बाकी इसका काम कम्प्लीशन की ओर बढ़ रहा है।

खूबसूरत ऐतिहासिक शहर कच्छ

गुजरात विकास के लिए ही नहीं पर्यटन के लिए भी मशहूर है और यहां के कच्छ के बारे में तो कहा जाता है कि कच्छ नहीं देखा तो कुछ नहीं देखा। कच्छ गुजारात का एक खूबसूरत ऐतिहासिक शहर है। कहा जाता है कि अगर कच्छ नहीं देखा तो गुजरात की यात्रा अधूरी है। पर्यटकों को लुभाने के लिए यहां बहुत कुछ है। पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए हर साल कच्छ महोत्सव आयोजित किया जाता है। यहां का ज्यादातर भाग रेतीला और दलदली है।

कच्छ गुजरात का सबसे मशूहर पर्यटक स्थल है। कच्छ में आपको गुजरात की असली छाप देखने को मिलेगी। कच्छ में आपको ऐतिहासिक इमारतें जखाऊ, कांडला और मुन्द्रा बंदरगाह है। जिले में अनेक ऐतिहासिक इमारतें, मंदिर, मस्जिद, हिल स्टेशन और कई खूबसूरत पर्यटन स्थल है। कच्छ में हर साल कच्छ महोत्सव आयोजित किया जाता है। कच्छ का ज्यादातर हिस्सा रेतीला और दलदली है। यहां की सफेद रेत पर चलने का एक अलग ही मजा है।

कच्छ बीच-भुज से करीब 60 किमी। दूर स्थित यह बीच गुजरात के सबसे आकर्षक बीचों में एक माना जाता है। दूर-दूर फैले नीले पानी को देखना और यहां की रेत पर टलहना पर्यटकों को खूब भाता है। साथ की अनेक प्रकार के जलपक्षियों को भी यहां देखा जा सकता है। सूर्योदय और सूर्यास्त का नजारा यहां से बड़ा आकर्षक प्रतीत होता हैं।

कंठकोट किला

एक अलग-थलग पहाड़ी के शिखर पर बने इस किले का निर्माण 8वीं शताब्दी में हुआ था। कहा जाता है कि 1816 में अंग्रेजों ने इस पर अधिकार कर लिया और इसका अधिकांश हिस्सा नष्ट कर दिया। किले के पास ही जैन मंदिर, कंथडनाथ मंदिर और सूर्य मंदिर है।

नारायण सरोवर मंदिर

ये मंदिर भगवान विष्णु के सरोवर के नाम से जाना जाता है। इस स्थान में पांच पवित्र झीलें हैं। इन तालाबों को भारत के सबसे पवित्र तालाबों में गिना जाता है। नारायण सरोवर को हिन्दुओं के अति प्राचीन और पवित्र तीर्थस्थलों में शुमार किया जाता है। श्री त्रिकमरायजी, लक्ष्मीनारायण, गोवर्धननाथजी, द्वारकानाथ, आदिनारायण, रणछोडरायजी और लक्ष्मीजी के मंदिर आकर्षक मंदिरों को यहां देखा जा सकता है।

भद्रेश्वर जैन मंदिर

ये प्राचीन जैन मंदिर जैन धर्म के अनुयायियों के लिए अति पवित्र माना जाता है। भद्रावती में 449 ईसा पूर्व राजा सिद्धसेन का शासन था। बाद में यहां सोलंकियों का अधिकार हो गया जो जैन मतावलंबी थे। उन्होंनें इस स्थान का नाम बदलकर भद्रेश्वर रख दिया।

कांडला बंदरगाह

यह राष्ट्रीय बंदरगाह देश के 11 सबसे महत्वपूर्ण बंदरगाहों में एक है। यह बंदरगाह कांडला नदी पर बना है। मांडवी बंदरगाह यह बंदरगाह कच्छ जिले के सबसे प्राचीन बंदरगाहों में एक है। वर्तमान में मात्र मछली पकडने के उद्देश्य से इसका प्रयोग किया जाता है। यह बंदरगाह देश के 11 सबसे महत्वपूर्ण बंदरगाहों में एक है। इस बंदरगाह को महाराव श्री खेनगरजी तृतीय और ब्रिटिश सरकार के सहयोग से 19वीं शताब्दी में विकसित किया गया था।

कच्छ मांडवी बीच

कच्छ मांडवी बीच को गुजरात के सबसे आकर्षक बीचों में से एक माना जाता है। यहां से सूर्योदय और सूर्यास्त का बेहद सुंदर नजारा देखा जा सकता है। यहां पर आपको दूर-दूर तक नीला पानी दिखाने को मिलेगा। इसके अलावा यहां पर कई प्रकार के जलपक्षियों को भी देखा जा सकता है।

जखऊ बंदरगाह

ये बंदरगाह कच्छ जिले के सबसे प्राचीन बंदरगाहों में एक है। अब इस बंदरगाह का इस्तेमाल केवल मछली पकडने के लिए किया जाता है।

धौलावीरा

यहां का पुरातात्विक स्थल हडप्पा संस्कृति का प्रमुख केन्द्र था। भुज से करीब 250 किमी दूर धौलावीरा में हडप्पा संस्कृति फली-फूली थी। यह संस्कृति 2900 ईसा पूर्व से 2500 ईसा पूर्व की मानी जाती है। सिंधु घाटी सभ्यता के अनेक अवशेषों को यहां देखा जा सकता है।

पश्चिमोत्तर कच्छ

यहां कई धार्मिक स्थले हैं। हिन्दू धर्म के पवित्र सरोवरों में से एक नरायण सरोवर, उससे थोड़ी ही दूर पर प्रसिद्ध भगवान शिव और रावण का कोटेश्वर मंदिर

कैसे पहुंचें-

सड़क मार्ग से कच्छ आसानी से जाया जा सकता है। सड़क मार्ग से गुजरात और पड़ोसी राज्यों के कई शहर जुड़े हैं। यहां के लिए राज्य परिवहन और प्राईवेट डीलक्स बसें अनेक शहरों से चलती हैं।

वायु मार्ग- भुज और कांदला दो महत्वपूर्ण एयरपोर्ट हैं।

रेल मार्ग- यहां का नजदीकी रेलवे स्टेशन गांधीधाम और भुज जिले के पास है।

सड़क मार्ग- गुजरात पड़ोसी राज्यों के कई शहर जुड़े हैं। यहां पर जाने के लिए आसानी से बस मिल जाती है।

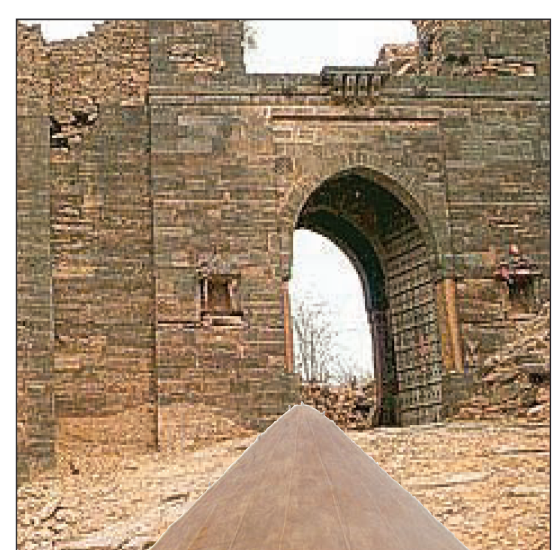

सुखद अहसास कराता है गुरुदेव का शांति निकेतन

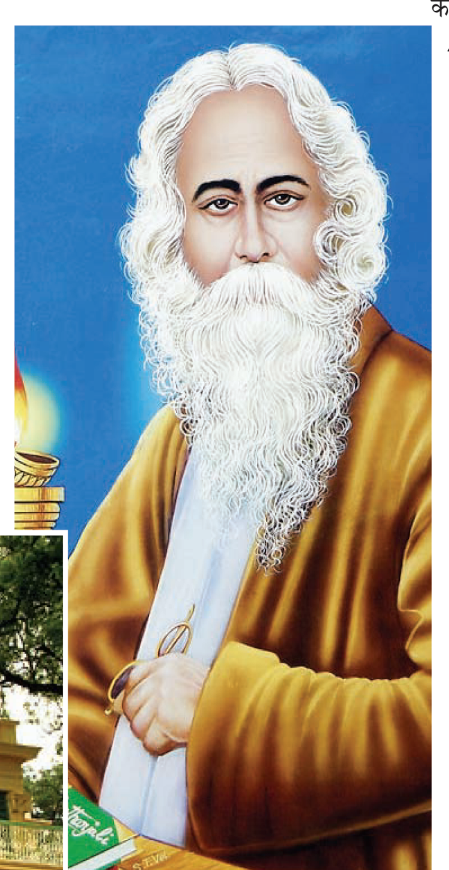

कोलकाता से 210 किलोमीटर दूर वीरभूम जिले में पड़ने वाला शांतिनिकेतन अंतर्राष्ट्रीय विश्वविद्यालय विश्व भारती के लिए प्रसिद्ध है जिसकी स्थापना गुरुदेव रवीन्द्रनाथ टैगोर ने की थी। 1863 में महर्षि देवेंद्र नाथ टैगोर द्वारा एक आश्रम के रूप में स्थापित किये गये इस विश्वविद्यालय में देश-विदेश के छात्र कला व संस्कृति की नई ऊंचाइयां छूते हैं।

शांतिनिकेतन में टैगोर की चित्रकला व मूर्तिकला के साथ ही बोस, रामकिंकर, विनोद बिहारी मुखोपाध्याय की कलाकृतियों के दर्शन करना सचमुच एक सुखद अहसास करता है। शांति निकेतन के दर्शनीय स्थलों की बात करें तो आईए आपको सबसे पहले लिए चलते हैं उत्तरायण परिसर में, जहां कि कविगुरु स्वयं रहा करते थे। इसमें उदयन, श्यामली, कोणार्क, पुनश्च तथा उदीचि जैसे कई भवन मौजूद हैं साथ ही इनके अलावा आप ललित कला का कालेज, कला भवन, संगीत भवन, नृत्य व संगीत के कालेज, विद्या भवन, शिक्षा भवन, विनय भवन, हिंदी भवन, चीना भवन आदि भी देख सकते हैं।

शांतिनिकेतन से लगभग तीन किलोमीटर दूर डियर पार्क है। जिसमें आपको हिरण विचरते हुए नजर आएंगे। लोग यहां पिकनिक का आनंद उठाने आते रहते हैं। यहां से 78 किलोमीटर की दूरी पर मासनजोर स्थित है। मयूराक्षी नदी पर बना यहां का बांध आसपास के पहाड़ी सौंदर्य के कारण बहुत ही सुन्दर दिखता है, दूर से आए सैलानियों को तो यह स्थल बहुत ही भाता है। यहां के यूथ होस्टल में ठहरने की भी व्यवस्था है। यहां से लगभग 23 किलोमीटर की दूरी पर ननूर है, जोकि 14वीं सदी के वैष्णव कवि चंडीदास का जन्मस्थल है। यदि आप यहां जाना चाहें तो बोलपुर रेलवे स्टेशन से बस द्वारा यहां एक घंटे में पहुंचा जा सकता है। शांतिनिकेतन से 80 किलोमीटर की दूरी पर स्थित तारापीठ जाने के लिए बोलपुर से रामपुरहाट बस या ट्रेन से जाना पड़ेगा। वैस रामपुरहाट से तारापीठ केवल पांच किलोमीटर दूर है। यहां रामकनाई धर्मशाला भी है जहां आप रूक सकते हैं। तारापीठ के बारे में आपको एक बात बता दें कि यह तांत्रिक अनुष्ठानों के लिए प्रसिद्ध स्थल है।

यहां की प्रसिद्ध वस्तुओं की बात करें तो आप पाएंगे कि यहां हथकरघा के वस्त्र अपनी कलात्मक डिजाइनों के लिए काफी प्रसिद्ध हैं। बोलपुर, सर्वोदय आश्रम, विश्व भारती शिल्प सदन एवं शांतिनिकेतन कोआपरेटिव स्टोर्स से आप इन वस्त्रों की खरीददारी कर सकते हैं।

मौसम के हिसाब से देखें तो इस स्थल की सबसे खास बात यह है कि यहां वर्ष भर में कभी भी जाया जा सकता है। वैसे विश्व भारती विश्वविद्यालय मई-जून तथा सितंबर-अक्टूबर में पूजा की छुट्टियों में बंद रहता है। यदि आप यहां जाने का कार्यक्रम बनाने के बारे में सोच रहे हैं तो आपको बताए देते हैं कि पश्चिम बंगाल सरकार का पर्यटन विभाग एक रात व दो दिन का पैकेज टुअर पौष मेला के लिए विशेष तौर पर चलाती है। आप इन टुअर पैकेजों के लिए बोलपुर स्टेशन के पर्यटन कार्यालय से संपर्क साध सकते हैं।

शांतिनिकेतन में आपके ठहरने की व्यवस्था भी आराम से हो सकती है। आप यहां के होटलों में फोन करके एडवांस बुकिंग भी करा सकते हैं या फिर चाहें तो शांतिनिकेतन व बोलपुर में मौजूद सस्ते डाक बंगलों में भी ठहर सकते हैं। इन डाक बंगलों में ठहरने का खर्च प्रति व्यक्ति लगभग पचास से सौ रूपये आता है।

शांतिनिकेतन तक पहुंचने के लिए निकटतम रेलवे स्टेशन बोलपुर है जो कि यहां से दो किलोमीटर दूर है। आपको बोलपुर तक आने के लिए हावड़ा, सियालदाह व गुवाहाटी से रेल सेवाएं मिल सकती हैं यदि आप सड़क मार्ग से आना चाहें तो कोलकाता के अतिरिक्त दुर्गापुर व सारनाथ से भी सड़क मार्ग से जा सकते हैं। वैसे कोलकाता से शांतिनिकेतन के लिए सरकारी बस सुबह आठ बजे चलती है।